MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 29 जनवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-28

महाराष्ट्र का 'दादा' मौन

बारामती की मिट्टी से शुरू हुआ सफर, उसी मिट्टी में खत्म

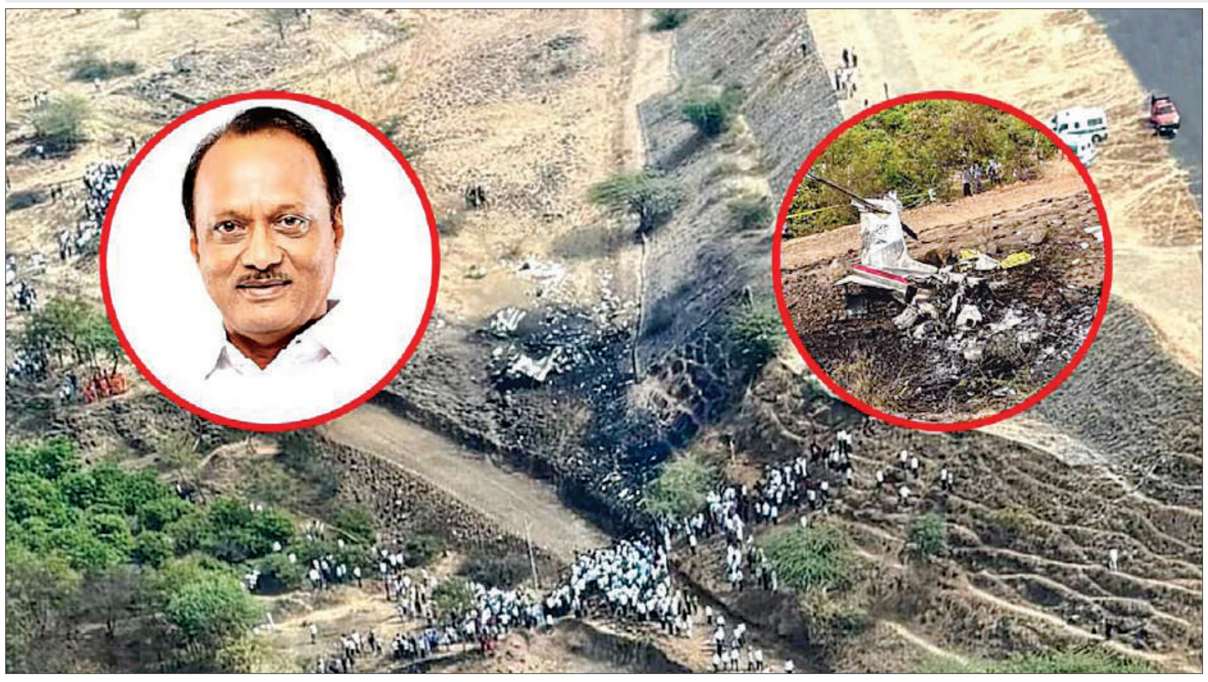

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)।
महाराष्ट्र की राजनीति में 'वक्त' को अपनी मुट्ठी में रखने वाले अजित पवार की जीवन-घड़ी बुधवार सुबह 8 बजकर 45 मिनट पर हमेशा के लिए ठहर गई। बारामती एयरपोर्ट के पास हुए एक भीषण विमान हादसे ने न केवल सूबे के डिप्टी सीएम, बल्कि उनके साथ सवार चार अन्य लोगों को भी मौत की आगोश में सुला दिया। यह हादसा महज एक दुर्घटना है या इसके पीछे कोई बड़ी तकनीकी चूक या साजिश, इसे लेकर अब देश की सियासत और जांच एजेंसियां आमने-सामने हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि प्लेन में कोई तकनीकी खराबी नहीं थी।

बुधवार सुबह जब बारामती के पास विमान के मलबे से लपटें उठ रही थीं, तब पहचान करना भी मुश्किल था। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस सूत्रों के अनुसार, अजित पवार की अंतिम पहचान उनके हाथ में बंधी उस घड़ी से हुई, जो न केवल उनका व्यक्तिगत शौक था, बल्कि उनकी पार्टी का चुनाव चिन्ह भी था। जिस शख्स ने ताउम्र वक्त की पाबंदी और अनुशासन को अपनी राजनीति का हथियार बनाया, नियति ने उनके शव की पहचान भी वक्त बताने वाली उसी घड़ी से कराई।

अजित पवार के पार्थिव शरीर को बारामती लाया जा चुका है. अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले को अस्पताल के बाहर फूट-फूटकर रोते देख वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम थीं। गुरुवार सुबह 11 बजे बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा. गृह मंत्री अमित शाह भी अंतिम संस्कार में शामिल होंगे।

आखिरी 7 मिनटों का पूरा घटनाक्रम

शुरुआती जांच में विमान को पूरी तरह एयरवर्थी बताया गया है, पायलट अनुभवी थे, कोई MAYDAY कॉल नहीं गया, फिर भी हादसा हुआ। ऐसे में हादसे की जांच अब उन अंतिम सात मिनटों पर सिमट गई है, जब विमान बारामती की एयरस्ट्रिप के ऊपर चक्कर लगा रहा था। दरअसल, 28 जनवरी को समय सुबह 8 बजकर 10 मिनट पर मुंबई से बारामती के लिए 'लीयरजेट-45' विमान ने उड़ान भरी. अजित पवार जिला परिषद चुनाव की रैलियों के लिए रवाना हुए थे। उड़ान सामान्य थी, मौसम में कोई चेतावनी दर्ज नहीं थी। करीब 8:37 बजे विमान पहली बार रडार से गायब हुआ। दो मिनट बाद 8:39 बजे वह दोबारा रडार पर दिखाई दिया। फ्लाइटराडार-24 के आंकड़े बताते हैं कि इस दौरान विमान ने 'गो-अराउंड मैन्यूवर' किया यानी लैंडिंग को बीच में छोड़कर दोबारा ऊंचाई ली. 8 बजकर 38 मिनट 18 सेकंड पर पहली लैंडिंग की कोशिश हुई, लेकिन खराब दृश्यता के कारण विमान रनवे पर नहीं उतर पाया. 8 बजकर 38 सेकंड 45 सेकंड पर पायलट गो-अराउंड का फैसला लेते हैं। विमान उसी दिशा में लौटता है, जिस दिशा से पहले आया था।

फिर आता है निर्णायक क्षण सुबह 8:42 : पायलटों ने एटीसी को सूचित किया कि कम दृश्यता के कारण रनवे ▶10पर

विमानन मंत्री ने बारामती विमान दुर्घटना में ऑपरेटर से जुड़े सुरक्षा मुद्दों से किया इनकार

एएआईबी करेगी गहन जांच, डीजीसीए की सभी स्वीकृतियां पहले से मौजूद

हैदराबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बुधवार, 28 जनवरी को कहा कि बारामती हवाई अड्डे पर हुई विमान दुर्घटना की विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा गहन जांच की जाएगी और फिलहाल विमान के ऑपरेटर को लेकर किसी प्रकार की सुरक्षा संबंधी चिंता नहीं है। गौरतलब है कि बुधवार सुबह एक लीयरजेट 45 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार सहित चार अन्य लोगों की मौत हो गई। दुर्घटनाग्रस्त विमान का पंजीकरण संख्या वीटी-एसएसके थी, जिसे दिल्ली स्थित गैर-अनुसूचित उड़ान संचालक वीएसआर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित किया जा रहा था।

विमानन मंत्री ने जानकारी देते हुए कहा कि एएआईबी और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की टीमें दुर्घटनास्थल पर मौजूद हैं और जांच प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विंग्स इंडिया 2026 विमानन शिखर सम्मेलन के दौरान मीडियाकर्मियों से बातचीत में नायडू ने कहा, हमें यह समझने की आवश्यकता है कि उस समय वास्तव में क्या हुआ था, इसके लिए गहन जांच जरूरी है।

मंत्री ने बारामती में दुर्घटनास्थल का दौरा करने के बाद यह बयान दिया। जब उनसे ऑपरेटर से जुड़ी किसी भी सुरक्षा चिंता के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से नकारात्मक जवाब दिया।

उन्होंने कहा, डीजीसीए ने पूरी तरह से जांच की है, सभी आवश्यक स्वीकृतियां प्रदान की गई हैं और ऐसा प्रतीत होता है कि संगठन का पिछले वर्ष ही मूल्यांकन भी किया गया था। इस लिहाज से हमें उस ओर से कोई चिंता नहीं दिखती है और वे नियमित रूप से कई उड़ानों का संचालन कर रहे हैं।

अनियंत्रित हवाई अड्डों और उड़ान प्रशिक्षण संगठनों से संबंधित सवालों पर मंत्री ने कहा कि सभी पहलुओं की जांच की जाएगी और यदि किसी प्रकार के सुधार की आवश्यकता होगी, तो निश्चित रूप से, हम आगे आवश्यक कदम उठाएंगे। ▶10पर

हाई कोर्ट की वित्त मंत्रालय को कड़ी चेतावनी

क्रेडिट डेटा संबंधी पीआईएल पर जवाब दाखिल करने का अंतिम अवसर

हैदराबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बुधवार को केंद्रीय वित्त मंत्रालय को 2021 से लंबित एक जनहित याचिका के खिलाफ 17 मार्च, 2026 तक अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने का अंतिम अवसर दिया है। यह याचिका ट्रांसयूनियन सिबिल, इक्विफैक्स, एक्सपेरियन और सीआरआईएफ हाई मार्क जैसी क्रेडिट सूचना कंपनियों को क्रेडिट स्कोर रिपोर्ट के माध्यम से नागरिकों के व्यक्तिगत डेटा को एकत्र करने, संसाधित करने और प्रसारित करने से रोकने की मांग करती है। अदालत ने चेतावनी दी कि आदेश का पालन न करने पर जुर्माना लगाया जाएगा।

याचिकाकर्ता ने भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 29 नवंबर, 2021 को अधिसूचित 'क्रेडिट सूचना कंपनी (संशोधन) विनियम, 2021' को चुनौती दी है। इस मामले में पहले 3 दिसंबर, 2021 और 9 मई, 2023 को आरबीआई, केंद्रीय वित्त मंत्रालय और क्रेडिट ब्यूरो को नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन अभी तक उनकी ओर से जवाबी हलफनामा दाखिल नहीं किया गया है।

अदालत ने समय सीमा का कड़ाई से पालन करने का दिया निर्देश

मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह और न्यायमूर्ति जी।एम. मोहिउद्दीन की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के प्रधान सचिव को समय सीमा का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया। खंडपीठ ने निरंतर गैर-अनुपालन को लेकर केंद्रीय वित्त मंत्रालय के वकील को आगाह किया और स्पष्ट किया कि अब और देरी स्वीकार्य नहीं होगी।

मुर्मू ने संसद में रखा सरकार का एजेंडा

गिनाईं उपलब्धियां, दिया 'विकसित भारत' का मंत्र

नयी दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)।
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि बताते हुए सांसदों से राजनीतिक मतभेदों को परे रखकर विकसित भारत जैसे राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर आम सहमति से काम करने और देश के विकास को नयी ऊर्जा देने का पुरजोर आह्वान किया है।

श्रीमती मुर्मु ने संसद के बजट सत्र के पहले दिन दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में अपने अभिभाषण में कहा कि राष्ट्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सांसदों का एकमत होना जरूरी है और यही संविधान की भावना भी है। उन्होंने अपने संबोधन में सरकार के पिछले 11 वर्षों के कार्यकाल में देश के विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से प्रगति करने का उल्लेख करते हुए कहा कि देश तेजी से हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ रहा है। उन्होंने रक्षा , स्वास्थ्य , शिक्षा, अंतरिक्ष , ढांचागत निर्माण और कृषि आदि क्षेत्रों में सरकार की उपलब्धियों का विशेष तौर पर जिक्र किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार भ्रष्टाचार मिटाने और सामाजिक न्याय तथा महिला सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

अपने संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि उन्हें संसद को संबोधित करते हुए प्रसन्नता हो रही है और उन्होंने याद दिलाया कि पिछला वर्ष भारत की तीव्र प्रगति और समृद्ध विरासत का जश्न मनाने के लिए यादगार रहा। उन्होंने उल्लेख किया कि वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे देश में मनाए गए, जिसमें नागरिकों ने बंकिम चंद्र चटर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुर्मू ने कहा कि देश ने श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस मनाया। बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर पूरे देश ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और आदिवासी समुदाय के प्रति उनके योगदान को याद किया। सरदार पटेल की 150वीं जयंती से संबंधित कार्यक्रमों ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को और मजबूत किया। पूरे देश ने देखा कि भारत रत्न भूपेन हजारिका की जयंती समारोह ने देश को संगीत और एकता की भावना से भर दिया। जब देश अपने पूर्वजों के योगदान को याद करता है, तो नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है, जिससे 'विकसित भारत' की ओर हमारा सफर और भी तेज हो जाता है।

सामाजिक न्याय पर जोर देते हुए राष्ट्रपति ने रेखांकित किया कि बाबासाहेब अंबेडकर ने समानता और सामाजिक न्याय पर निरंतर बल दिया, जो संविधान में निहित मूल्य हैं। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को बिना किसी भेदभाव के अपने पूर्ण अधिकार मिलने चाहिए। मेरी सरकार सच्चे सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि इसके परिणामस्वरूप, पिछले दशक में लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं और सरकार के तीसरे कार्यकाल में गरीबों को सशक्त बनाने के प्रयासों को और तेज किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मेरी सरकार दलितों, पिछड़ों, आदिवासी समुदाय और सभी के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। 'सबका साथ सबका विकास' का दृष्टिकोण प्रत्येक नागरिक के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। ▶10पर

जीएचएमसी सर्वे का बड़ा खुलासा

संपत्ति स्वामियों ने की 100 करोड़ की टैक्स चोरी!

हैदराबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
आर्थिक तंगी से जूझ रहे ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने एक लाख से अधिक ऐसे संपत्ति स्वामियों की पहचान की है, जिन्होंने पिछले कई वर्षों से अपनी संपत्तियों का कम मूल्यांकन करके सामूहिक रूप से 100 करोड़ रुपये से अधिक के टैक्स की चोरी की है। यह खुलासा अगस्त 2024 से दिसंबर 2025 के बीच ड्रोन इमेजरी और हाई-रेजोल्यूशन मैपिंग का उपयोग करके किए गए जीएचएमसी के जीआईएस - आधारित सर्वेक्षण के दौरान हुआ। इस सर्वे के हिस्से के रूप में छह लाख से अधिक संपत्तियों का मूल्यांकन किया गया था।

निष्कर्षों से पता चला है कि कम मूल्यांकन वाली अधिकांश संपत्तियां सेरिलिंगमपल्ली, चंदननगर, मूसपेट, कुकटपल्ली और एलबी नगर सर्कल में केंद्रित हैंये वे क्षेत्र हैं जहाँ पिछले कुछ वर्षों में तेजी से शहरीकरण, ऊंची इमारतों के निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी गई है।

एक अधिकारी ने बताया, ''यह मुख्य रूप से 2020

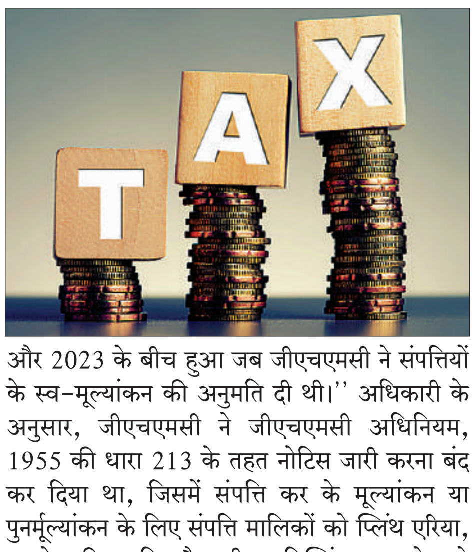

और 2023 के बीच हुआ जब जीएचएमसी ने संपत्तियों के स्व-मूल्यांकन की अनुमति दी थी।'' अधिकारी के अनुसार, जीएचएमसी ने जीएचएमसी अधिनियम, 1955 की धारा 213 के तहत नोटिस जारी करना बंद कर दिया था, जिसमें संपत्ति कर के मूल्यांकन या पुनर्मूल्यांकन के लिए संपत्ति मालिकों को प्लिंथ एरिया, उपयोग की प्रकृति और स्वीकृत बिल्डिंग प्लान के बारे में विस्तृत जानकारी देना आवश्यक होता है। उन्होंने आगे कहा, ''नियम में इस संशोधन के कारण बड़ी संख्या में संपत्ति मालिक अपडेटेड विवरण जमा करने में विफल रहे।''

अधिकारियों ने कहा कि इनमें से अधिकतर व्यावसायिक इमारतें या कई किरायेदारों वाले रेंटल कॉम्प्लेक्स हैं। जबकि मालिकों ने कई कब्जाधारियों से किराया वसूला, लेकिन टैक्स के उद्देश्य से उन्होंने केवल कुछ ही यूनिट्स की घोषणा की। एक अधिकारी ने कहा, ''कई मामलों में, उन्होंने आधिकारिक रिकॉर्ड अपडेट किए बिना आवासीय भवनों को व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में बदल दिया। ऐसे उदाहरण भी हैं जहाँ गोदामों के लिए अनुमति ली गई थी लेकिन कम टैक्स देने के लिए उनका उपयोग रिटेल स्टोर के रूप में किया जा रहा था।''

जीआईएस मैपिंग और बिजली कनेक्शन डेटा से खुली पोल

उन्हें संदेह है कि डिफॉल्टरों की अंतिम संख्या बहुत अधिक हो सकती है। जीएचएमसी के अतिरिक्त आयुक्त (आईटी और राजस्व) अनुराग जयंती ने कहा, '' जीएचएमसी के भीतर लगभग 20 लाख संपत्तियां हैं। ▶10पर

झील रखरखाव में देरी से बढ़ी मच्छरों की समस्या

हैदराबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के भीतर चल रहे पुनर्गठन के बीच, शहर भर के निवासी मच्छरों के बढ़ते प्रकोप का सामना कर रहे हैं। नगर निकाय के वेक्टर कंट्रोल (रोग वाहक नियंत्रण) उपाय अधर में लटके हुए हैं। स्थिति तब और खराब हो गई जब अक्टूबर से झीलों के रखरखाव का काम बंद हो गया, क्योंकि अनुबंध समाप्त हो गए थे और जीएचएमसी समय पर उनका नवीनीकरण करने में विफल रहा। वर्तमान में कई झीलें जलकुंभी और खरपतवार से पटी पड़ी हैं, जो मच्छरों के प्रजनन के लिए आदर्श स्थान बन गई हैं। मूसपेट, कुकटपल्ली, मलकजगिरी, अट्टापुर और कापड़ा के निवासियों ने मच्छरों के कारण रातों की नींद हराम होने की शिकायत की है, विशेष रूप से वे लोग जो जल निकायों के करीब रहते हैं। रेनबो विस्टा रॉक गार्डन (मूसपेट) के अध्यक्ष टी. सत्यनारायण रेड्डी ने कहा, ''कामुनी चेरुवु के पास रहने वाले लगभग 15,000 निवासी इस समस्या से पीड़ित हैं। बच्चे और बुजुर्ग बीमार पड़ रहे हैं। झील जलकुंभी और ठहरे हुए पानी से भरी है, जिसने मच्छरों को कई गुना बढ़ा दिया है।''विभिन्न इलाकों के निवासियों का कहना है कि पिछले कुछ हफ्तों में समस्या और गंभीर हो गई है। उनके अनुसार, फॉगिंग दो या तीन सप्ताह में केवल एक बार की जाती है, जिससे बहुत ही कम समय के लिए ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मिडिल ईस्ट में तनाव : ट्रंप ने दी जंगी बेड़ा भेजने की चेतावनी, ईरान-अमेरिका के बीच युद्ध की आहट

वाशिंगटन, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने एक बार फिर दुनिया को चिंता में डाल दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एक बेहद कड़ा बयान देते हुए घोषणा की है कि अमेरिका का एक विशाल जंगी बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा है। ट्रंप के इस बयान के बाद मिडिल ईस्ट यानी मध्य पूर्व के क्षेत्र में युद्ध की आहट तेज हो गई है। राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि यह कदम सुरक्षा और एहतियात के तौर पर उठाया गया है, लेकिन अमेरिका ईरान की हर गतिविधि पर बहुत करीब से नजर रख रहा है। रक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार, अमेरिका के कई शक्तिशाली युद्धपोत पहले ही मिडिल ईस्ट के सामरिक क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुके हैं। इनमें परमाणु ऊर्जा से चलने वाला विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और कई गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रायर शामिल हैं, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र से होते हुए ईरान की ओर बढ़ रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह हमलावर दस्ता किसी भी सैन्य कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है। साथ ही, अमेरिकी अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि क्षेत्र में अपने सैन्य ठिकानों की सुरक्षा के लिए जल्द ही अतिरिक्त एयर डिफेंस सिस्टम की तैनाती भी की जा सकती है, ताकि ईरान की ओर से होने वाले किसी भी संभावित हमले को विफल किया जा सके। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने संबोधन में कहा कि उनके पास एक अत्यंत सक्षम जंगी बेड़ा है जो सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने पिछले सप्ताह भी इसी तरह के संकेत दिए थे, जिससे तनाव की स्थिति बनी हुई है। हालांकि, कड़े लहजे के बीच ट्रंप ने मंगलवार को यह भी दावा किया था कि ईरान समझौता करने का इच्छुक है और वह बातचीत की मेज पर आ सकता है। इससे पहले स्विट्जरलैंड के दावोस में और एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से चर्चा के दौरान भी उन्होंने बड़ी सेना के मूवमेंट की पुष्टि की थी। ताजा सैन्य रिपोर्टों के मुताबिक, यूएसएस अब्राहम लिंकन स्ट्राइक ग्रुप हिंद महासागर में प्रवेश कर चुका है और अगले एक-दो दिनों में आपरेशनल रूप से पूरी तरह सक्रिय हो जाएगा। अमेरिकी सेना ने अपने बेड़े को और अधिक शक्तिशाली बनाने के लिए करीब एक दर्जन अतिरिक्त युद्धक विमान भी इस क्षेत्र में रवाना किए हैं। रणनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि कूटनीतिक स्तर पर बातचीत सफल नहीं हुई।

न्यूज ब्रीफ

पेट में दर्द से परेशान शख्स की मौत का पोस्टमार्टम में खुला राज, डाक्टर भी हैरान

टोक्यो। जापान के रिसर्चर्स ने ऐसा खुलासा किया है जिससे रूह कांप जाए। उन्होंने बताया कि एक 60 साल के व्यक्ति की मौत के बाद जब उसका पोस्टमार्टम किया गया, तो उसके शरीर के अंदर से ऐसी-ऐसी चीजें निकलीं, जिसे देख फारेंसिक एक्सपर्ट्स की आंखें फटी रह गईं। उस व्यक्ति के मलाशय के अंदर एक आईलाइनर फंसा था और उससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह थी कि उस आईलाइनर से चिपक कर मूत्राशय में एक बड़ी पथरी विकसित हो गई थी। यह मामला तब सामने आया जब इस व्यक्ति को बेहोशी की हालत में अस्पताल ले जाया गया। उसके भाई ने उसे घर पर अचेत पाया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अस्पताल पहुंचने के बाद डाक्टरों ने उसे बचाने की हर संभव कोशिश की, लेकिन दो दिनों तक चले इलाज के बाद भी उसकी मौत हो गई। मौत से दो हफ्ते पहले उसने भूख न लगने और दस्त की शिकायत की थी, साथ ही वह पिछले तीन सालों से पेट में रुक-रुक कर होने वाले दर्द से जूझ रहा था। मौत का कारण शुरू में स्पष्ट नहीं हुआ, इसलिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। फारेंसिक पैथोलाजिस्टों ने जब जांच शुरू की, तो उन्हें मलाशय के अंदर 9 सेंटीमीटर लंबा और 0.8 सेंटीमीटर चौड़ा एक एल्युमिनियम का आईलाइनर मिला। ताज्जुब की बात यह थी कि उस आईलाइनर पर ब्रांड का नाम अभी भी साफ नजर आ रहा था, लेकिन सबसे भयानक दृश्य यह था कि उस आईलाइनर से सटकर एक विशालकाय पथरी बन चुकी थी। जांच में पता चला कि इस आईलाइनर ने मलाशय की दीवार को छेद दिया था और वह मूत्राशय के पिछले हिस्से में जा घुसा था। इस स्थिति के कारण शरीर के आंतरिक अंगों को भारी नुकसान पहुंचा। व्यक्ति की एक किडनी सूज कर लाल हो गई थी, जबकि दूसरी पीली पड़ चुकी थी। गुर्दे से मूत्राशय तक पेशाब ले जाने वाली नली खिंच चुकी थी। डाक्टरों ने मौत का कारण किडनी के गंभीर संक्रमण को बताया। शख्स के शरीर के अंदर ही जहर फैल गया था, जिससे उसके अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। पुलिस ने इस मामले की गहन जांच शुरू की कि आखिर एक आईलाइनर उस जगह तक पहुंचा कैसे।

चीन में तख्ता पलटने बचपन के दोस्त ने दिया धोखा, जिनपिंग को लगा झटका

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के दो सबसे ताकतवर आर्मी जनरल्स अमेरिका के लिए जासूसी कर रहे थे। यह दोनों ही शी जिनपिंग के बहुत करीबी माने जाते हैं। इन दोनों जनरल्स का नाम जांग यूशिया और ल्यू झेनली है। 75 साल के जनरल यूशिया चीन की सबसे बड़ी और सबसे ताकतवर सैन्य संस्था सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के उपाध्यक्ष हैं और वह सबसे शक्तिशाली व्यक्ति हैं। खुद शी जिनपिंग जो कि इस संस्था के चेयरमैन हैं और जो वाइस चेयरमैन हैं वो जांग योशिया ये जनरल युशिया जो हैं ये चीन के साथ गद्दारी कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन की हर एक सेना का कमांड और कंट्रोल इसी सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के पास होता है। जनरल ल्यू जेनली भी सेंट्रल मिलिट्री कमीशन में चीफ आफ स्टाफ थे। जनरल यूशिया और शी जिनपिंग दोनों बहुत अच्छे दोस्त थे। यानी एक दोस्त ने ही दूसरे दोस्त के साथ गद्दारी की और शी जिनपिंग का तख्ता पलट करने की कोशिश की। रिपोर्ट के मुताबिक आरोप यह है कि इन दोनों जनरल्स ने चीन के परमाणु हथियारों से जुड़ा सबसे अहम डाटा अमेरिका को दे दिया और यह दावा खुद अमेरिका के ही एक अखबार ने किया है। सवाल यह है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के इतने खास और गहरे दोस्त इस जनरल पर परमाणु जानकारी लीक करने का आरोप कैसे लगा बता दें 24 जनवरी को एक बंद कमरे में चीन की सेना के जो बड़े-बड़े जनरल्स थे उनकी एक हाई लेवल मीटिंग हुई और वहीं पर पहली बार यह आरोप लगाया गया।

भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए एच-1बी वीजा का रास्ता बंद होने की कगार पर

वाशिंगटन। अमेरिका में काम करने वाले हजारों भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए एच-1बी वीजा का भरोसेमंद रास्ता बंद होता दिख रहा है। ट्रंप सरकार के वीजा नियम सख्त करने और फीस में भारी बढ़ोतरी के बाद आवेदकों को अब नई दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। भारतीयों का वीजा के लिए इंटरव्यू ही नहीं लिया जा रहा है। भारत में अमेरिकी दूतावासों ने वीजा-स्टैंपिंग इंटरव्यू की तारीखें अगले साल तक बढ़ा दी हैं। रिपोर्ट बताती है कि दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद और कोलकाता जैसे बड़े भारतीय शहरों में काउंसलर आफिस में रेगुलर इंटरव्यू स्लाट उपलब्ध नहीं हैं। इससे आवेदकों को पता नहीं चल रहा है कि वे अमेरिका कब लौट पाएंगे। इसकी शुरुआत बीते साल दिसंबर में हुई थी, जब एच-1बी इंटरव्यू मार्च 2026 के लिए रीशेड्यूल किए गए। इंटरव्यू अपाइंटमेंट्स को पहले मार्च 2026 और फिर अक्टूबर 2026 तक बढ़ाया गया। हाल ही में इस 2027 तक बढ़ाया। इस जनवरी और फरवरी में इंटरव्यू की तारीख वाले आवेदकों ने बताया है कि उन्हें आधिकारिक ईमेल मिले हैं।

भविष्य में मशीनों का संगठित झुंड तय करेगा जीत और हार

बीजिंग, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

चीन की नई सैन्य तकनीक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित ड्रोन स्वार्म ने यह साफ कर दिया है कि आने वाले समय में युद्ध की दिशा और दशा पूरी तरह बदलने वाली है, जहां इंसानी फौज नहीं बल्कि मशीनों का संगठित झुंड जीत और हार तय करेगा। चीनी सेना यानी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने एआई आधारित ड्रोन तकनीक में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। नेशनल यूनिवर्सिटी आफ डिफेंस टेक्नोलाजी में किए गए हालिया परीक्षणों में सामने आया है कि अब एक अकेला सैनिक 200 से अधिक ड्रोनों के झुंड को एक साथ नियंत्रित कर सकता है। यह सिर्फ तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि युद्ध की रणनीति में क्रांतिकारी बदलाव का संकेत है। मीलों दूर बैठा एक आपरेटर अपनी उंगलियों के इशारों से ऐसी तबाही मचा सकता है, जिसे रोकना पारंपरिक रक्षा प्रणालियों के लिए बेहद मुश्किल होगा।

चीनी सरकारी ब्राडकास्टर सीसीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, ये ड्रोन पूरी तरह स्वायत्त एल्गोरिदम पर काम करते हैं। उड़ान के दौरान ये आपस में संवाद करते हैं और खुद तय करते हैं कि कौन ड्रोन निगरानी करेगा, कौन दुश्मन का ध्यान भटकाने के लिए डिकाय बनेगा और कौन सीधे हमला करेगा। यही सामूहिक बुद्धिमत्ता इन्हें बेहद घातक बनाती है। इनका सबसे बड़ा फायदा यह है कि दुश्मन की रडार और मिसाइल डिफेंस सिस्टम को भ्रमित कर दिया जाता है, क्योंकि सैकड़ों छोटे लक्ष्यों को एक साथ ट्रैक करना लगभग असंभव हो जाता है। इस ड्रोन स्वार्म की एक और खासियत इसकी एंटी-जामिंग क्षमता है। भारी विद्युत चुंबकीय हस्तक्षेप के बीच भी ये ड्रोन अपने मिशन से भटकते नहीं हैं।

अगर किसी कारण से आपरेटर से संपर्क टूट भी जाए, तो ये ड्रोन आपस में समन्वय बनाकर पहले से तय मिशन को पूरा करने में सक्षम हैं। यानी इंसानी नियंत्रण खत्म होने के बाद भी मशीनें अपना फैसला खुद ले सकती हैं। वैश्विक सैन्य संतुलन के लिहाज से यह परीक्षण बेहद अहम माना जा रहा है। युद्ध अब सैनिकों की संख्या या हथियारों की भारी तैनाती से नहीं, बल्कि एआई की समझ, डेटा लिंक और मशीनों के तालमेल से जीते जाएंगे। भारत समेत कई देश स्वार्म ड्रोन तकनीक पर काम कर रहे हैं और भारतीय सेना ने भी इसके प्रयोग किए हैं, लेकिन 200 से अधिक ड्रोनों को एक साथ नियंत्रित करने की चीन की क्षमता एक बड़ी चुनौती के रूप में देखी जा रही है।

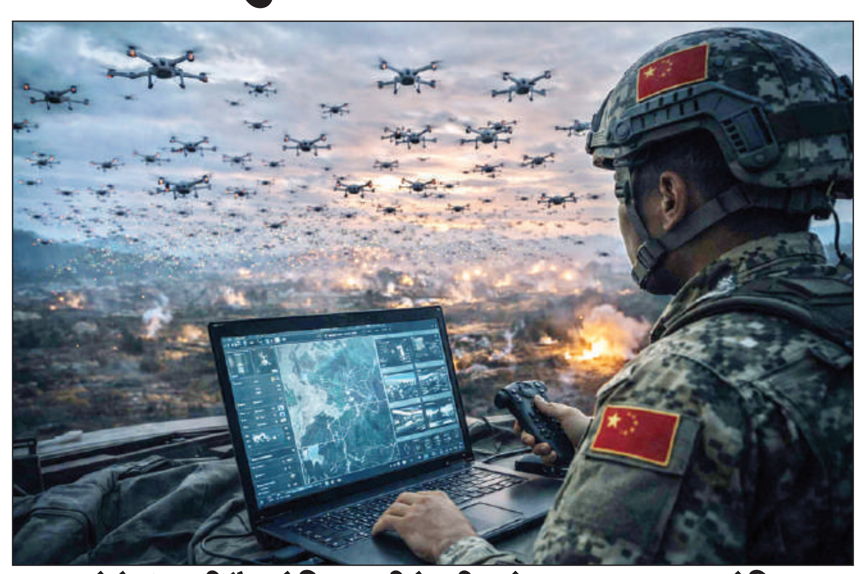

भरोसेमंद नहीं है अमेरिका, फ्री ट्रेड डील के बावजूद साउथ कोरिया पर लगाया 25 प्रतिशत टैरिफ

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अपनी अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत आक्रामक रुख अपनाते हुए दुनिया को हैरान कर दिया है। ट्रंप ने दक्षिण कोरिया (साउथ कोरिया) से होने वाले आयात पर टैरिफ को 15 प्रतिशत से सीधे बढ़ाकर 25 प्रतिशत करने का बड़ा ऐलान किया है। राष्ट्रपति का यह फैसला विशेष रूप से इसलिए चौंकाने वाला है क्योंकि महज कुछ महीने पहले ही दोनों देशों के बीच एक ऐतिहासिक फ्री ट्रेड डील पर सहमति बनी थी। इस कदम से न केवल दक्षिण कोरियाई अर्थव्यवस्था बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार संबंधों में भी भारी अनिश्चितता पैदा हो गई है। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस फैसले की जानकारी देते हुए सीधे तौर पर दक्षिण कोरिया की संसद को इस गतिरोध का जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि कोरियाई संसद ने अब तक उस ट्रेड डील को कानूनी रूप से लागू नहीं किया है, जिस पर दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच सहमति बनी थी। राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी शर्तों का पालन नहीं होता, अमेरिका आटोमोबाइल, लकड़ी, फार्मास्यूटिकल्स और अन्य सभी रेसिप्रोकल टैरिफ मदों पर 25 प्रतिशत शुल्क वसूलेगा। यह घोषणा उन दावों के विपरीत है जो जुलाई में किए गए थे, जिसमें कहा गया था कि दक्षिण कोरिया अमेरिका में 350 अरब डालर का निवेश करेगा और बदले में अमेरिका टैरिफ को घटाकर 15 प्रतिशत पर सीमित रखेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप का यह फैसला घरेलू मोर्चे पर बढ़ते दबाव का परिणाम भी हो सकता है। हालांकि, हालिया शोध और आर्थिक आंकड़े बताते हैं कि इस तरह के आयात शुल्क का बोझ अंततः अमेरिकी उपभोक्ताओं की जेब पर ही पड़ता है, जिससे महंगाई और जीवन-यापन की लागत बढ़ जाती है। इसके बावजूद, ट्रंप टैरिफ को एक रणनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने से पीछे नहीं हट रहे हैं। दक्षिण कोरिया अमेरिका का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और हर साल अमेरिका वहां से लगभग 150 अरब डालर का सामान आयात करता है। ऐसे में 10 प्रतिशत की अतिरिक्त वृद्धि से दोनों देशों के बीच होने वाले व्यापार पर गहरा असर पड़ना तय है। यह पहली बार नहीं है जब अमेरिकी प्रशासन ने इस तरह का यू-टर्न लिया हो। इससे पहले कनाडा, यूरोपीय देशों और स्विट्जरलैंड के साथ भी टैरिफ को लेकर तकरार देखने को मिली है। वैश्विक स्तर पर अब अमेरिकी वादों की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यदि द्विपक्षीय समझौतों के बाद भी एकतरफा टैरिफ बढ़ाए जाते हैं, तो भविष्य में अन्य देश अमेरिका के साथ दीर्घकालिक व्यापारिक संबंध बनाने से कतरा सकते हैं।

महिला ने किया तीन बार मौत का दावा, हर बार किया अलग अनुभव

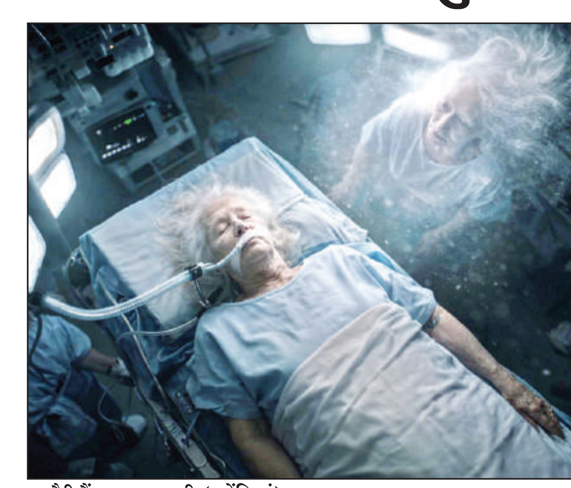

मैरीलैंड, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के मैरीलैंड की रहने वाली 80 वर्षीय पादरी नार्मा एडवर्ड्स का दावा है कि वह अपने जीवन में तीन बार क्लीनिकली डेड घोषित की जा चुकी हैं और हर बार मौत के बाद उन्होंने एक अलग ही दुनिया का अनुभव किया। नार्मा बताती हैं कि उनका पहला सामना मौत से तब हुआ, जब वह महज 20 साल की थीं। काम पर जाते वक्त वह अचानक गिर पड़ीं और उनकी दिल की धड़कनें रुक गईं। डाक्टरों ने बाद में बताया कि उनके शरीर में एक मृत भ्रूण मौजूद था, जिससे संक्रमण फैल गया था। नार्मा के अनुसार, जैसे ही वह बेहोश हुईं, उन्हें महसूस हुआ कि वह अपने शरीर से बाहर निकल गई हैं और आपरेशन टेबल पर पड़े खुद को ऊपर से देख रही हैं। उस वक्त उन्हें किसी तरह का दर्द महसूस नहीं हुआ। इसके बाद वह तेज रफ्तार से एक अंधेरी सुरंग में आगे बढ़ीं और अंत में एक बेहद चमकदार सफेद रोशनी में पहुंच गईं। इस रोशनी में नार्मा ने एक विशाल स्क्रीन देखी, जिस पर उनकी जिंदगी का पूरा लेखा-जोखा चल रहा था।

उनके अनुसार, स्क्रीन पर तीन हिस्से थे पहले में वह जीवन था, जो धरती पर आने से पहले उनके लिए तय किया गया था, दूसरे में वह जिंदगी जो उन्होंने वास्तव में जी और तीसरे में उसका परिणाम। नार्मा का कहना है कि हर बार नतीजे में लिखा आता था कि उनका उद्देश्य अभी पूरा नहीं हुआ है। इसी दौरान उनकी मृत चाची उनसे मिलीं, लेकिन उन्हें छूने से रोका और यह संदेश देकर वापस भेज दिया कि जीवन शाश्वत है और मौत अंत नहीं है। जब नार्मा वापस अपने शरीर में लौटीं, तो यह अनुभव उनके लिए बेहद पीड़ादायक था। वह इसे ऐसे समझाती हैं जैसे किसी विशाल आकाश को एक छोटे से पात्र में भरने की कोशिश की जा रही हो। इस घटना के बाद नार्मा का दावा है कि उनकी इंद्रियां पहले से कहीं ज्यादा संवेदनशील हो गईं और उन्हें असामान्य अनुभव होने लगे। नार्मा का कहना है कि नवंबर 2024 में उन्हें दो बार फिर कार्डियक अरेस्ट आया और वह एम्बुलेंस में ले जाते समय क्लीनिकली डेड घोषित की गईं।

अमेरिका में बर्फीला तूफान, 30 की मौत

न्यूयार्क। अमेरिका में रविवार से जारी बर्फीले तूफान ने देशभर में हालात बिगाड़ दिए है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 20 राज्यों और राजधानी वाशिंगटन डीसी में इमरजेंसी घोषित कर रखा है। नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक, तूफान लगभग 3,220 किलोमीटर के एरिया में फैला है। करीब 21 करोड़ यानी दो-तिहाई अमेरिकी इस तूफान की चपेट में है। न्यूयार्क समेत देशभर में अब तक 30 लोगों की जान गई है। देश के कई इलाके में 12 से 20 इंच तक बर्फ गिरी, जिससे हाईवे बंद हो गए, उड़ानें रद्द हुईं और स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी गईं। सोमवार शाम तक करीब 7 लाख घर बिना बिजली के रहे। फ्लाइटअवेयर के अनुसार सोमवार को देशभर में 8,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं।

रूस-यूक्रेन युद्ध : राष्ट्रपति ट्रंप शांति प्रक्रिया को लेकर गंभीर, फिलहाल पुतिन से सीधी बातचीत तय नहीं

वाशिंगटन, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

व्हाइट हाउस ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की दिशा में कूटनीतिक रूप से सक्रिय हैं और शांति बहाली उनकी विदेश नीति की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने सोमवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप व्यक्तिगत रूप से शांति प्रयासों की निगरानी कर रहे हैं और उनके सलाहकार उन्हें हर पल के घटनाक्रम से अवगत करा रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि वर्तमान में राष्ट्रपति ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच किसी सीधी फोन काल या बातचीत का कोई आधिकारिक कार्यक्रम तय नहीं है।

प्रेस सचिव ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रपति इस जटिल अंतरराष्ट्रीय मुद्दे के समाधान के लिए पूरी तरह गंभीर हैं। उन्होंने बताया कि इस सप्ताह राष्ट्रपति की पुतिन के साथ किसी वार्ता की योजना नहीं है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि कूटनीतिक प्रक्रिया धीमी पड़ी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों और विशेष दूतों को जिम्मेदारी सौंपी है कि वे दोनों पक्षों को बातचीत की मेज पर लाने के लिए निरंतर संपर्क बनाए रखें। हाल के दिनों में अमेरिकी अधिकारियों द्वारा विभिन्न देशों के साथ की गई बहुस्तरीय वार्ता को ऐतिहासिक बताया जा रहा है, जिसमें युद्धरत दोनों पक्षों ने भाग लिया और शांति के संभावित रोडमैप पर चर्चा की। रूस-यूक्रेन संघर्ष अब अपने चौथे वर्ष में प्रवेश कर चुका है, जिसने न केवल यूरोप बल्कि पूरी दुनिया की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। व्हाइट हाउस ने जोर देकर कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का लक्ष्य एक स्थायी समाधान और युद्धविराम सुनिश्चित करना है। कूटनीतिक हलकों में यह माना जा रहा है कि अमेरिका की भूमिका इस समय निर्णायक है, क्योंकि वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय शक्ति संतुलन इस युद्ध के परिणामों पर टिका हुआ है। प्रेस सचिव ने अंत में दोहराया कि राष्ट्रपति ट्रंप शांति प्रक्रिया से पीछे नहीं हट रहे हैं। कूटनीति और बातचीत उनके एजेंडे का मुख्य हिस्सा है। भारत सहित दुनिया के तमाम देशों की नजरें इस समय अमेरिका के अगले कदमों पर टिकी हैं, क्योंकि एक ठोस राजनीतिक समाधान ही वैश्विक सुरक्षा को पुनः स्थापित कर सकता है। राष्ट्रपति की टीम युद्ध खत्म करने के हर संभव तरीके पर काम कर रही है ताकि आने वाले समय में क्षेत्र में स्थिरता लौट सके।

प्राकृतिक चीजों से उपचार की 500 साल पुरानी किताब मिली

मैनचेस्टर, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

यूनिवर्सिटी आफ मैनचेस्टर के वैज्ञानिकों को 1531 के आसपास की एक पुरानी किताब मिली है, जो यूरोप के पुनर्जागरण काल की मानी जा रही है। यह किताब जान रायलैंड्स लाइब्रेरी में सुरक्षित रखी गई थी और इसे बार्थोलोमाउस वोग्थेर नाम के एक नेत्र चिकित्सक ने लिखा था। इस किताब में उस दौर में आम लोगों को होने वाली बीमारियों और उनके उपचारों का विस्तार से जिक्र किया गया है। उस समय डाक्टर और वैद्य प्राकृतिक चीजों के जरिए इलाज करने की सलाह देते थे।

मसलन, दिल से जुड़ी बीमारियों के लिए अगर की लकड़ी का इस्तेमाल बताया गया था, जिसे दिल को साफ करने और धड़कन सामान्य रखने में सहायक माना जाता था। किताब में सिर दर्द जैसी आम समस्या के लिए भी अजीब उपाय दर्ज हैं। उस समय लोगों को तंबाकू के पाइप में दालचीनी डालकर पीने की सलाह दी जाती थी।

लेकिन सबसे ज्यादा चौंकाने वाले उपाय गंजेपन और बालों की मजबूती से जुड़े हैं। उस दौर में यह माना जाता था कि बाल झड़ना एक बीमारी है और इसे ठीक करने के लिए सिर पर इंसानी मल लगाने की सलाह दी जाती थी। लोगों का विश्वास था कि ऐसा करने से सिर की बीमारी दूर हो जाएगी और दोबारा बाल उगने लगेंगे।

इतना ही नहीं, मजबूत और घने बालों के लिए छिपकली के सिरों को पीसकर बने मिश्रण को सिर पर लगाने का भी उल्लेख किताब में मिलता है। किताब में सिर्फ बालों से जुड़े ही नहीं, बल्कि मुंह के छालों के इलाज के लिए भी हैरान करने वाले तरीके दर्ज हैं। उस समय हिप्पोपोटेमस यानी दरियाई घोड़े के दांतों का इस्तेमाल मुंह के छालों को ठीक करने के लिए किया जाता था। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस किताब में अलग-अलग तरह की हैंडराइटिंग देखने को मिलती है, जिससे अंदाजा लगाया जाता है कि इसमें कई लोगों ने अपने-अपने अनुभव और उपचार जोड़े होंगे।

हालांकि, यह साफ नहीं है कि इन उपायों को लिखने वाले चिकित्सकों ने खुद इन्हें अपनाया था या नहीं। राहत की बात यह है कि किताब में दर्ज सभी उपचार नुकसानदेह नहीं थे, लेकिन कई तरीके आज के नजरिए से बेहद अजीब और अविश्वसनीय लगते हैं।

बता दें कि दुनिया में शायद ही कोई ऐसा इंसान होगा जिसे अपने झड़ते बाल अच्छे लगते हों। खासकर पुरुष गंजेपन से बचने के लिए हर मुमकिन कोशिश करते हैं, वहीं महिलाओं में बाल झड़ने की समस्या कई बार मानसिक तनाव और अवसाद तक की वजह बन जाती है। आज के दौर में विग, हेयर ट्रांसप्लांट और एडवांस्ड ट्रीटमेंट जैसे कई विकल्प मौजूद हैं, लेकिन 15वीं और 16वीं सदी में हालात बिल्कुल अलग थे। उस समय आधुनिक चिकित्सा का अभाव था और लोग बाल उगाने के लिए ऐसे देसी और अजीब उपाय अपनाते थे।

योगी सरकार मतलब किसानों का सुरक्षा कवच
अन्नदाताओं को 873.58 करोड़ की मदद

लखनऊ, 28 जनवरी (एजेंसियां) । प्रदेश के किसानों और उनके परिवारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से लागू की गई मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना एक मजबूत सुरक्षा कवच बनकर उभरी है। साल 2019 से संचालित इस योजना के तहत अब तक 1 लाख 8 हजार से अधिक किसानों को आर्थिक सहायता मिल चुकी है। मुख्यमंत्री के निर्देश के अनुरूप योजना का पूरी तरह डिजिटलीकरण किया जा रहा है, जिससे योजना के क्रियान्वयन में सरलता के साथ पारदर्शिता में भी बढ़ोतरी होगी। योजना न केवल दुर्घटना की स्थिति में किसान परिवार का संबल बनती है, बल्कि प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी स्थिरता प्रदान करती है। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत दुर्घटनावश मृत्यु या दिव्यांगता की स्थिति में किसान परिवार को 5 लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना के तहत राजस्व विभाग की ओर से 873.58 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं, जिससे प्रदेश के 18,145 किसानों या उनके परिवारों

को आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में वर्ष 2023-24 में योजना का दायरा बढ़ाते हुए भूमिहीन किसानों व खेतिहर श्रमिकों को भी योजना में शामिल किया गया। वर्ष 2023-24 में योजना के अंतर्गत 944.72 करोड़ रुपए वितरित कर 23,821 किसानों को सहयोग प्रदान किया गया था। योजना की शुरुआत के वर्ष 2019 से अब तक 1,08,098 किसानों या उनके परिवारों को आर्थिक सहायता दी जा चुकी है, जो इन परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा कवच साबित हो रही है।

योजना के सुचारू व पारदर्शी क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देश पर राजस्व परिषद योजना का पूरी तरह डिजिटलीकरण कर रहा है। इसके लिए एनआईसी की मदद से एक आधुनिक वेब पोर्टल और सॉफ्टवेयर विकसित किया जा रहा है, जो कि फरवरी 2026 तक पूरा हो जाएगा। योजना के पूरी तरह ऑनलाइन हो जाने से किसानों को बार-बार तहसील या जिला कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और भ्रष्टाचार की संभावनाएं भी समाप्त हो जाएंगी।

इस पोर्टल के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया से लेकर लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे धनराशि हस्तांतरण तक संभव हो सकेगा। योजना में पारदर्शिता और प्रभावी निगरानी के लिए इस पोर्टल को डैशबोर्ड से भी जोड़ा जा रहा है। योजना प्रदेश के किसानों को कठिन परिस्थितियों में आर्थिक संबल प्रदान कर योगी सरकार की किसान हितैषी सोच को मजबूती से आगे बढ़ा रही है।

विकास के नए आयाम लिख रहा भारत : नितिन

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां) । संसद के बजट सत्र की शुरुआत बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के संयुक्त सदनों को संबोधित करने के साथ हुई। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत विकास के नए आयाम लिख रहा है। नितिन नवीन ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, दोनों सदनों में अभिभाषण पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने स्पष्ट रूप से बढ़ते हुए भारत की तस्वीर को बयां किया है। किस प्रकार भारत विकास के नए आयाम लिख रहा है। पीएम मोदी की सरकार किसान, मजदूर, युवा हर वर्ग की चिंता कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती आर्थिक शक्ति बन रहा है। जिस प्रकार से आज चावल उत्पादन में भारत 150 मिलियन टन से आगे बढ़कर विश्व का सबसे बड़ा उत्पादक केंद्र बन गया, उसी प्रकार से मछली उत्पादन में भी हम दुनिया के दूसरे नंबर के देश बन गए हैं। कहीं न कहीं ये ग्रोथ हमें स्पष्ट रूप से इंडिकेट करता है कि भारत विकास के पथ पर किस प्रकार से आगे बढ़ रहा है।राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि आधारभूत संरचना का ग्रोथ देखने को मिल रहा है। इसके साथ ही हम मेडिकल सर्विसेज और हेल्थ एजुकेशन को प्रमोट कर रहे हैं। यह भारत के बढ़ते हुए विकास का मापदंड बन रहा है। साथ ही लुक ईस्ट के हमारे संकल्प को भी राष्ट्रपति ने दोहराया है कि हम ईस्ट के विकास के प्रति संकल्पित हैं। हमारे

जितने भी राज्य ईस्ट में हैं, चाहे वह नॉर्थ ईस्ट हो, बिहार, बंगाल, ओडिशा या झारखंड, इन सभी राज्यों के ग्रोथ से भारत का विकास ग्रोथ बढ़ रहा है। राष्ट्रपति ने भारत के बढ़ते विकास को पूरी तरह से संबोधित किया है।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, ''पिछले 11 सालों में हमारी सरकार ने पीएम मोदी के नेतृत्व में गरीबी हटाने की योजनाओं के जरिए गरीबों को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए जिस तरह से काम किया है, उन सभी बातों का जिक्र राष्ट्रपति ने किया।

उन्होंने कहा कि अलग-अलग क्षेत्र में किस तरीके से हम लोगों ने विकास किया है, वह सब लोग जान रहे हैं। पिछले 11 सालों में हमारी सरकार अच्छा काम कर रही है। इसमें कोई दो राय नहीं है।

हमारी सरकार ने गरीब कल्याण की योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम किया है।महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन पर चिराग पासवान ने कहा, ये कुछ ऐसी बातें हैं जिन पर यकीन नहीं होता कि ऐसा सच में हुआ है।

अजीत पवार न सिर्फ जमीन से जुड़े नेता थे, बल्कि अपने विषयों पर उनकी मजबूत पकड़ थी। उनका जाना न सिर्फ महाराष्ट्र के लिए, बल्कि देश की राजनीति के लिए भी एक बहुत बड़ी क्षति है।

मेरी पार्टी की ओर से मैं उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि पूरे परिवार को दुख की इस घड़ी से उबरने की शक्ति दे।

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला अगले महीने आएंगे भारत
द्विपक्षीय रिश्तों को मिलेगा नया आयाम

File Photo

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां) । ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने पुष्टि की है कि वह फरवरी में आधिकारिक दौरे पर भारत आएंगे। भारत यात्रा के बाद वह अमेरिका जाएंगे, जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। राष्ट्रपति लूला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर बातचीत की है। दोनों नेताओं के बीच इस बात पर सहमति बनी है कि भारत और दक्षिण कोरिया की यात्राओं के बाद फरवरी में वॉशिंगटन में मुलाकात होगी, जिसकी तारीखें जल्द तय की जाएंगी। भारत यात्रा के दौरान राष्ट्रपति लूला के नई दिल्ली में होने वाले एआई शिखर सम्मेलन में भी भाग लेने की संभावना है।

इससे पहले इस महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति लूला के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई थी। दोनों नेताओं ने भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा आने वाले वर्ष में इसे नई ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता दोहराई थी।

विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, प्रौद्योगिकी, रक्षा, ऊर्जा, स्वास्थ्य, कृषि और जन-से-जन संपर्क सहित द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और साझा चुनौतियों से निपटने के लिए सुधारित बहुपक्षवाद के महत्व पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति लूला को शीघ्र भारत आने का आमंत्रण भी दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई 2025 में ब्राजील का दौरा किया था। इस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, रक्षा एवं सुरक्षा, स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल्स, अंतरिक्ष, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण, ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढांचा विकास, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और यूपीआई, पारंपरिक चिकित्सा, योग, खेल, संस्कृति और जन-से-जन संपर्क जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की थी।

दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने, भारत-मर्कोसुर प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट के विस्तार और अगले पांच वर्षों में व्यापार को 20 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया। ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग की समीक्षा करते हुए, हाइड्रोकार्बन और नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश की व्यापक संभावनाओं पर भी सहमति बनी।

इसके अलावा, महत्वपूर्ण खनिज, नई और उभरती प्रौद्योगिकियां, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सुपरकंप्यूटर, डिजिटल सहयोग और मोबिलिटी जैसे नए क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों पर भी चर्चा हुई।

राष्ट्रपति मुर्मू का संसद में दिया गया भाषण व्यापक, दूरदर्शी और विजनरी : राधाकृष्णन

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां) । संसद के बजट सत्र की शुरुआत बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के साथ हुई। राष्ट्रपति के अभिभाषण की उपराष्ट्रपति सीपी. राधाकृष्णन ने सराहना की। उन्होंने राष्ट्रपति मुर्मु के अभिभाषण को व्यापक, दूरदर्शी और विजनरी बताया। भारत के उपराष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने लिखा, भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी का आज बजट सत्र की शुरुआत में संसद में दिया गया भाषण व्यापक, दूरदर्शी और विजनरी था। इस भाषण में भारत की शानदार विकास यात्रा को स्पष्ट रूप से बताया गया। इसके साथ ही भविष्य के लिए एक आत्मविश्वास से भरा रोडमैप भी पेश किया गया। उन्होंने लिखा, राष्ट्रपति के भाषण में राष्ट्रीय विकास के सभी पहलुओं को शामिल किया गया, जो समावेशी और जन-केंद्रित विकास के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो समाज के हर वर्ग तक पहुंचता है, और एक मजबूत, आत्मनिर्भर और

समावेशी विकसित भारत बनाने की हमारी सामूहिक आकांक्षा को दर्शाता है।

इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण में भारत की विकास यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के पहले 25 वर्षों में भारत ने कई सफलताएं हासिल कीं और मजबूत नींव रखी। पिछले दशक में विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति हुई, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर, रेलवे, रक्षा, स्पेस, स्टार्टअप और सामाजिक कल्याण शामिल हैं। राष्ट्रपति ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि इससे दुनिया ने भारत का शौर्य देखा।

राष्ट्रपति ने बाबासाहेब अंबेडकर के विचारों का हवाला देते हुए कहा कि सरकार दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और सभी वर्गों के लिए संवेदनशीलता से काम कर रही है। 'सबका साथ, सबका विकास' का विजन हर नागरिक तक पहुंच रहा है। पिछले दशक में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया। महिलाओं के सशक्तीकरण पर बात करते हुए उन्होंने सेल्फ-हेल्प ग्रुप्स में 10 करोड़ से अधिक महिलाओं की भागीदारी और 'लखपति दीदियों' की संख्या में वृद्धि का उल्लेख किया।बता दें कि बजट सत्र 2 अप्रैल 2026 तक चलेगा, जिसमें आर्थिक सर्वेक्षण 29 जनवरी को और केंद्रीय बजट 1 फरवरी को पेश होगा।

पीएम मोदी ने अजीत पवार के निधन पर शरद पवार से बात की, अंतिम संस्कार में हो सकते हैं शामिल

नई दिल्ली, 28 **जनवरी (एजेंसियां) ।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को महाराष्ट्र के वरिष्ठ नेता शरद पवार से बात की। यह बातचीत उनके भतीजे और उप मुख्यमंत्री अजित पवार की बारामती के पास एक दुखद विमान दुर्घटना में मौत के बाद हुई। प्रधानमंत्री ने परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। अजित पवार का अंतिम संस्कार गुरुवार को बारामती में होगा। उम्मीद है कि पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने दिन में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, महाराष्ट्र के बारामती में हुए दुखद विमान हादसे से मैं बहुत दुखी हूं। इस हादसे में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, मैं उनके दुख में शामिल हूं। मैं प्रार्थना करता हूं कि शोक संतप्त परिवारों को दुख की इस घड़ी में शक्ति और साहस मिले।

अजित पवार की मौत की खबर से महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई। कई वरिष्ठ नेताओं ने इसे राज्य के लिए 'काला दिन' बताया।

इस बीच दुर्घटना से ठीक पहले के आखिरी पलों के चौंकाने वाले मामले सामने आए हैं। बताया जाता है कि लियरजेट 45 के क्रू ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल कर्मियों को बताया था कि रनवे अभी दिखाई नहीं दे रहा है। विमान को लैंडिंग की अनुमति मिलने से कुछ सेकंड पहले और उसके बाद रनवे के पास आग लग गई।

बारामती हवाई अड्डे पर उतरने की कोशिश के दौरान हुए इस जानलेवा हादसे में अजित पवार और दो पायलटों समेत 5 लोग मारे गए। पवार को बुधवार को बारामती में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होना था।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, वीएसआर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित विमान ने सुबह 8.18 बजे बारामती एसपोर्ट से पहली बार संपर्क किया।मंत्रालय ने कहा कि बारामती एक अनियंत्रित एयरपोर्ट है, जहां स्थानीय उड़ान प्रशिक्षण संगठनों के प्रशिक्षकों और पायलटों द्वारा ट्रैफिक की जानकारी दी जाती है।

विज्ञप्ति में कहा गया है, बारामती से लगभग 30 नॉटिकल मील की दूरी पर विमान को पुणे अप्रोच कंट्रोल द्वारा छोड़ा गया और क्रू के विवेक पर दृश्य मौसम की स्थिति में नीचे उतरने की सलाह दी गई।

बाद में पायलटों ने हवा और दृश्यता का विवरण मांगा, और उन्हें बताया गया कि हवा शांत है और दृश्यता लगभग 3,000 मीटर है।

गरीब कल्याण मोदी सरकार की प्राथमिकता : हर्ष महाजन

शिमला, 28 जनवरी (एजेंसियां) । भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन ने बजट सत्र 2026-27 के दौरान राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह अभिभाषण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण की दिशा में सरकार की स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राष्ट्रपति के संदेश में सरकार की उपलब्धियों और आने वाले समय की कार्ययोजना का व्यापक उल्लेख है, जिससे यह साफ होता है कि केंद्र सरकार का मूल फोकस गरीब कल्याण, किसान समृद्धि, युवा शक्ति और मध्यम वर्ग को सशक्त बनाने पर है। हर्ष महाजन ने कहा कि पिछले एक दशक में मोदी सरकार ने गरीबों को

सम्मान के साथ आगे बढ़ाने का कार्य किया है। लक्षित और पारदर्शी कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लगभग 25 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकले हैं। सरकार ने चार करोड़ से अधिक पक्के मकान, जल जीवन मिशन के अंतर्गत करोड़ों परिवारों तक नल से जल और उज्ज्वला योजना के माध्यम से दस करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन देकर आम जनजीवन में बड़ा परिवर्तन लाया है। साथ ही डीबीटी के जरिए 6.75 लाख करोड़ से अधिक राशि सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाकर भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था स्थापित की गई है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का आधार किसानों की खुशहाली है और इस दिशा में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से 4 लाख करोड़ से अधिक राशि सीधे किसानों के खातों में भेजी गई है। रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन के साथ-साथ कृषि अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए 1.25 लाख करोड़ का निवेश किया गया है। तिलहन, दलहन और खाद्य तेल में आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्रीय मिशन प्रारंभ कर देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

महाजन ने कहा कि मोदी सरकार ने मध्यम वर्ग को अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानते हुए ऐतिहासिक राहत प्रदान की है। हालिया कर सुधारों के तहत 12 लाख तक की आय को कर मुक्त कर मध्यम वर्ग को बड़ी राहत मिली है। वहीं ऋढढ 2.0 सुधारों से नागरिकों को लगभग 1 लाख करोड़ की बचत का लाभ हुआ है।

उन्होंने कहा कि देश का युवा ही भारत का भविष्य है और सरकार ने शिक्षा व अवसरों के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया है। जनजातीय क्षेत्रों में 400 से अधिक एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय स्थापित किए गए हैं तथा पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए 42,000 करोड़ से अधिक सहायता देकर करोड़ों अनुसूचित जनजाति छात्रों को लाभ पहुंचाया गया है। नए श्रम कानूनों के माध्यम से रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

हर्ष महाजन ने कहा कि मोदी सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाकर देश का कायाकल्प किया है। रेलवे के व्यापक विद्युतीकरण, वंदे भारत ट्रेनों के विस्तार, मेट्रो नेटवर्क के तेजी से विकास और झठ-ऋ-ढख मंच के माध्यम से 85 लाख करोड़ की परियोजनाओं को गति देकर भारत को आधुनिक राष्ट्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुलामी की निशानियों को समाप्त कर भारत की प्रशासनिक और कानूनी व्यवस्था को आधुनिक स्वरूप देने का ऐतिहासिक कार्य किया है। श्रम कानूनों को चार कोड में सरल किया गया और 300 से अधिक अपराधों को गैर-आपराधिक बनाकर नागरिकों को राहत दी गई है।महाजन ने कहा कि राष्ट्रपति का अभिभाषण स्पष्ट संदेश देता है कि भारत आज समावेशी विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की ओर निर्णायक रूप से अग्रसर है। भाजपा राष्ट्र निर्माण के इस यज्ञ में जनता के साथ मिलकर विकसित भारत के लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त करेगी।

लूणकरणसर को बड़ी सौगात: 5 करोड़ की लागत से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कन्वेंशन सेंटर स्वीकृत

बीकानेर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा की पहल पर लूणकरणसर में 5 करोड़ रुपए की लागत से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कन्वेंशन सेंटर स्वीकृत किया गया है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना के तहत जिले में एकमात्र कन्वेंशन सेंटर बनाया जाएगा। गोदारा ने बताया कि यह कन्वेंशन सेंटर लूणकरणसर के लिए बड़ी सौगात साबित होगा। इसके तहत विशाल बहुद्दशीय परिसर विकसित किया जाएगा

जिसमें बड़ा ऑडिटोरियम, सेमिनार और बैठकों के कक्ष आदि एक ही स्थान पर बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कन्वेंशन सेंटर बनने से यहां स्तरीय सामाजिक, सांस्कृतिक और अन्य कार्यक्रम एक साथ हो सकेंगे। इसके साथ ही विभिन्न सेमिनार, प्रदर्शनियां, बैठकें भी एक ही स्थान पर होंगी। बीकानेर जिला मुख्यालय के बाद जिले के किसी भी उपखण्ड क्षेत्र में सर्वाधिक सुविधा युक्त परिसर के रूप में इसे विकसित किया जाएगा। गोदारा ने इसे लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया है और कहा है कि लूणकरणसर क्षेत्र में गत दो वर्षों मे विकास के सतत आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। यह सेंटर भी इसी श्रृंखला की एक कड़ी है। गोदारा ने बताया कि जिला परिषद द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कन्वेंशन सेंटर की प्रशासनिक, तकनीकी और वित्तीय स्वीकृति भी जारी की जा चुकी है। जल्दी ही कन्वेंशन सेंटर का निर्माण कार्य प्रारम्भ होगा तथा समयबद्ध तरीके से इसका निर्माण करवार इसे क्षेत्र को समर्पित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केंद्र क्षेत्र के लिए बेहद लाभदायक रहेगा। इसके निर्माण में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

UGC की नई गाइडलाइंस पर संत समाज में आक्रोश, सरकार से की अपील

वाराणसी । यूजीसी यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की नई गाइडलाइंस के बाद से ही लगातार आरोप लग रहे हैं कि यह हिंदू समाज और ऊंची जातियों के युवाओं के साथ भेदभाव को दिखाता है। झूठे आरोप लगाने वालों के खिलाफ भी किसी तरह की कार्रवाई का प्रावधान नहीं रखा गया है। अब यूजीसी को लेकर संत-समाज में भी आक्रोश देखने को मिल रहा है। अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेन्द्रनंद सरस्वती ने पीएम मोदी से नई गाइडलाइंस बनाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेन्द्रनंद सरस्वती ने नई गाइडलाइंस को लेकर कहा, ये नई नियमावली भेदभाव वाली है और हिन्दू समाज को कई वर्गों में बांटने वाला फैसला है। हमारी समिति को यह नियमावली स्वीकार्य नहीं है और हम इसका विरोध करते हैं। संविधान ने सभी को समानता का अधिकार दिया है, लेकिन

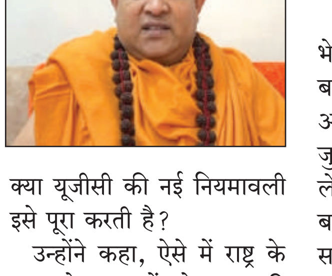

क्या यूजीसी की नई नियमावली इसे पूरा करती है?

उन्होंने कहा, ऐसे में राष्ट्र के युवा के मन में भेदभाव की भावना को इस कदर भरा जा रहा है कि आने वाले समय में झूठी शिकायतों को लेकर भी कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। ऊंची जाति में जन्म लेना अपराध है।

उन्होंने कहा, जिन लोगों ने भेदभाव करने वाली नियमावली बनाई है। चाहे वे यूजीसी के अध्यक्ष हों या शिक्षा मंत्रालय से जुड़े अधिकारी, सभी से इस्तीफा लेना चाहिए और हिंदुओं को बांटने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। हमारा देश एक राष्ट्र, एक मन और एक जीवन के नियमों पर चलता है।

दिलीप कुमार का जिक्र कर भावुक हुईं सायरा बानो, इंसानियत को बताया भारत की असली आत्मा

अभिनेत्री सायरा बानो ने 77वें गणतंत्र दिवस के मौके पर देशवासियों को खास अंदाज में बधाई दी। सोशल मीडिया पर किए पोस्ट में उन्होंने लिखा कि गणतंत्र दिवस उनके लिए सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि यह हमेशा एक गहरा एहसास रहा है। सायरा ने बताया कि बचपन में वह इंग्लैंड चली गई थीं और काफी समय लंदन में बिताया। लेकिन दूरी ने भारत से उनके जुड़ाव को कम नहीं किया, बल्कि उसे और मजबूत बनाया। उन्होंने कहा, जितना दूर गई, मेरा देश उतना ही करीब आया। दूर रहकर मुझे एक महत्वपूर्ण बात समझ आई कि देशों को उनकी सीमाओं या इमारतों से नहीं, बल्कि उनकी इंसानियत से याद किया जाता है। उन्होंने लिखा कि शांति और इंसानियत अलग-अलग लग सकते हैं, लेकिन एक के बिना दूसरा नहीं टिक सकता। सच्ची शांति तभी पैदा होती है, जहां इंसानियत जिंदा रहती है। भारत के हर कोने में भीड़ भरी सड़कों से लेकर शांत गांवों तक एक अनकहा सच है। हम अलग दिखते हैं, अलग भाषाएं बोलते हैं, अलग रीति-रिवाज मानते हैं, लेकिन हमारे दिल एक ही भावना से धड़कते हैं, मदद करने, परवाह करने और एक-दूसरे के साथ खड़े रहने की।

सायरा ने छोटे-छोटे पलों का जिक्र किया जो हमें सबसे ज्यादा परिभाषित करते हैं। जैसे किसी अजनबी की भरोसे भरी नजर, मुश्किल में बढ़ाया हुआ हाथ या बिना आम भाषा के साझा की गई हंसी।उन्होंने दिवंगत पति और अभिनेता दिलीप कुमार का खास तौर पर जिक्र किया। सायरा ने लिखा, ''दिलीप साहब इस भावना में बहुत विश्वास करते थे। वह अक्सर कहते थे कि भारत की आत्मा उसके स्मारकों या इतिहास की किताबों में नहीं, बल्कि उसके लोगों में है, उनकी दयालुता, सहानुभूति और दूसरों को ऊपर उठाने के विश्वास में है। उनके लिए इंसानियत कोई आदर्श नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी थी।''

उन्होंने कहा, जब विनम्रता हमारा मार्गदर्शन करती है, तो असंभव भी संभव हो जाता है। जाति, संस्कृति, भाषा या विश्वास की सारी विविधताओं के बावजूद हमें सच में एकजुट करने वाली चीज है, हर इंसान के लिए सम्मान। यही वह भारत था, जिसमें दिलीप साहब विश्वास करते थे और यही वह भारत है, जिसकी हमें रक्षा करनी चाहिए। आप सभी को 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

श्रुति हासन : विरासत से नहीं, टैलेंट से बनीं सफल अभिनेत्री और गायिका

भारतीय सिनेमा में कुछ नाम ऐसे हैं, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं हैं। ये नाम अपनी बहुआयामी प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाते हैं। 28 जनवरी को अपना जन्मदिन मनाने वालीं श्रुति कमल हासन ऐसी ही एक शख्सियत हैं। एक सफल अभिनेत्री, गायिका, संगीतकार और परफॉर्मर, जिनकी पहचान केवल एक स्टार किड के तौर पर नहीं, बल्कि एक मेहनती और टैलेंटेड आर्टिस्ट के रूप में बनी है। 1986 में जन्मीं श्रुति हासन, भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता कमल हासन और मशहूर अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। हासन परिवार में जन्म लेने के बावजूद श्रुति ने अपनी राह खुद बनाई। वह न सिर्फ एक सफल अभिनेत्री हैं, बल्कि एक स्थापित गायिका और म्यूजिक कंपोजर भी हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। श्रुति ने चेन्नई के एबाकस मोंटेसरी स्कूल में पढ़ाई की और दसवीं तक वहीं शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद मुंबई के सेंट एंड्रयूज कॉलेज से साइकोलॉजी की पढ़ाई की। बचपन से ही उन्हें संगीत और सिनेमा में गहरी रुचि थी। इसी लगाव ने उन्हें आगे चलकर अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित म्यूजिशियंस इंस्टीट्यूट तक पहुंचाया, जहां उन्होंने संगीत की औपचारिक ट्रेनिंग ली।महज छह साल की उम्र में श्रुति हासन ने अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में पहला गाना गाया, जिसे इलैया राजा ने कंपोज किया था। इसके बाद स्कूल के दिनों में उन्होंने हिंदी फिल्म 'चाची 420' (1997) में भी गायन किया। साल 2000 में कमल हासन के निर्देशन में बनी फिल्म 'हे राम' में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अतिथि भूमिका निभाई और उसी फिल्म के लिए हिंदी और तमिल में टाइटल थीम 'रामा रामा' भी गाई।

एक अभिनेत्री के तौर पर श्रुति ने वयस्क भूमिका में डेब्यू 2009 में बॉलीवुड फिल्म 'लक' से किया। इसके बाद उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा की ओर रुख किया और यहीं से उनका करियर नई ऊंचाइयों पर पहुंचा। श्रुति को असली पहचान तेलुगु फिल्म 'अनागनगा ओ धीरुडु' (2011) से मिली। इन फिल्मों में उनके अभिनय ने उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू साउथ दिलाया। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया। 'रेस गुर्रम' (2014) में दमदार भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट एक्ट्रेस तेलुगु मिला। कुल मिलाकर श्रुति के नाम तीन फिल्मफेयर अवॉर्ड्स सहित कई सम्मान दर्ज हैं।हिंदी सिनेमा में श्रुति हासन ने 'डी-डे', 'रामैया वस्तावैया', 'गब्बर इज बैक', 'वेलकम बैक', 'रॉकी हैंडसम' जैसी फिल्मों में काम किया। जहां कुछ फिल्मों को समीक्षकों की सराहना मिली, वहीं कुछ बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं। अभिनय के साथ-साथ संगीत श्रुति हासन की पहचान का अहम हिस्सा है। वह एक स्थापित पार्श्व गायिका हैं। साल 2009 में उन्होंने अपने पिता के प्रोडक्शन 'उन्नैपोल ओरुवन' से बतौर म्यूजिक डायरेक्टर भी डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने अपना खुद का म्यूजिक भी तैयार किया और बैंड के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई।

श्रुति हासन का सफर इस बात का प्रमाण है कि पहचान नाम से नहीं, काम से बनती है और सुर, स्क्रीन और संवेदनाओं का यह संगम अभी और भी लंबा चलना है।

'बॉर्डर 2' का बॉक्स ऑफिस पर धमाका, अमीषा पटेल बोलीं

तारा सिंह को पर्दे पर देखने के लिए बेहद उत्साहित हूं

सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद फिल्म 'बॉर्डर-2' बॉक्स ऑफिस में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। 1997 की क्लासिक ड्रामा फिल्म की सीक्वल फिल्म कमाई के साथ दर्शकों का भी दिल जीतने में पीछे नहीं हट रही है। आम जनता से लेकर मनोरंजन जगत तक हर कोई फिल्म की तारीफ किए बिना नहीं रह पा रहा है। हाल ही में अभिनेत्री अमीषा पटेल ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए फिल्म की तारीफ की। उन्होंने कहा, तारा सिंह को देखकर मैं बहुत ज्यादा उत्साहित हूं। मैं मानती हूं कि फिल्म में वरुण, दिलजीत और अहान समेत सभी कलाकारों ने अच्छा काम किया होगा। मैं फिल्म और उसके गानों को फिर से महसूस करने के लिए बहुत ज्यादा उत्साहित हूं। अमीषा पटेल ने फिल्म की तुलना पर अपनी राय दी। उन्होंने कहा, मैंने अभी तक 'बॉर्डर 2' नहीं देखी है, लेकिन 1997 की 'बॉर्डर' देखी है। फिर भी, जिस तरह लोग इसे पसंद कर रहे हैं, लगता है कि टीम ने बहुत शानदार काम किया है। जैसे 'गदर 2' की तुलना 'गदर' से की गई थी, लेकिन 'गदर 2' के हिट होने के बाद सबने माना था कि यह अलग और शानदार फिल्म है, इसलिए मुझे लगता है कि तुलना नहीं करनी चाहिए। ये गलत इंप्रेशन डालती है।

अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित फिल्म में नई कहानियों के साथ नए कलाकार भी शामिल हैं, जिनमें वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ जैसे कलाकार सेना के जवानों के किरदार में नजर आ रहे हैं। वहीं, मोना सिंह, सोनम बाजवा, मेधा राणा और अन्या सिंह जैसी अभिनेत्रियां हैं। यह फिल्म 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म के गाने दर्शकों को काफी पसंद आ रहे हैं। वे उन्हें नॉस्टेल्जिया का अनुभव करवा रहे हैं।

'बॉर्डर 2' के निर्माता गुलशन कुमार और टी-सीरीज हैं। फिल्म के निर्देशक अनुराग सिंह हैं, जबकि भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी. दत्ता, और निधि दत्ता इसके निर्माण में शामिल हैं। फिल्म को बिना किसी कट के यूए 13 प्लस के सर्टिफिकेट के साथ रिलीज किया गया है।

सोशल मीडिया ने बदली मेरी जिंदगी कभी नहीं की थी फिल्मों में आने की प्लानिंग : मिथिला पालकर

लिटिल थिंग्स, कारवां, 'चॉपस्टिक्स' और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री-गायिका मिथिला पालकर आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'हैप्पी पटेल' से सुर्खियां बटोर रही हैं। मिथिला फिल्मों से लेकर ओटीटी तक पर अपने अभिनय की कला को दिखा चुकी हैं। अब उन्होंने साथ अपनी फिल्मी जर्नी शेयर की है और बताया है कि उन्होंने कभी भी एक्टिंग करियर के लिए किसी तरह की प्लानिंग नहीं की, बल्कि सब कुछ अपने आप होता चला गया। अभिनेत्री मिथिला ने कहा, मैंने हमेशा यही कहा है कि अपने पेशेवर जीवन को आगे बढ़ाने के लिए मैंने परिस्थितियों के अनुसार ही काम किया। एक एक्ट्रेस बनने के लिए मैंने इसे दोनों हाथों से अपनाया। मुझे क्या पता था कि इंटरनेट क्या कर देगा? 10 साल पहले, हम सभी इंटरनेट पर बस शुरुआत कर रहे थे। उस समय टीवी, थिएटर और फिल्में ही मुख्य थीं। रेडियो का भी अपना एक अलग ही प्रभाव था। इसलिए, हमें नहीं पता था कि इंटरनेट इस तरह से अपना प्रभाव डाल सकता है। इसलिए, मैं भी सोशल मीडिया पर एक्सपेरिमेंट कर रही थी। मैं हर उस चीज के साथ प्रयोग करने को तैयार थी जो मुझे एक कलाकार बनने में मदद करे।

उन्होंने कहा, मैंने हर चीज के लिए ऑडिशन दिया। मेरी जिंदगी जिस तरह से आगे बढ़ी है, मुझे नहीं लगता कि मैं इससे बेहतर योजना बना सकती थी। इसलिए मुझे खुशी है कि मैंने इसकी योजना नहीं बनाई, क्योंकि मैंने खुद को जिंदगी के फ्लो के साथ चलने की आजादी दी। मुझे फिल्टर कॉपी मिली, जिसने मुझे 'न्यूज दर्शन' दिया, जो एक नया व्यंग्य कॉमेडी शो था, जिसके बाद ध्रुव और मैंने दो कॉमेडी स्केच किए। उसके बाद, 'लिटिल थिंग्स' हुआ, 'गर्ल इन द सिटी' हुआ। तो, सब कुछ एक के बाद एक होता चला गया। इसलिए मुझे नहीं लगता कि अगर मैंने इसकी योजना बनाई होती, तो मैं इसे इतनी अच्छी तरह से बना पाती। करियर की शुरुआत में मिथिला को कई लोगों से सहयोग मिला और वे खुद को लकी मानती हैं कि उनकी जर्नी में उन्हें अच्छे लोगों का साथ मिला। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं यह जरूर कहना चाहूंगी कि मैं भाग्यशाली थी कि सही समय पर सही लोगों से मिली। जिन लोगों से मैंने 8 साल पहले बात की थी, उसके बाद हमारी मुलाकात नहीं हुई। लेकिन 8 साल पहले, वे लोग मेरे जीवन में बहुत मायने रखते थे, मेरी यात्रा में उनका बहुत बड़ा योगदान था। और मैं उन लोगों को कभी नहीं भूलूंगी।

रवि योग में आज रखा जायेगा जया एकादशी व्रत

हिंदू धर्म में एकादशी को सभी व्रतों में श्रेष्ठ माना जाता है। एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। मान्यता है जो व्यक्ति इस व्रत को सच्चे मन से करता है उसे उसके सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है। एकादशी व्रत करने वाला व्यक्ति इस लोक में समस्त सुख भोगकर मृत्य के बाद स्वर्ग में स्थान पाता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार, माघ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 28 जनवरी को शाम 04:35 मिनट से शुरू होगी। वहीं, 29 जनवरी को दोपहर 01:55 मिनट पर इसका समापन होगा। पंचांग गणना के आधार पर 29 जनवरी को जया एकादशी का व्रत किया जाएगा। जया एकादशी के दिन रवि योग का निर्माण हो रहा है। साथ ही भद्रावास का भी संयोग है। इसके अलावा, रात में शिववास योग का भी निर्माण हो रहा है। ग्यारहवीं तिथि को एकादशी कहते हैं। ये महीने में दो बार आती है। एक शुक्ल पक्ष के बाद और दूसरी कृष्ण पक्ष के बाद। पूर्णिमा के बाद आने वाली एकादशी को कृष्ण पक्ष की एकादशी और अमावस्या के बाद आने वाली को शुक्ल पक्ष की एकादशी कहते हैं।

इस तरह साल 24 एकादशी तिथियों को अलग-अलग नाम दिए गए हैं। हर एकादशी का अपना अलग महत्व है। हिंदू धर्म व्रतों और त्योहारों का विशेष महत्व है। एकादशी व्रत का भी सभी व्रत में विशेष महत्व है। एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। हिन्दू पंचांग के अनुसार एकादशी व्रत हर माह में 2 बार पड़ता है एक कृष्ण पक्ष में और एक शुक्ल पक्ष में। इस तरह से साल में 24 एकदशी पड़ती हैं। हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार एकादशी तिथि भगवान विष्णु को बेहद प्रिय है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस व्रत की महिमा स्वयं श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को बताई थी। एकादशी व्रत के प्रभाव से जातक को मोक्ष मिलता है और सभी कार्य सिद्ध हो जाते हैं, दरिद्रता दूर होती है। अकाल मृत्यु का भय नहीं सताता, शत्रुओं का नाश होता है, धन, ऐश्वर्य, कीर्ति, पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता रहता है।

एकादशी का व्रत सभी व्रतों में सर्वोच्च माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि इस व्रत को करने से व्यक्ति जन्म मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही उसे सभी पापों से मुक्ति मिलती है। एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है और पुण्य की प्राप्ति होती है। जो व्यक्ति सच्ची श्राद्धा और भक्ति से इस व्रत को करते हैं उसकी सभी परेशानियों से उसे छुटकारा मिलता है। साल भर में आने वाली सभी एकादशियों का फल अलग-अलग मिलता है। हर महीने के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर व्रत किया जाता है। साथ ही जगत के पालनहार भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की उपासना की जाती है। जीवन के पापों से छुटकारा पाने के लिए एकादशी व्रत को बेहद शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि माघ माह की जया एकादशी व्रत को करने से विष्णु जी की कृपा से सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, माघ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 28 जनवरी को शाम 04:35 मिनट से शुरू होगी। वहीं, 29 जनवरी को दोपहर 01:55 मिनट पर इसका समापन होगा। पंचांग गणना के आधार पर 29 जनवरी को जया एकादशी का व्रत किया जाएगा।

शुभ योग

जया एकादशी के दिन भद्रावास और रवि योग का संयोग है। रवि योग में लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने से साधक को आरोग्यता का वरदान मिलेगा। साथ ही करियर और कारोबार को नया आयाम मिलेगा। इस शुभ अवसर पर रोहिणी और मृगशिरा नक्षत्र का संयोग है। इन योग में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी।

पूजा विधि

जया एकादशी के दिन सूर्योदय के समय या पहले उठें। इस समय भगवान विष्णु को प्रणाम कर दिन की शुरुआत करें। घर की साफ-सफाई करें। सभी कामों से निवृत्त होने के बाद गंगाजल युक्त पानी से स्नान करें। इसके बाद आचमन कर पीले रंग के कपड़े पहनें। अब सूर्य देव को जल अर्पित करें और पंचोपचार कर विधि-विधान से भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करें। पूजा के समय भगवान विष्णु को पीले रंग के फल, फूल, मिठाई आदि चीजें अर्पित करें। इस समय विष्णु चालीसा और विष्णु स्तोत्र का पाठ करें। पूजा का समापन आरती से करें। दिन भर उपवास रखें। शाम में आरती-अर्चना करने के बाद फलाहार करें। रात्रि में भगवान विष्णु के निमित्ति भजन-कीर्तन करें। अगले दिन पूजा-पाठ के बाद व्रत खोलें। इस समय जरूरतमंदों के बीच अन्न का दान करें।

यज्ञ से भी ज्यादा फल देता है एकादशी व्रत

पुराणों के मुताबिक, एकादशी को हरी वासर यानी भगवान विष्णु का दिन कहा जाता है। विद्वानों का कहना है कि एकादशी व्रत यज्ञ और वैदिक कर्म-कांड से भी ज्यादा फल देता है। पुराणों में कहा गया है कि इस व्रत को करने से मिलने वाले पुण्य से पितरों को संतुष्टि मिलती है। स्कंद पुराण में भी एकादशी व्रत का महत्व बताया गया है। इसको करने से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं।

पुराणों और स्मृति ग्रंथ में एकादशी व्रत

स्कन्द पुराण में कहा गया है कि हरिवासर यानी एकादशी और द्वादशी व्रत के बिना तपस्या, तीर्थ स्थान या किसी तरह के पुण्याचरण द्वारा मुक्ति नहीं होती। पदम पुराण का कहना है कि जो व्यक्ति इच्छा या न चाहते हुए भी एकादशी उपवास करता है, वो सभी पापों से मुक्त होकर परम धाम वैकुंठ धाम प्राप्त करता है। कात्यायन स्मृति में जिक्र किया गया है कि आठ साल की उम्र से अस्सी साल तक के सभी स्त्री-पुरुषों के लिए बिना किसी भेद के एकादशी में उपवास करना कर्त्तव्य है। महाभारत में श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को सभी पापों ओर दोषों से बचने के लिए 24 एकादशियों के नाम और उनका महत्व बताया है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

वृषभ राशि में उच्च के चंद्रमा, पांच राशियों की किस्मत में आएगा बड़ा मोड़, दिखेगा असर

चंद्रमा के गोचर का सभी राशियों पर प्रभाव आज चंद्रमा वृषभ राशि में स्थित हैं, जो उनकी उच्च राशि मानी जाती है। इस स्थिति में चंद्रमा भावनात्मक संतुलन, स्थिरता और व्यावहारिक सोच को मजबूत करते हैं। आज का दिन कई राशियों के लिए निर्णय लेने, नए अवसर अपनाने और पारिवारिक जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला साबित हो सकता है। नौकरी, व्यापार, शिक्षा और पारिवारिक मामलों में अलग-अलग राशियों पर इसका प्रभाव देखने को मिलेगा।

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए प्रगति का संकेत दे रहा है। कामकाज में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आप उन्हें बेहतर तरीके से संभालने में सफल रहेंगे। पुराने अटके कामों को लेकर सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। मित्रों के साथ बातचीत से किसी पुरानी समस्या का समाधान निकल सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं और आय के नए अवसरों पर विचार हो सकता है। निजी जीवन में उत्साह बना रहेगा और दिनभर सक्रियता महसूस करेंगे।

वृषभ राशि: आज का दिन आपके पक्ष में दिखाई दे रहा है। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों का सहयोग किसी महत्वपूर्ण कार्य को पूरा कराने में मदद करेगा। किसी नजदीकी रिश्तेदार से शुभ समाचार मिलने की संभावना है। दांपत्य जीवन में आपसी समझ बेहतर होगी और संबंधों में मजबूती आएगी। सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी से मानसिक संतोष मिलेगा। घर का माहौल सकारात्मक और उत्साहपूर्ण बना रह सकता है।

मिथुन राशि: आज आप योजनाबद्ध तरीके से काम करेंगे तो बेहतर परिणाम मिलेंगे। पुराने लेन-देन या अधूरे कार्यों को निपटाने का अवसर मिलेगा। सीखने की इच्छा प्रबल रहेगी और नया काम शुरू करने का विचार मन में आ सकता है। पारिवारिक जिम्मेदारियों पर खर्च संभव है, लेकिन इससे संतोष मिलेगा। संतान से जुड़ी कोई उपलब्धि आपको खुश कर सकती है और वैवाहिक जीवन से जुड़े मामलों में भी आगे बढ़ने के संकेत हैं।

कर्क राशि: आज का दिन उतार-चढ़ाव भरा हो सकता है, लेकिन कुल मिलाकर संतुलन बना रहेगा। किसी दूर के रिश्तेदार से बातचीत मन को प्रसन्न करेगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और आपसी सहयोग बढ़ेगा। रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों को अपने काम के लिए सराहना मिल सकती है। विद्यार्थियों के लिए आज आत्मविश्वास बढ़ाने वाला दिन है, हालांकि कार्यक्षेत्र में जल्दबाजी से बचना जरूरी होगा।

सिंह राशि: आज का दिन आत्मविश्वास से भरपूर रहेगा। परिवार और कार्यक्षेत्र में आपकी राय को महत्व मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहने से भविष्य की योजनाओं पर काम कर पाएंगे। सामाजिक दायरे में सम्मान बढ़ने के योग हैं। निर्णय लेने की क्षमता आज आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। जीवनसाथी का सहयोग आपको मानसिक संबल देगा और विद्यार्थियों को अध्ययन में मार्गदर्शन मिलेगा।

कन्या राशि: आज परिस्थितियां आपके अनुकूल बनती नजर आ रही हैं। कानूनी या प्रशासनिक मामलों में थोड़ी देरी हो सकती है, लेकिन परिणाम आपके पक्ष में आ सकते हैं। व्यापार या करियर से जुड़े नए प्रयास सफल होने के संकेत हैं। मित्रों और परिवार का सहयोग मिलेगा, जिससे मनोबल बढ़ेगा। निजी जीवन में स्थिरता रहेगी और घर का वातावरण सौहार्दपूर्ण बना रहेगा।

तुला राशि: आज का दिन सोच-समझकर आगे बढ़ने का है। किसी नए कार्य की शुरुआत से पहले योजना बनाना आपके लिए लाभकारी रहेगा। सरकारी या औपचारिक कार्यों में नियमों का पालन करने से काम आसानी से पूरे होंगे। वाणी में संयम और सरलता आपको सम्मान दिला सकती है। पुराने मित्र से मुलाकात संभव है, जिससे बीते दिनों की यादें ताजा होंगी।

वृश्चिक राशि: आज आप अपने कार्यों पर पूरा ध्यान देंगे। परिवार से जुड़ी कुछ जिम्मेदारियां आपको मिल सकती हैं, जिन्हें आप कुशलता से निभाएंगे। आर्थिक स्थिति स्थिर बनी रहेगी और भविष्य को लेकर योजनाएं बन सकती हैं। छात्रों के लिए करियर से जुड़े फैसलों पर विचार करने का दिन है। किसी बड़े निर्णय में अनुभवी लोगों की सलाह लेना उपयोगी रहेगा।

धनु राशि:आज का दिन सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का है। पारिवारिक मामलों में चल रही परेशानियां कम हो सकती हैं। बातचीत और सलाह-मशवरे से काम बनेंगे। कार्यक्षेत्र में सहयोग मिलेगा और आप नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। दूसरों की भावनाओं को समझने की आपकी क्षमता आज रिश्तों को मजबूत करेगी।

मकर राशि: आज जिम्मेदारियों में वृद्धि हो सकती है, लेकिन आप उन्हें निभाने में सफल रहेंगे। व्यापार या निवेश से जुड़े फैसलों में अनुभवियों की राय लेना फायदेमंद रहेगा। कला और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों को अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। विद्यार्थियों को मेहनत के अनुरूप फल मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार के बड़े सदस्यों का आशीर्वाद आपके साथ रहेगा।

कुम्भ राशि:आज का दिन कार्यक्षमता बढ़ाने वाला है। करियर से जुड़े नए अवसर सामने आ सकते हैं और नए काम की शुरुआत में परिवार का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए सीखने और समझने का दिन है। पारिवारिक जीवन में संतुलन रहेगा और बच्चों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य से बेहतर बना रह सकता है।

मीन राशि:आज आप उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा से भरे रहेंगे। कार्यस्थल पर आपकी राय को महत्व मिलेगा और किसी प्रभावशाली व्यक्ति से बातचीत संभव है। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं और आय के नए रास्ते खुल सकते हैं। मित्रों के साथ समय बिताकर मन प्रसन्न रहेगा। दिन के अंत में आप स्वयं को संतुलित और संतुष्ट महसूस करेंगे।

पूजा करते समय मुख की दिशा बदलते ही बदल जाता है फल, जानें सही दिशा का रहस्य

पूजा कक्ष कभी भी शयन कक्ष में नहीं बनवाना चाहिए। यदि परिस्थितिवश जगह की कमी के कारण पूजाघर शयनकक्ष में बन ही जाए तो वह शयनकक्ष अविवाहितों के लिए होना चाहिए। यदि परिस्थितिवश विवाहितों को भी उसी शयनकक्ष में सोना है, तो पूजा स्थल पर सभी ओर से पर्दा डालकर रखें और रात को सोने से पूर्व पूजास्थल का पर्दा ढक दें, परन्तु यह व्यवस्था केवल स्थानाभाव के कारण ही होनी चाहिए। लेकिन यदि आपके घर में पर्याप्त जगह है, तो पूजास्थल शयनकक्ष से हटाकर ही बनवाना चाहिए।

वास्तु शास्त्र के अनुसार पूजाघर की दिशा ईशान कोण यानी पूर्वोत्तर के कोने में सबसे ज्यादा उपयुक्त मानी गई है। पूजाकक्ष को सदैव शुद्ध, स्वच्छ एवं पवित्र रखें, इसमें कोई भी अपवित्र वस्तु न रखें। पूजाकक्ष के निकट एवं भवन के ईशान कोण में झाड़ू एवं कूड़ेदान आदि नहीं रखने चाहिए। सम्भव हो तो पूजाकक्ष को साफ करने का झाड़ू-पोंछा भवन के अन्य कक्षों को साफ करने के झाड़ू-पोंछे से अलग रखें।

वास्तु और ज्योतिष, दोनों का संयुक्त रूप से निष्कर्ष है कि मनुष्य जिस दिशा में मुख करके पूजा करता है, उस दिशा से संबंधित ऊर्जा उसके जीवन को प्रभावित करती है। उत्तर दिशा को कुबेर की दिशा कहा गया है, कुबेर धन, वैभव और भौतिक समृद्धि के अधिष्ठाता हैं। जब साधक उत्तर की ओर मुख करके पूजा करता है, तो वह समृद्धि की सकारात्मक तरंगों से जुड़ता है, इससे आय, स्थिरता और संसाधनों के प्रति अनुकूलता बढ़ती है। यही कारण है कि धन-प्राप्ति की कामना रखने वालों के लिए उत्तराभिमुख पूजा का विधान बताया गया है। वहीं पूर्व दिशा सूर्य की दिशा है। सूर्य को ज्ञान, चेतना, आत्मबल और विवेक का स्रोत माना गया है। पूर्व की ओर मुख करके की गई पूजा अंतर्मन को जाग्रत करती है, बुद्धि को तेज करती है और अध्ययन, साधना व आत्मिक विकास में सहायक होती है, इसलिए ज्ञान-प्राप्ति, विद्या और आत्मबोध के लिए पूर्वाभिमुख पूजा को श्रेष्ठ माना गया है। वास्तु विशेषज्ञों के मत के अनुसार धन-प्राप्ति हेतु पूजा, पूजा कक्ष में उत्तर की ओर मुख करके करनी चाहिए एवं ज्ञान-प्राप्ति के लिए पूर्व की ओर मुख करके।

जया एकादशी के दान, इनमें से एक भी कर लेंगे तो सुखों से भर सकता है जीवन

माघ मास में शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को जया एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस दिन व्रत और भगवान विष्णु की पूजा करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। पुराणों के अनुसार, जया एकादशी का व्रत करने से भूत पिशाच की योनि से मुक्ति मिल सकती है। साथ ही, पापों का नाश हो सकता है। वहीं, ज्योतिषशास्त्र में जया एकादशी के दिन दान करने का भी खास महत्व बताया गया है। ऐसा करने से जीवन में सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही, आर्थिक समस्याओं से भी मुक्ति मिल सकती है।

कंबल का दान करने से पाएंगे सुख-समृद्धि

एकादशी तिथि पर दान करने से बेहद शुभ फल प्राप्त होता है। वहीं, इस सर्दी के मौसम में जया एकादशी पर किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को अपने सामर्थ्य अनुसार कंबल का दान अवश्य करना चाहिए। ऐसा करने से जातक के जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही, जीवन में आने वाली समस्याओं और रुकावटों से भी राहत मिल सकती है।

अनाज के दान से आर्थिक तंगी से पाएंगे राहत

जया एकादशी पर आप सात प्रकार के अनाज जैसे- गेहूं, बाजरा, मूंग, जौ आदि का दान कर सकते हैं। ऐसी मान्यता है कि किसी जरूरतमंद को अनाज का दान करने से घर में कभी भी अन्न-धन की कमी नहीं होती है। साथ ही, अगर आप आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं तो इस उपाय को एक बार जरूर करके देखें। ऐसा करने से आर्थिक समस्याओं से राहत मिल सकती है और घर की तिजोरी कभी खाली नहीं रहती है।

धार्मिक पुस्तक के दान से पुण्य फल होगा प्राप्त

शास्त्रों में धार्मिक पुस्तक के दान का खास महत्व बताया गया है। ऐसे में जया एकादशी पर आप किसी धार्मिक व्यक्ति को गीता, रामायण आदि किताबों के दान कर सकते हैं। लेकिन इस बात का ख्याल जरूर रखें कि धार्मिक पुस्तक किसी ऐसे व्यक्ति को ही दें जो इसका सम्मान करे। ऐसा करने से बेहद पुण्य फल की प्राप्ति होती है। साथ ही, जीवन में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और इससे मानसिक शांति प्राप्त होती है।

घी का दान करने से विष्णुजी की कृपा होगी प्राप्त

जया एकादशी के शुभ अवसर पर व्रत रखने के साथ-साथ किसी जरूरतमंद या गरीब व्यक्ति को घी का दान भी कर सकते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से सुख सौभाग्य की प्राप्ति होती है और जीवन के दुख दूर हो सकते हैं। अगर आप एकादशी पर घी का दान करने के साथ-साथ पूजा में घी का दीपक जलाते हैं तो इससे भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही, जीवन समृद्धि और शांति बनी रहती है।

तिल के दान से दुर्भाग्य होगा दूर

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, एकादशी तिथि पर तिल का दान करना बेहद अच्छा होता है। किसी जरूरतमंद व्यक्ति को आप अपने सामर्थ्य अनुसार काले या सफेद तिल का दान कर सकते हैं। ऐसा करने से जातक के जीवन से दुर्भाग्य दूर हो सकता है। साथ ही, तरक्की और करियर में आने वाली बाधाओं से भी राहत मिल सकती है। मान्यता है कि जया एकादशी पर दान करने से पापों का नाश होता है और मृत्यु के पश्चात स्वर्ग लोक में स्थान प्राप्त हो सकता है।

30 को प्रदोष व्रत, मुहूर्त और पूजन विधि

प्रदोष व्रत का हिंदू धर्म में खास महत्व बताया गया है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने का विधान होता है। इस दौरान भोलेनाथ बहुत उदार होते हैं और भक्तों पर अपना विशेष आशीर्वाद बनाए रखते हैं। माघ मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को जनवरी का आखिरी प्रदोष व्रत रखा जाएगा। इस दिन प्रदोष काल में पूजा करना सर्वोत्तम माना गया है। ऐसा करने से जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है और दांपत्य जीवन भी मधुर होता है।

पंचांग के अनुसार, माघ मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 30 जनवरी, शुक्रवार के दिन सुबह 11 बजकर 30 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन 31 जनवरी, शनिवार को सुबह 8 बजकर 26 मिनट पर होगा। ऐसे में प्रदोष काल की गणना के अनुसार जनवरी का आखिरी प्रदोष व्रत 30 जनवरी को रखा जाएगा। इस दिन प्रदोष काल का समय पूजा के लिए सबसे उत्तम माना जाता है।

जनवरी का आखिरी प्रदोष व्रत 30 जनवरी, शुक्रवार को पड़ने से इसी दिन प्रदोष काल में पूजा की जाएगी। 30 तारीख को प्रदोष काल शाम को 5 बजकर 15 मिनट से लेकर 6 बजकर 45 मिनट तक रहेगी। इस 1 घंटा 30 मिनट की अवधि में शिवजी और माता पार्वती की पूजा करना सबसे उत्तम रहेगा। बता दें कि सूर्यास्त से करीब 45 मिनट पहले और 45 मिनट बाद तक का समय प्रदोष काल कहलाता है।

प्रदोष व्रत पूजन विधि

माघ मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर व्रती को सुबह जल्दी उठकर स्नानादि कर लेना चाहिए। इसके बाद, साफ वस्त्र धारण करें और व्रत का संकल्प लें।

अपने पूजा घर में एक लकड़ी की चौकी पर वस्त्र बिछाएं और उस पर माता पार्वती व शिवजी की प्रतिमा स्थापित करें। साथ ही, भगवान गणेश की मूर्ति या तस्वीर भी अवश्य रखें। फिर, चारों तरफ गंगाजल से छिड़काव करें।

प्रदोष व्रत के दिन घर के मंदिर या पास के शिवालय में शिवलिंग का अभिषेक अवश्य करें। इसके लिए दूध, दही, गंगाजल, शहद आदि का प्रयोग करना चाहिए। अभिषेक करने के साथ ही भोलेनाथ को बेलपत्र भी जरूर अर्पित करें।

भगवान शिव को फूल, नैवेद्य, चंदन, अक्षत, धूप-दीप आदि अर्पित करें। वहीं, माता पार्वती को श्रृंगार का सामान चढ़ाएं। फिर, विधि-विधान से माता पार्वती, शिवजी और गणेश भगवान की पूजा करें।

प्रदोष व्रत के दिन शाम को प्रदोष काल में स्वच्छ होने के पश्चात शिवलिंग पर जल चढ़ाएं और साथ ही, 'ओम नमः शिवाय' या महामृत्युंजय का श्रद्धा-पूर्वक जाप करें। शाम को भगवान शिव, देवी पार्वती और गणेशजी की विधि-विधान से पूजा आरती करने के पश्चात उन्हें भोग लगाएं।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

'हम भारत के लोग...'

भारत का 77वां गणतंत्र दिवस बीत गया। एक राष्ट्रीय पर्व, राष्ट्रीय समारोह और राष्ट्रीय स्वाभिमान का दिवस भी बीत गया। आप सभी ने राजधानी दिल्ली के 'कर्तव्य पथ' पर, परेड के जरिए, भारत की सामरिक, सांस्कृतिक, कलात्मक, आध्यात्मिक और क्षेत्रीय संप्रभुता का प्रदर्शन टीवी पर देखा होगा। कितना विविध, विराट और एकजुट, अखंड है भारत! यह व्यावहारिक तौर पर 'संविधान दिवस' भी था, क्योंकि 26 जनवरी, 1950 को हमारा संविधान लागू हुआ था। यह तारीख भी ऐतिहासिक है, क्योंकि 26 जनवरी, 1930 को हमारे क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानी पुरखों और तत्कालीन कांग्रेस ने 'पूर्ण स्वराज्य' की घोषणा की थी। गोरी, अंग्रेज हुकूमत को चेतावनी दी गई थी कि भारत को अब स्वतंत्रता चाहिए। हमारा संविधान 1,46,385 शब्दों का सबसे विस्तृत और लिखित दस्तावेज है, लिहाजा अभूतपूर्व और अनूठा है। संविधान देश के नागरिक को समान अधिकार देता है। 'हम भारत के लोग..' में अंबानी, अदाणी, टाटा घराने भी हैं और एक अदना, अनाम गरीब, आम आदमी भी इसमें समाविष्ट है। संविधान न तो खंडित किया जा सकता है और न ही उसकी अवहेलना, अनदेखी की जा सकती है। ऐसा करना संज्ञेय, दंडनीय अपराध है। संविधान ही राष्ट्र है। संविधान की व्याख्या, अपवाद के तौर पर, अलग प्रकार से की जा सकती है, लेकिन संविधान की मूल आत्मा और भावना एक ही है-'हम भारत के लोग...संप्रभु, लोकतांत्रिक, पंथनिरपेक्ष, समाजवादी भारत के लोग...।' कमोबेश ऐसे राष्ट्रीय पर्व के दिन तो ढोंग, विरोध, धर्मांधता से बचा जा सकता था। संविधान की छद्म प्रति लहरा कर देश को गुमराह करने की कोशिशें, अंततः, बंजर ही साबित हुई हैं। दो युवकों ने 'ताजमहल' में घुस कर 'तिरंगा' लहराया। यह राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्र का अपमान है। 'ताजमहल' पूरी तरह भारत का विश्वविख्यात 'आश्चर्य' है। यदि तिरंगा फहराया जाना था, तो वह सार्वजनिक समारोह मनाया जा सकता था। 'घुसकर' ऐसा करना 'सांप्रदायिकता' है, जो संविधान-विरोधी है। उप्र के एक शहर में 'तिरंगा-यात्रा' के दौरान कुछ असामाजिक, देश-विरोधी तत्त्वों ने 'अल्लाह-हू-अकबर' के नारे लगाए और दूसरों को बाध्य किया। यह संवैधानिक उच्छृंखलता है। संविधान ऐसी अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार नहीं देता। संविधान ने प्रत्येक नागरिक को मौलिक अधिकारों में मताधिकार की शक्ति दी है। हम लोकतांत्रिक देश हैं, लिहाजा मताधिकार प्राप्त नागरिक एक वोट के जरिए जनादेश दे सकता है कि कौनसी सरकार काम करेगी और किसे सत्ता से बेदखल किया जाता है, लेकिन यही विडंबना है कि हर तीसरा नागरिक वोट ही नहीं देता है। चुनावों का यह औसत सामने आया है। देश में 97-98 करोड़ मतदाता हैं। अब विशेष गहन पुनरीक्षण के अभियानों के बाद मतदाताओं का यह आंकड़ा बढ़ भी सकता है। औसत वोट नहीं डालने वालों का आंकड़ा अमरीका की कुल आबादी से भी अधिक है। बहरहाल आज भी देश में सडक़ हादसों में करीब 1.77 लाख लोग सालाना मरते हैं और घायलों की संख्या अलग है। लोग शराब पीकर गाड़ी चलाते हैं या नियमों का पालन नहीं करते। हादसे विकसित देशों में भी होते हैं, लेकिन भारत में ये गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं। इस आजाद मुल्क में आज भी लोग अपनी रेलगाडियों पर पथराव करते हैं। न जाने क्यों करते हैं? क्या इसमें भी कोई प्रतिशोध निहित है? क्या उन्हें यह अहसास नहीं है कि ये खूबसूरत रेलगाडियां उनकी अपनी संपत्ति हैं? उनके करों की राशि से बनी हैं और देश भर में सेवाएं दे रही हैं? देश में आज भी बाल-विवाह और बहुविवाह हो रहे हैं। आज भी दूषित पानी पीने से लोग मर रहे हैं। आज भी असामाजिक प्रथाएं मौजूद हैं। आज भी देश में लोग गरीब हैं। कमोबेश 'गणतंत्र दिवस' पर यह गंभीर चिंतन-मनन का विषय है कि 'हम भारत के लोग...' की प्रस्तावना और भावना अधूरी क्यों है? आज भी प्रदूषण की समस्या इतनी जानलेवा है कि भारत में साल भर में 17 लाख तक लोग अकाल मौत का शिकार हो रहे हैं। बहरहाल चारों ओर उत्साह है, वह स्वागत योग्य है, प्रशंसनीय है, लेकिन हमने कुछ बिंदु उठाए हैं, जो बुनियादी तौर पर 'भारत के लोगों...' के खिलाफ हैं, उन्हें खुरच रहे हैं, नुकसान पहुंचा रहे हैं। विकास के क्षेत्र में भारत को अभी लंबा सफर तय करना है। बेशक हम कई देशों से आगे हो चुके हैं, लेकिन अमरीका व चीन का मुकाबला अभी हमें करना है।

'हम भारत के लोग..' में अंबानी, अदाणी, टाटा घराने भी हैं और एक अदना, अनाम गरीब, आम आदमी भी इसमें समाविष्ट है। संविधान न तो खंडित किया जा सकता है और न ही उसकी अवहेलना, अनदेखी की जा सकती है। ऐसा करना संज्ञेय, दंडनीय अपराध है। संविधान ही राष्ट्र है। संविधान की व्याख्या, अपवाद के तौर पर, अलग प्रकार से की जा सकती है, लेकिन संविधान की मूल आत्मा और भावना एक ही है-'हम भारत के लोग...संप्रभु, लोकतांत्रिक, पंथनिरपेक्ष, समाजवादी भारत के लोग...।' कमोबेश ऐसे राष्ट्रीय पर्व के दिन तो ढोंग, विरोध, धर्मांधता से बचा जा सकता था। संविधान की छद्म प्रति लहरा कर देश को गुमराह करने की कोशिशें, अंततः, बंजर ही साबित हुई हैं। दो युवकों ने 'ताजमहल' में घुस कर 'तिरंगा' लहराया। यह राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्र का अपमान है। 'ताजमहल' पूरी तरह भारत का विश्वविख्यात 'आश्चर्य' है। यदि तिरंगा फहराया जाना था, तो वह सार्वजनिक समारोह मनाया जा सकता था। 'घुसकर' ऐसा करना 'सांप्रदायिकता' है, जो संविधान-विरोधी है। उप्र के एक शहर में 'तिरंगा-यात्रा' के दौरान कुछ असामाजिक, देश-विरोधी तत्त्वों ने 'अल्लाह-हू-अकबर' के नारे लगाए और दूसरों को बाध्य किया। यह संवैधानिक उच्छृंखलता है। संविधान ऐसी अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार नहीं देता।

कुछ अलग

फेसबुक पर बर्फ

मित्रो! गए वे दिन जब लैला मजनू से प्रेम करती थी। गए वे दिन जब हीर रांझा से प्रेम करती थी। गए वे दिन जब शीरी फरहाद से प्रेम करती थी। अब तो हीर फेसबुक से प्रेम करती है। अब तो लैला फेसबुक से प्रेम करती है। अब तो शीरी फेसबुक से प्रेम करती है। ऐसे में मजनू भी बेकार में लैला के प्रेम में क्यों पड़ा रहे। उसने भी लैला से प्रेम करने के बदले फेसबुक से प्रेम करना शुरू कर दिया है। फरहाद ने शीरी को छोड़ फेसबुक से प्रेम करना शुरू कर दिया है। रांझा ने भी हीर को छोड़ फेसबुक से प्रेम करना शुरू कर दिया है। अब सब जान गए हैं कि आज के युग का अमर प्रेम फेसबुक है। फेसबुक नाम जहाज है चढ़ै सो उतरे पार। कल रात फेसबुक पर चर्वण करते करते जब आंखें और सांसें दोनों फूल गईं तो नींद की गोली खाकर जबरदस्ती सोने का नाटक करना पड़ा। अभी फोन किनारे छोड़ा ही था कि सामने इंद्र देव! बिल्कुल वैसे ही, जैसा मैंने उन्हें जल शक्ति विभाग के ऑफिस में सबसे बड़े साहब की कुर्सी के पीछे दीवार पर टंगे हैं। साहब के आगे बैठने से तो वे रहे। तब एक बार फिर शक सा हुआ था कि देवताओं ने हमने बनाया होगा कि हमने देवताओं को? मरने दो दोस्तो! किसने किसको बनाया! इस झंझट में पड़ जीवन में फेसबुक को मिला कीमती समय बरबाद क्यों करना। वैसे अपने जन्म से यहां सभी एक दूसरे को बना ही तो रहे हैं।

भारतीय समाचार पत्र दिवस (29 जनवरी) पर विशेष

भारतीय पत्रकारिता की अमिट विरासत

योगेश कुमार गोयल

भारत में पत्रकारिता की गौरवशाली परंपरा, प्रेस की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक चेतना का प्रतीक है। यह दिन हमें उस ऐतिहासिक क्षण की ओर ले जाता है, जब भारत की धरती पर पहली बार मुद्रित शब्दों ने सत्ता से निर्भीक होकर प्रश्न पूछने का साहस किया था और सूचनाओं की रोशनी आम जन तक पहुंची थी। समाचार पत्रों ने न केवल समाज को घटनाओं से अवगत कराया बल्कि जनमत निर्माण, सामाजिक सुधार और राष्ट्र चेतना को भी दिशा दी। यह दिवस लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को सम्मान देने का अवसर है, उस स्तंभ को, जिसने जनता को सोचने, समझने, तर्क करने और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने की शक्ति प्रदान की।

प्रतिवर्ष 29 जनवरी को 'भारतीय समाचार पत्र दिवस' मनाया जाता है, जो भारत में पत्रकारिता की गौरवशाली परंपरा, प्रेस की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक चेतना का प्रतीक है। यह दिन हमें उस ऐतिहासिक क्षण की ओर ले जाता है, जब भारत की धरती पर पहली बार मुद्रित शब्दों ने सत्ता से निर्भीक होकर प्रश्न पूछने का साहस किया था और सूचनाओं की रोशनी आम जन तक पहुंची थी। समाचार पत्रों ने न केवल समाज को घटनाओं से अवगत कराया बल्कि जनमत निर्माण, सामाजिक सुधार और राष्ट्र चेतना को भी दिशा दी। यह दिवस लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को सम्मान देने का अवसर है, उस स्तंभ को, जिसने जनता को सोचने, समझने, तर्क करने और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने की शक्ति प्रदान की। भारतीय पत्रकारिता का इतिहास 29 जनवरी, 1780 से प्रारंभ माना जाता है, जब जेम्स ऑगस्टस हिक्की ने कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) से 'हिक्कीज बंगाल गजट' का प्रकाशन किया। इसे 'कलकत्ता जनरल एडवरटाइजर' के नाम से भी जाना जाता था। यह न केवल भारत का बल्कि एशिया का पहला मुद्रित समाचार पत्र था। उस दौर में, जब संचार के साधन अत्यंत सीमित, धीमे और महंगे थे, तब इस समाचार पत्र ने सूचनाओं को जनता तक पहुंचाने का एक सुलभ और प्रभावी माध्यम प्रदान किया। समाचारों के कई दिनों में पहुंचने की विवशता के बीच मुद्रित पत्रकारिता ने समय, सत्ता और समाज के संबंधों को नई दिशा दी। 'हिक्कीज बंगाल गजट' केवल समाचार पत्र नहीं था बल्कि वह सत्ता के विरुद्ध निर्भीक अभिव्यक्ति का मंच था। इसमें प्रकाशित लेख व्यंग्यात्मक, आलोचनात्मक और विचारोत्तेजक होते थे। यह अखबार वॉरेन हेस्टिंग्स जैसे ब्रिटिश अधिकारियों की नीतियों और आचरण पर खुलकर टिप्पणी करता था। हिक्की का अखबार वर्जित विषयों, सामाजिक असमानताओं, कराधान के अधिकार और गरीबों के प्रतिनिधित्व जैसे मुद्दों को उठाता था। यह उस समय की प्रारंभिक वर्ग चेतना को स्वर देने का प्रयास था। ब्रिटिश सरकार को शीघ्र ही यह अहसास हो गया कि स्वतंत्र प्रेस सत्ता के लिए असहज हो सकता है। परिणामस्वरूप, 1782 में हिक्कीज बंगाल गजट पर प्रतिबंध लगा दिया गया। यद्यपि इस समाचार पत्र का प्रकाशन अल्पकालिक रहा परंतु इसने भारतीय प्रेस की आत्मा को जन्म दे दिया। हिक्की के बाद भारत में मद्रास कूरियर, बॉम्बे हेराल्ड, बंगाल जर्नल जैसे अनेक समाचार पत्रों का उदय हुआ किंतु औपनिवेशिक शासन के काल में प्रेस को लगातार सेंसरशिप, दमन और कठोर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा। ब्रिटिश सरकार स्वतंत्र पत्रकारिता को अपने शासन के लिए खतरा मानती थी। इसी मानसिकता के तहत 1878 में लॉर्ड लिटन द्वारा वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट लागू किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य भारतीय भाषाओं में प्रकाशित

अखबारों को नियंत्रित करना था। इस कानून के अंतर्गत सरकार को यह अधिकार प्राप्त हो गया कि वह किसी भी 'आपत्तिजनक' समाचार, लेख या टिप्पणी को जब्त कर सके और प्रेस पर कठोर कार्रवाई कर सके। यह अधिनियम औपनिवेशिक सत्ता की उस भयग्रस्त सोच का प्रतीक था, जो स्वतंत्र विचार और जनजागरण से असहज थी। भारतीय समाचार पत्र दिवस का महत्व तब और अधिक स्पष्ट होता है, जब हम स्वतंत्रता संग्राम में प्रेस की ऐतिहासिक भूमिका पर दृष्टि डालते हैं। 'केसरी', 'प्रताप', 'यंग इंडिया', 'हरिजन' और 'स्वराज्य' जैसे समाचार पत्रों ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध राष्ट्रवादी चेतना को जन-जन तक पहुंचाया। इन पत्रों के माध्यम से जनता में राजनीतिक जागरूकता उत्पन्न हुई और स्वतंत्रता का विचार व्यापक हुआ। बाल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी, गणेश शंकर विद्यार्थी और मदन मोहन मालवीय जैसे राष्ट्रनायकों ने पत्रकारिता को केवल सूचना का साधन नहीं बल्कि राष्ट्रीय आंदोलन का सशक्त हथियार बनाया। समाचार पत्रों ने औपनिवेशिक नीतियों का निर्भीक विरोध किया तथा जनजागरण, सामाजिक सुधार और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ आधार प्रदान किया। 1947 में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत ने पत्रकारिता को औपनिवेशिक नियंत्रण और दमन से मुक्त करने की दिशा में ठोस कदम उठाए। प्रेस की भूमिका और जिम्मेदारियों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 1954 में प्रथम प्रेस आयोग का गठन किया गया। इस आयोग की सिफारिशों के आधार पर 1966 में प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया की स्थापना हुई, जिसका प्रमुख उद्देश्य पत्रकारिता के नैतिक मानकों की रक्षा करना तथा प्रेस की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना था। हालांकि 1975 के आपातकाल के दौरान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गंभीर आघात पहुंचा और प्रेस काउंसिल को भंग कर दिया गया लेकिन 1979 में इसकी पुनः स्थापना ने यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और उत्तरदायी प्रेस भारतीय लोकतंत्र का अनिवार्य आधार है। समाचार पत्र केवल दैनिक घटनाओं का संकलन नहीं होते बल्कि वे समाज के बौद्धिक, नैतिक और वैचारिक विकास का सशक्त माध्यम होते हैं। विशेष रूप से बच्चों और युवाओं के लिए अखबार अत्यंत उपयोगी हैं क्योंकि वे उनकी शब्दावली का विस्तार, पढ़ने-समझने की क्षमता में वृद्धि और विश्लेषणात्मक व आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करते हैं। समाचार पत्र समसामयिक घटनाओं से परिचित कराकर युवाओं को जागरूक और विचारशील नागरिक बनाते हैं। इनके माध्यम से पाठक अपने अधिकारों, कर्त्तव्यों और सामाजिक मुद्दों को समझते हैं, जिससे जिम्मेदार नागरिकता विकसित होती है। नियमित रूप से अखबार पढ़ने की आदत नागरिक भागीदारी को बढ़ावा देती है और लोकतंत्र को अधिक सशक्त, सजग और उत्तरदायी बनाती है। आज का युग डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया का है, जहां सूचनाएं अत्यंत तीव्र गति से प्रसारित होती हैं किंतु इस गति के साथ ही अफवाहें, अपुष्ट खबरें और भ्रामक सूचनाएं भी समान रूप से फैल जाती हैं, जो समाज को भ्रमित कर सकती हैं। ऐसे समय में समाचार पत्रों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। अखबार तथ्य-जांच, विश्वसनीय स्रोतों और संपादकीय जिम्मेदारी के आधार पर समाचार प्रस्तुत करते हैं। वे घटनाओं का केवल वर्णन नहीं करते बल्कि उनके कारणों, प्रभावों और व्यापक संदर्भों का गहन विश्लेषण भी देते हैं। समाचार पत्र संतुलित और विवेकपूर्ण संपादकीय दृष्टिकोण प्रदान करते हैं, जो पाठकों को सोचने और निष्कर्ष निकालने की क्षमता देता है। जहां सोशल मीडिया के एल्गोरिदम अक्सर युवाओं को सीमित रुचियों और विचारों के दायरे में बांध देते हैं, वहीं समाचार पत्र दुनिया को व्यापक, समावेशी और वस्तुनिष्ठ दृष्टि से देखने का अवसर प्रदान करते हैं। भारतीय समाचार पत्र दिवस हमें याद दिलाता है कि प्रेस की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आत्मा है। यह दिवस पत्रकारों, संपादकों, संवाददाताओं, लेखकों और उन सभी व्यक्तियों को सम्मान देता है, जो सत्य को सामने लाने के लिए जोखिम उठाते हैं। यह दिन युवाओं को प्रेरित करता है कि वे समाचार पत्र पढ़ने की आदत विकसित करें, प्रश्न करें, सोचें और जिम्मेदार नागरिक बनें। यह दिवस केवल अतीत का स्मरण नहीं है बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए एक चेतावनी और प्रेरणा भी है। यह दिन हमें बताता है कि जब तक प्रेस स्वतंत्र, निष्पक्ष और सजग रहेगा, तब तक लोकतंत्र जीवंत रहेगा। 1780 में हिक्की के साहसिक प्रयास से शुरू हुई यह यात्रा आज भी नए माध्यमों, नई चुनौतियों और नई जिम्मेदारियों के साथ जारी है। बहरहाल, 29 जनवरी को मनाया जाने वाला यह दिवस भारतीय पत्रकारिता की उस अखंड परंपरा को नमन है, जिसने शब्दों को शक्ति और सच्चाई को स्वर दिया।

देश दुनिया से

कनाडा के प्रधानमंत्री की स्वदेशी अपनाने की अपील का संदेश

कनाडा के प्रधानमंत्री ने अपने देश के नागरिकों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील की है। ट्रंप प्रशासन द्वारा कनाडाई उत्पादों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी को देखते हुए ये अपील की गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि वह चीन के साथ व्यापार समझौता करता है तो वह कनाड़ा पर सौ फीसदी टैरिफ लगाएंगे। ट्रंप की इस चेतावनी के बाद एक वीडियो संदेश में कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने देशवासियों से स्वदेशी उत्पाद अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि 'कनाडा की अर्थव्यवस्था पर बाहरी दबाव है। ऐसे में कनाडा के लोगों के पास यही रास्ता है कि वो ही सामान खरीदें, जो कनाडा में बने हों। दूसरे देश क्या करते हैं, हम उसे नियंत्रित नहीं कर सकते। जो हमारे नियंत्रण में है उसपर फोकस करें। हम ही कनाडा के सबसे अच्छे ग्राहक हैं और हमें कनाडा में बने उत्पाद खरीदने चाहिए ताकि देश को मजबूत बनाया जा सके। अमेरिका और कनाडा दोनों देशों के बीच ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के बाद तल्खी तब और बढ़ गई जब ट्रंप ने कई बार कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही, हालांकि पिछले साल कार्नी ने व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने साफ शब्दों में कहा था कि कनाडा बिकाऊ नहीं है। आज जो हालात कनाडा के साथ हैं, वही दुनिया के कई अन्य देशों के साथ हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कभी भारत तो धमकी देते हैं तो कभी चीन को। ग्रीनलैंड का समर्थन करने वाले देशों को भी इस तरह की उनकी हाल में धमकी आई है। इस तरह की धमकी एक व्यापक वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा है। बड़ी शक्तियों छोटी शक्ति और देशों को दबाकर रखना चाहती हैं। वे छोटे और सम्प्रभू देशों को अपना गुलाम बनाकर रखना पसंद करती है। अपने पर निर्भर बनाए रखना चाहती है। इस तरह के आसन्न खतरे को भारत ने पहले ही भांप लिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काफी समय से स्वदेशी अपनाने पर वैसे ही नही जोर दे रहे। भारत में स्वदेशी का विचार कोई नया नहीं है। यह हमारी राष्ट्रीय चेतना का एक महत्वपूर्ण अंग रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विचार को आत्मनिर्भर भारत अभियान के माध्यम से नया आयाम दिया है। वोकल फॉर लोकल का नारा देते हुए उन्होंने देशवासियों से भारतीय उत्पादों को अपनाने और उन्हें वैश्विक बनाने का आह्वान किया है। यह दृष्टिकोण केवल आर्थिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय गौरव और आत्मसम्मान से भी जुड़ा हुआ है। जब हम अपने देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता देते हैं, तो हम न केवल अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा करते हैं। दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता कम होगी। उनका हम पर दबाव कम होगा। स्वदेशी की अवधारणा को समझने के लिए हमें महात्मा गांधी के स्वदेशी आंदोलन को याद करना होगा। गांधीजी ने स्वदेशी को केवल आर्थिक रणनीति के रूप में नहीं देखा था, बल्कि इसे स्वराज और आत्मनिर्भरता के व्यापक दर्शन का हिस्सा माना था। उनका मानना था कि जब तक हम आर्थिक रूप से परतंत्र रहेंगे, तब तक वास्तविक स्वतंत्रता संभव नहीं है। इसलिए उन्होंने विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार और चरखे से बने खादी को अपनाने पर जोर दिया। गांधीजी के लिए चरखा केवल कपड़ा बनाने का साधन नहीं था, बल्कि यह आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक था। दरअसल अंग्रेजों के शासन से पहले जरूरत का सारा सामान हमारे यहां गांव–गांव और आसपास में पैदा होता हैं। जरूरत का काफी सामान हम अपने घर तैयार कर लेते थे। अंग्रेजों ने इस व्यवस्था को बड़े-बड़े उद्योग लगाकर खत्म कर दिया। महात्मा गांधी ने स्वदेशी का महत्व समझा। उनका स्वदेशी आंदोलन भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण हथियार बना। उन्होंने लोगों को समझाया कि जब हम विदेशी वस्तुओं का उपयोग करते हैं, तो हम न केवल अपने देश की संपत्ति को बाहर भेज रहे हैं, बल्कि अपने कारीगरों और श्रमिकों को भी बेरोजगार कर रहे हैं। उनका मानना था कि प्रत्येक भारतीय को अपने गांव और अपने देश में बनी वस्तुओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। यह विचार इतना प्रभावशाली था कि लाखों भारतीयों ने विदेशी कपड़ों की होली जलाई और खादी को अपनाया। यह आंदोलन केवल आर्थिक नहीं था, बल्कि इसने राष्ट्रीय चेतना को जगाने और लोगों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज की वैश्वीकृत दुनिया में स्वदेशी की अवधारणा नए अर्थ और महत्व प्राप्त कर रही है। कनाडा पर ट्रंप की टैरिफ धमकी यह दर्शाती है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार कितना अनिश्चित और राजनीतिक रूप से प्रभावित हो सकता है। जब कोई देश किसी दूसरे देश पर आर्थिक दबाव बनाना चाहता है, तो व्यापार शुल्क एक प्रमुख हथियार बन जाता है। ऐसी स्थिति में जो देश अपनी घरेलू उत्पादन क्षमता को मजबूत रखते हैं, वे बेहतर तरीके से इन चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। यही कारण है कि कनाडा के प्रधानमंत्री ने अपने नागरिकों से देश में बने उत्पादों को खरीदने का आग्रह किया है। भारत की आत्मनिर्भर भारत पहल इसी दिशा में एक व्यापक और दूरदर्शी कदम है। इस अभियान का उद्देश्य केवल आयात को कम करना नहीं है, बल्कि भारत को विनिर्माण, नवाचार और तकनीकी विकास का एक वैश्विक केंद्र बनाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने बार-बार कहा है कि आत्मनिर्भरता का अर्थ आत्मकेंद्रित होना नहीं है, बल्कि यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक विश्वसनीय और मजबूत भागीदार बनना है। जब भारतीय उत्पाद गुणवत्ता और नवाचार में उत्कृष्ट होंगे, तो वे न केवल घरेलू बाजार में सफल होंगे बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी जगह बनाएंगे। स्वदेशी को अपनाने का अर्थ यह नहीं है कि हम अंतरराष्ट्रीय व्यापार या वैश्वीकरण के खिलाफ हैं। बल्कि यह एक संतुलित दृष्टिकोण है जो घरेलू उद्योगों को मजबूत करते हुए वैश्विक बाजार में भागीदारी को भी बढ़ावा देता है। जब हमारे उद्योग मजबूत होंगे, तो हम बेहतर शर्तों पर अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भाग ले सकेंगे। यही कारण है कि भारत मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों के माध्यम से घरेलू उत्पादन और नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। स्वदेशी उत्पादों को अपनाने से रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। जब हम स्थानीय उत्पाद खरीदते हैं, तो हम अपने देश के कारीगरों, किसानों, छोटे व्यवसायियों और उद्यमियों की आजीविका का समर्थन करते हैं। भारत जैसे देश में जहां बेरोजगारी एक बड़ी चुनौती है, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर सकता है। छोटे और मध्यम उद्योग जो भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, तभी फल-फूल सकते हैं जब उन्हें पर्याप्त घरेलू बाजार मिले। पर्यावरण की दृष्टि से भी स्वदेशी उत्पादों का महत्व बढ़ जाता है। जब हम स्थानीय स्तर पर उत्पादित वस्तुओं का उपयोग करते हैं, तो परिवहन से होने वाला कार्बन उत्सर्जन कम होता है।

आप का नज़रिया

कांगड़ा के पंखों में कितनी हवा

हिमाचली राजनीति की सारी अलामतें अंततः कांगड़ा में आकर बिगुल फूंकती हैं। खुद कांगड़ा नहीं जानता कि यह अदालत है या मुकदमा, क्योंकि हर सत्ता बताती है कि उसने इसे फतह किया। खुश्क धौलाधार के प्रांगण को सूखी घास पर सियासी पांव घिस न जाएं, यह नजाकत फिर मेहनत कर रही है। उतरा है सत्ता का कारवां उन्हीं राहों पर जहां शीतकालीन प्रवास के मायने फिर से खोले जा रहे हैं। स्वागत कक्ष में मोर नाच रहे हैं, कुछ छोटे कद के और कुछ अपने पंख फैलाए हुए। कितने सुंदर नजारे जैसे अभी-अभी बादल बरस चुके हों और कोई इंद्रधनुष इंगित कर रहा हो कि सूरज की किरणें रंग भर रही हैं। वाकई अब फिर कांगड़ा के पंखों में हवा भरने का प्रयास अगर सरकार का शीतकालीन प्रवास कर रहा है, तो दूसरी ओर विपक्ष की टहनियों पर बैठे पंछी बता रहे हैं कि सुबह का सूरज यहीं आएगा। यह भी एक आश्चर्य है कि हिमाचल में सत्ता के लिए कांगड़ा का नाक जरूरी है, लेकिन सरकारें अपनी आजमाइश में आज तक इसी के कान बींध देती रही हैं। कांगड़ा एक प्रवास है जिसे मुकम्मल करने की पारी कमोबेश हर सरकार पूरी करती है। कांगड़ा के नाम, कांगड़ा के काम, लेकिन सत्ता के हाथियों पर यहां के नेताओं को वफादारी रास न आई। मुगालतों में भी असर इतना कि ठोकरों में वे शहंशाह हो गए। सत्ता के पास कांगड़ा की चुगलियां जिन चुगलखोरों ने की, वे कितने टके की सियासत से बादशाह बनेंगे। लिहाजा मंदिरों की धरती पर विमर्श के बजाय पूजा करते-करते यहां के नेता पुजारी हो गए। यही वजह है प्रवास की संगत में कांगड़ा जब चलता है, तो प्रवासी पक्षी दिशा-निर्देश करते हैं। अपनी ही दिशा के भ्रम में यहां के नेता रहे, इसलिए अब अपने-अपने टुकड़ों की वकालत हर कोई मशरूफ है। कांगड़ा के पथ पर एक ओर मुख्यमंत्री चल रहे हैं, तो राजनीतिक सान्निध्य में विपक्ष की तपती जमीन पर नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर भी चल रहे हैं और युवा गतिविधियों के संगम पर सांसद अनुराग ठाकुर भी कांगड़ा में दिखाई दिए। हर चुनाव की अलग भाषा और परिभाषा होती है, इसलिए सरकार के काम और विपक्ष के नाम यहां खुद को चलाने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के पक्ष में कांगड़ा का आदाब सिर्फ सरकारी समारोह नहीं तीन साल की हुकूमत का नजराना है। एक बड़ा पंडाल अगर कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार क्षेत्र पर सजा दिया जाए, तो हुजूम में अगली सदी का विश्वास निकल आएगा। भले ही आर्थिक तंगी में माहौल में नुक्ताचीनी हो, मगर सरकार की कमान से कई फैसले निकल आएंगे। कमोबेश हर विधानसभा क्षेत्र में सीबीएसई स्कूल की ताजपोशी सुनिश्चित करती सरकार, जमीनी फैसले की हद में इंतकाल के सारे मामलों को हल कर रही है। राजनीति की कैपिटल इंवेस्टमेंट में सुक्खू आरंभ से ही स्पष्ट रहे, इसलिए कांगड़ा को पर्यटन राजधानी का दर्जा देते हुए अब बताएंगे कि घाटी में कितना सुरूर भर दिया। दूसरी ओर नेता प्रतिपक्ष पार्टी के पक्ष में कांगड़ा को बटोर रहे हैं। माइनस कांगड़ा अगर सत्ता की रिटर्न असंभव रही, तो इस बार भाजपा के सूरजमुखी फूल यहीं उगेंगे या उगाए जाएंगे। सत्ता से कांगड़ा के सवाल अब भाजपा को पूछने हैं, तो जयराम ठाकुर का केंद्रीय विश्वविद्यालय समारोह में अभिनंदन बताता है कि तापमान क्या है। इसलिए देहरा में बन कर तैयार हो चुके परिसर तक बिजली आपूर्ति की शर्त जब पूछी जाएगी, तो आंखें बरबस धर्मशाला के प्रस्तावित जदरांगल परिसर की तरफ उठ जाएंगी। बहरहाल प्रदेश के सूखे में कांगड़ा भी हर बार कमजोर रहा है, लेकिन कहीं न कहीं शीतकालीन प्रवास का मोम सा दिल बरस तो रहा है ही।

उतरा है सत्ता का कारवां उन्हीं राहों पर जहां शीतकालीन प्रवास के मायने फिर से खोले जा रहे हैं। स्वागत कक्ष में मोर नाच रहे हैं, कुछ छोटे कद के और कुछ अपने पंख फैलाए हुए। कितने सुंदर नजारे जैसे अभी-अभी बादल बरस चुके हों और कोई इंद्रधनुष इंगित कर रहा हो कि सूरज की किरणें रंग भर रही हैं। वाकई अब फिर कांगड़ा के पंखों में हवा भरने का प्रयास अगर सरकार का शीतकालीन प्रवास कर रहा है, तो दूसरी ओर विपक्ष की टहनियों पर बैठे पंछी बता रहे हैं कि सुबह का सूरज यहीं आएगा। यह भी एक आश्चर्य है कि हिमाचल में सत्ता के लिए कांगड़ा का नाक जरूरी है, लेकिन सरकारें अपनी आजमाइश में आज तक इसी के कान बींध देती रही हैं। कांगड़ा एक प्रवास है जिसे मुकम्मल करने की पारी कमोबेश हर सरकार पूरी करती है। कांगड़ा के नाम, कांगड़ा के काम, लेकिन सत्ता के हाथियों पर यहां के नेताओं को वफादारी रास न आई। मुगालतों में भी असर इतना कि ठोकरों में वे शहंशाह हो गए। सत्ता के पास कांगड़ा की चुगलियां जिन चुगलखोरों ने की, वे कितने टके की सियासत से बादशाह बनेंगे। लिहाजा मंदिरों की धरती पर विमर्श के बजाय पूजा करते-करते यहां के नेता पुजारी हो गए। यही वजह है प्रवास की संगत में कांगड़ा जब चलता है, तो प्रवासी पक्षी दिशा-निर्देश करते हैं। अपनी ही दिशा के भ्रम में यहां के नेता रहे, इसलिए अब अपने-अपने टुकड़ों की वकालत हर कोई मशरूफ है।

दृष्टि कोण

बजट 2026-27 से जुड़े पूर्वानुमान

एक फरवरी को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में बजट 2026-27 पेश करेंगी, जो उनका लगातार नौवां बजट होगा। खास बात यह है कि इस बार बजट रविवार को पेश होगा, जो पिछले कुछ सालों में कम ही हुआ है। पिछले साल सरकार ने 12 लाख रुपए तक की आय को टैक्स फ्री करके आम लोगों को बड़ी राहत दी थी, और इस बार उम्मीदें और बड़ी हैं। माननीय राष्ट्रपति जी ने सरकार की सलाह पर संसद के दोनों सदनों को बजट सत्र के लिए बुलाया है। यह सत्र 28 जनवरी से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। सत्र दो हिस्सों में होगा जिसमें पहला हिस्सा 28 जनवरी से 13 फरवरी तक और दूसरा 9 मार्च से 2 अप्रैल तक। इस दौरान बजट के अलावा कई महत्वपूर्ण चर्चाएं और कई महत्वपूर्ण बिल पास होने की उम्मीद है। बड़े नामों से ज्यादा बजट पेश करने का रिकॉर्ड उनके नाम होगा। पिछले बजटों में उन्होंने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं और क्या इस बार भी देश की आर्थिक दिशा तय करने में यह बजट अहम भूमिका निभाएगा? देश की आर्थिक स्थिति 2026-27 में गति पकडने की उम्मीद पकड़ सकती है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए केंद्रीय बजट में पूंजीगत व्यय, राजकोषीय अनुशासन और आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने वाले सुधारों पर जोर बने रहने की संभावना है। आगामी केंद्रीय बजट में रोजगार सृजन और कौशल विकास को प्रमुख प्राथमिकता दिए जाने की संभावना है। सरकार का लक्ष्य युवाओं के लिए अधिक रोजगार अवसर पैदा करना और स्किल ट्रेनिंग को मजबूत करना होगा। बजट में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने पर भी जोर रहने की उम्मीद है। खास तौर पर छोटे और निर्यात आधारित उद्योगों के लिए समर्थन बढ़ाया जा सकता है। कृषि क्षेत्र को लेकर भी सरकार की ओर से समन्वित सहायता की संभावना है, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी जा सके। इसके अलावा, शोध एवं विकास और इनोवेशन को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जा सकता है, जिससे लंबी अवधि की आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिले। बजट में विनियमन कम करने और

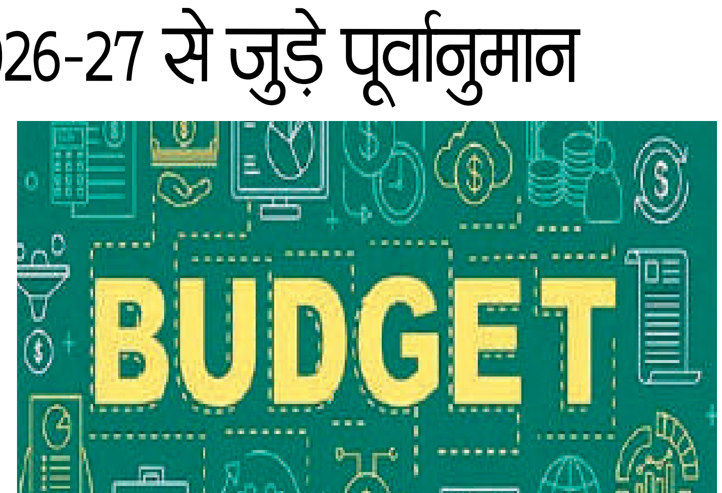

कारोबार करने में आसानी को और बेहतर बनाने के लिए भी अहम कदम उठाए जाने की उम्मीद है। अनुमान है कि वित्त वर्ष 2027 में ग्रॉस टैक्स रेवेन्यू 9.6 फीसदी की दर से बढ़ेगा। यह वृद्धि 10.1 फीसदी की अनुमानित नॉमिनल जीडीपी वृद्धि के लगभग अनुरूप है, लेकिन पहले के औसत से कम रहेगी। अप्रत्यक्ष करों पर दबाव बने रहने की संभावना है। इसके बावजूद फरवरी 2026 से तंबाकू उत्पादों पर बढ़ाई गई उत्पाद शुल्क दरों से उत्पाद शुल्क कलेक्शन को कुछ सहारा मिलने का अनुमान है। नॉन टैक्स रेवेन्यू के मोर्चे पर, भारतीय रिजर्व बैंक से मिले ज्यादा डिविडेंड ने वित्त वर्ष 2026 में सरकार को बड़ी राहत दी है। अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में नॉन टैक्स रेवेन्यू बजट अनुमान से ज्यादा रह सकता है। हालांकि, वित्त वर्ष 2027 में आरबीआई से मिलने वाला डिविडेंड घटकर 2 से 2.5 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2026 में 2.7 लाख करोड़ रुपए रहा था। पूंजीगत व्यय केंद्र सरकार की विकास रणनीति का एक प्रमुख स्तंभ बना हुआ है। वित्त वर्ष 2026 के पहले आठ महीनों में 28.2 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्ज करने के बाद, वित्त वर्ष 2027 में पूंजीगत व्यय के 10 फीसदी बढ़कर 12.3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। व्यय की गुणवत्ता भी मजबूत बने रहने की उम्मीद है, जहां पूंजीगत व्यय और राजस्व व्यय का अनुपात वित्त वर्ष 2026 और 2027 दोनों में लगभग 0.3 रहने का अनुमान है। हालांकि, वित्त वर्ष 2026 में अब तक राजस्व व्यय की वृद्धि सुस्त रही है, जिसका एक कारण व्यय युक्तिकरण के कदम हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज छात्र शिक्षा क्षेत्र में चमकेंगे और नवीन तरीकों से समस्याओं को सुलझाने की अपनी विशेष प्रतिभा के लिए पहचान हासिल करेंगे.व्यवसाय क्षेत्र में, आप प्रशंसा प्राप्त करेंगे और अच्छा उत्थान या पदोन्नति भी प्राप्त कर सकते हैं. आपकी लोकप्रियता बहुत बढ़ जाएगी. आपकी आमदनी बढ़ेगी जबकि आपके खर्च घटेंगे. बचत आपके आत्मविश्वास–स्तर को बढ़ावा देगी. आपका पारिवारिक जीवन आरामदायक और सुखद रहेगा. आपका जीवनसाथी के साथ तालमेल बहतर रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज रुके हुए काम जल्दी पूरे हो सकते हैं. जो काम आप काफी समय से करने की सोच रहे हैं, वो कर लेंगे. किसी बोझ या अनचाहे साथी से भी आपको छुटकारा मिल सकता है. अचानक इनकम बढ़ेगी. किसी उलझी हुई स्थिति को सुलझाने में आप सफलरहेंगे. अपने प्रेमीजनों की जरूरतों और उनकी बातों को समझने की कोशिश करें. परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आज व्यवसाय के सिलसिले में विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है. परिवार में आपके गुणों की प्रशंसा होगी, जिससे आपका मन खुश रहेगा. नयी तकनीक को अपनाने से आपके काम में वृद्धि होगी. आप अपनी कोई बात दोस्तों से शेयर कर सकते हैं. शनिवार का दिन खुद में बदलाव लाने के लिये अच्छा है. आपको आगे बढ़ने के लिए नई योजनाएँ बनानी पड़ सकती है. ब्राह्मण को मिष्ठान भोग अर्पित करें कार्य सिद्धि होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ऑफिस में उच्च पदाधिकारियों द्वारा काम की सराहना होगी और वे आपके प्रेरणा स्रोत बनेंगे. आपकी शोहरत बढ़ेगी और आप आसानी से दूसरे लिंग के लोगों को अपनी तरफ़ आकर्षित करेंगे. नशीले पदार्थों का सेवन ना करें. आपको इससे काफी नुकसान हो सकता है. साथ ही देर रात में वाहन ना चलाएं. दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी. आपको अपने पार्टनर के प्रति वफादार रहने की जरूरत है.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन आपके लिए कुछ परेशानी वाला हो सकता है.नौकरी पेशा जातकों के लिए के लिए यह समय मुश्किल भरा हो सकता है . आर्थिक पक्ष में गिरावट संभव है . आपके जीवनसाथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उन्हें चिकित्सकीय देखरेख की जरूरत हो सकती है. सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है. प्रेम संबंधन को बहुत ही सावधानी और समझदारी से निभाने की जरुरत होगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

परेशान लोगों को कुछ राहत मिल सकती है. धन की बचत करने में सफल रहेंगे. अपनी कोशिशों के दम पर सही समय पर सही जगह आप मौजूद रहेंगे और इससे आपके रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं. घर–परिवार या पड़ोस में कोई कठिन परिस्थिति बने तो सकारात्मक रहें.दाम्पत्य जीवन में सुख मिलेगा. शादी लायक लोगों को आज ऑफर मिल सकते हैं. लोग आपकी सलाह मानेंगे. आज आप थोड़ा संतुलित व्यवहार रखें.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए अग्रसर रहेंगे. ऑफिस में आप किसी तरह की राजनीति में उलझ सकते हैं. इससे आपका कुछ समय खराब हो सकता है. घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे आपका मन खुश रहेगा. ऑफिस में काम की अधिकता थोड़ी ज्यादा हो सकती है. आज आप दोस्तों के साथ समय बितायेंगे. उनके साथ किसी नए विषय पर बातचीत कर सकते हैं। देवमंदिर मे दीपक प्रज्वलित करें , आपका दिन बेहतर गुजरेगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन शुरू किया गया निर्माण का कार्य संतोषजनक रूप से पूरा होगा. आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है. आप अपने परिजनों से मिलने जाएंगे. यह मुलाकात काफी लंबे समय बाद हो रही है. इससे आप बहुत ही खुश होंगे. आकस्मिक यात्रा हो सकती है. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा.पारिवारिक यात्रा का माहौल बनेगा, अपनी सामर्थ्य अनुसार गौसेवा करें मानसिक शान्ति मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

छात्रों को सामान्य से अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, फिर भी वे अपने निरंतर प्रयासों से सफलता प्राप्त कर सकते हैं. आपको अध्ययन के प्रति अपने दृष्टिकोण में अधिक ध्यान केंद्रित होना होगा. यदि आप नई नौकरी की तलाश कर रहे हैं, तो आपके रास्ते में बहुत सारे अवसर हो सकते हैं और यहां तक कि चुनने के लिए विकल्प भी हो सकते हैं. महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए दूसरों पर निर्भर रहना आपको परेशानी में डाल सकता है. परिवार की महिला सदस्य को स्वास्थ्य तकलीफ दे सकता हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

घर पर ज्यादा समय देना पड़ेगा. आपको जरूरत पड़ने पर परिवार के लिए कुछ त्याग भी करना पड़ सकता है. प्रेम संबंधों के लिए अच्छा समय है. दिन भी अच्छा रहेगा. सुख मिलेगा. सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. सेहत अच्छी रहेगी. कोई ऐसी बात आपके सामने आ सकतीहै जिससे आपको भविष्य में होने वाले फायदे का संकेत मिल सकता है. किसी भी मामले को गंभीर होकर निपटा लें. कोई टेंशन भी जल्दी खत्म हो सकती है. मन में उत्साह रहेगा.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

करियर के मामले में आपको बड़ी सफलता मिलेगी. कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ के अवसर मिलेंगे. आप ऐसे लोगों के साथ जुड़ेंगे, जो आपकी हर तरह से मदद के लिये तैयार रहेंगे. आपके सगे–संबंधी आर्थिक रूप से आपकी मदद के लिए तैयार रहेंगे. बिजनेसमैन को बेहतर अपॉर्चुनिटिज़ मिलेगी. आपके परिवार में ख़ुशी का माहौल रहेगा. साथ ही घर के सदस्यों का सहयोग मिलेगा. आपका कोई जरुरी काम पूरा होगा. देवी मंत्र का स्मरण जप पाठ करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका या परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है. मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है. यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी. पारिवारिक जीवन में अब तक का सबसे सुनहरा पल देखने को मिलेगा. किसी भी प्रकार के अनैतिक कार्यों से दूर रहने की गणेशजी सलाह देते हैं. ध्यान और आध्यात्मिकता मन को शांति प्रदान करेंगे. मेहनत करें भाग्य बदल जाएगा. समय रहते कार्य पूरा करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 29 जनवरी 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी दोपहर 01:57 तक
नक्षत्र : रोहिणी प्रातः 07:32 तक
योग : ऐन्द्र रात्रि 08:27 तक
करण : विष्टि दोपहर 01:57 तक
चन्द्रराशि : वृषभ सायं 06:32 तक
सूर्योदय : 06:48, सूर्यास्त 06:09 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46 , सूर्यास्त 06:19 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:11 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 06:02 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : जया एकादशी व्रत , भीष्म द्वादशी ,
भद्रा दोपहर 01:57 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान एयरोस्पेस एण्ड डिफेंस पॉलिसी

राजस्थान बनेगा एयरोस्पेस और डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग हब

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार विकसित राजस्थान के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में बहुआयामी विकास नीति के साथ कार्य कर रही है। कृषि, ऊर्जा, पेयजल, शिक्षा, बुनियादी ढांचा, चिकित्सा, उद्योग जैसे क्षेत्रों में प्रगति की रफ्तार बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इसके साथ ही, एयरोस्पेस और डिफेंस विनिर्माण तथा सेवाओं में राज्य की आत्मनिर्भरता को मजबूत करने एवं राष्ट्र की एयरोस्पेस और डिफेंस विनिर्माण उपलब्धियों में राजस्थान के योगदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार राजस्थान एयरोस्पेस एण्ड डिफेंस नीति लाई है। यह नीति प्रदेश में रक्षा तथा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन देने के साथ ही राजस्थान को एयरोस्पेस और डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग का महत्वपूर्ण हब बनाने की दिशा में सहायक होगी। इस क्षेत्र में बड़े निवेश को आकर्षित करने के साथ-साथ एमएसएमई, स्टार्टअप्स और नवाचार आधारित इकोसिस्टम के विकास पर केन्द्रित यह नीति आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को भी बढ़ावा देगी। इस नीति के अंतर्गत प्रदेश में एयरोस्पेस एण्ड डिफेन्स क्षेत्र के विनिर्माण उद्यमों, उपकरण एवं घटक निर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं, प्रिसीजन इंजीनियरिंग इकाइयों और मेंटेनेंस, रिपेयर एवं ओवरहॉलिंग से जुड़ी इकाइयों की स्थापना को बढ़ावा दिया जाएगा।

इस नीति के अन्तर्गत विनिर्माण परियोजनाओं को न्यूनतम 50 करोड़ रूपये से 300 करोड़ रूपये तक अचल पूंजी निवेश करने पर लार्ज, 300 करोड़ से 1 हजार करोड़ रूपये के निवेश पर मेगा और 1 हजार करोड़ रूपये से अधिक के निवेश पर अल्ट्रा मेगा परियोजना की श्रेणी में रखा जाएगा। वहीं, सर्विस सेक्टर के लिए 25 करोड़ से 100 करोड़ रूपये तक अचल पूंजी निवेश वाली परियोजनाएं लार्ज, 100 करोड़ से 250 करोड़ रूपये तक मेगा और 250 करोड़ से अधिक के निवेश वाली परियोजनाएं अल्ट्रा मेगा की श्रेणी में रखी जाएंगी।

नीति के तहत ए एण्ड डी पार्कों में लगने वाले पात्र एयरोस्पेस एवं डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग और सेवा उद्यमों को एसेट क्रिएशन इन्सेन्टिव के रूप में 7 वर्षों तक राज्य कर के 75 प्रतिशत पुनर्भरण का निवेश अनुदान दिया जाएगा। साथ ही, विनिर्माण उद्यमों के लिए 20 से 28 प्रतिशत और सर्विस सेक्टर के लिए 14 से 20 प्रतिशत तक 10 वर्षों में वितरित पूंजीगत अनुदान अथवा 10 वर्षों तक वार्षिक किश्तों में देय 1.2 प्रतिशत से 2 प्रतिशत तक टर्नओवर लिंक्ड प्रोत्साहन में से किसी एक विकल्प का चयन करने की सुविधा दी जाएगी।इसके अतिरिक्त इन प्रोत्साहनों पर टॉप-अप के रूप में 10 से 15 प्रतिशत एम्प्लॉयमेंट बूस्टर, पहली तीन मेगा अथवा अल्ट्रा मेगा इकाइयों के लिए 25 प्रतिशत सनराइज बूस्टर, 10 प्रतिशत एंकर बूस्टर, 20 प्रतिशत थ्रस्ट बूस्टर जैसे लाभ भी प्रदान किए जाएंगे। रीको से भूमि लेने वाले मेगा, अल्ट्रा मेगा विनिर्माण उद्यमों को 10 वर्षों तक फ्लेक्जिबल लैण्ड पेमेंट और 5 वर्षों के लिए 25 प्रतिशत ऑफिस स्पेस हेतु लीज रेन्टल सब्सिडी का लाभ भी देय होगा।

भजनलाल सरकार के विकास कार्यों का विपक्ष के पास कोई जवाब नहीं : जोगाराम पटेल

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के पंचम सत्र के पहले दिन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि सरकार द्वारा किए गए कार्यों एवं उपलब्धियों का विपक्ष के पास कोई तथ्यात्मक जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आमजन के समक्ष रखे गए विकास संबंधी तथ्यों का आज दिन तक विपक्ष के किसी भी दल द्वारा कोई तथ्यात्मक खंडन प्रस्तुत नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए पारदर्शी एवं जवाबदेह शासन प्रणाली स्थापित की है। श्री पटेल ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान रोजगार सृजन, राइजिंग राजस्थान समिट, किसानों के हितों के संरक्षण, युवाओं के कल्याण, मातृशक्ति के सशक्तिकरण, पेयजल व ऊर्जा क्षेत्र में सुधार सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास के नए आयाम स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि ये कार्य पिछले लंबे समय तक सत्ता में रही पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में अटके रहे। पटेल ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय बजट में केवल घोषणाएं की जाती थी, उनकी प्रभावी क्रियान्विति नहीं हो पाती थी। घोषणा पत्र को धरातल पर उतारने की कोई मंशा नहीं होती थी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए भूमि आवंटन, वित्तीय स्वीकृतियों एवं विभिन्न विकास परियोजनाओं का कार्य पूरा किया है। उन्होंने बताया कि संकल्प पत्र के लगभग 70 प्रतिशत से अधिक वादों को भाजपा सरकार पूरा कर चुकी है। शेष संकल्पों को भी शीघ्र ही पूर्ण किया जाएगा।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि विधानसभा सत्र लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप विकास के मुद्दों, बजट एवं विभिन्न मांगों पर गंभीर चर्चा, सुझाव एवं रचनात्मक आलोचना का मंच है। विपक्ष लोकतंत्र का महत्वपूर्ण अंग है और सरकार विपक्ष से सकारात्मक सुझावों का स्वागत करती है।

पटेल ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है और आगामी बजट भी जनकल्याणकारी एवं विकासोन्मुखी होगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान विकास के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में उभर रहा है। विभिन्न योजनाओं में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने के साथ ही राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लिए यह ऐतिहासिक उपलब्धि है।

जयपुर डिस्कॉम का एसई और टेक्नीशियन रिश्वत लेते गिरफ्तार

धौलपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने आज धौलपुर में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए जयपुर डिस्कॉम के अधीक्षण अभियंता और उनके मातहत एक टेक्नीशियन को 1,75,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह रिश्वत परिवादी को उसके निलंबन से बहाल करने के बदले में मांगी गई थी। एसीबी के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि धौलपुर इकाई को एक शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायतकर्ता (परिवादी) ने आरोप लगाया कि जयपुर डिस्कॉम धौलपुर के अधीक्षण अभियंता राजेश कुमार वर्मा उसे सस्पेंशन के बाद बहाल करने की एवज में 2 लाख रुपये की मांग कर परेशान कर रहे हैं। इस भ्रष्टाचार के खेल में अधीक्षण अभियंता का कार्यालय टेक्नीशियन-प्रथम नरेन्द्र कुमार भी उनके साथ मिला हुआ था। जाल बिछाकर रंगे हाथों दबोचा : शिकायत का सत्यापन होने के बाद एसीबी की टीम ने जाल बिछाया। उप महानिरीक्षक डॉ. रामेश्वर सिंह के निर्देशन में पुलिस निरीक्षक जगदीश भारद्वाज ने ट्रैप की कार्रवाई को अंजाम दिया।

डोटासरा का भाजपा सरकार पर हमला, बोले

पंचायती राज चुनाव न कराना संविधान का खुला उल्लंघन

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव समय पर न कराना संविधान का खुला उल्लंघन है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जानबूझकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर रही है और ग्रामीण राजस्थान के विकास को पूरी तरह ठप कर दिया गया है। जयपुर के बिड़ला सभागार में आयोजित पंचायती राज सशक्तिकरण सम्मेलन को संबोधित

करते हुए डोटासरा ने कहा कि छह साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद पंचायती राज प्रतिनिधियों के चुनाव नहीं कराए गए। संविधान के अनुच्छेद 243यू और 243ई में स्पष्ट प्रावधान होने के बावजूद सरकार ने पंचायतों और नगर निकायों के चुनाव टाल रखे हैं। पंचायतों का कार्यकाल समाप्त हुए एक साल से अधिक हो गया, लेकिन सरकार ने सरपंचों को प्रशासक बनाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर दिया। डोटासरा ने कहा कि पिछले दो वर्षों से पंचायती राज संस्थाओं को विकास के लिए कोई बजट नहीं दिया गया, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्य पूरी तरह रुक गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार प्रधानों को जानबूझकर निलंबित कर रही है और अदालत से राहत मिलने के बावजूद उन्हें पद से हटाया जा रहा है।

उन्होंने ओबीसी आरक्षण का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद प्रदेश में लंबे समय तक ओबीसी आयोग का गठन नहीं किया गया और अब आयोग को संसाधन भी नहीं दिए जा रहे हैं, जिससे चुनाव और आगे टलते जा रहे हैं। डोटासरा ने चेतावनी दी कि यदि समय पर चुनाव नहीं हुए तो केंद्र से मिलने वाले करीब 3000 करोड़ रुपये लैप्स हो सकते हैं।

ज्यादा आय दिखाकर बुजुर्गों, महिलाओं और किसानों को योजनाओं से वंचित कर रही भाजपा सरकार : दिग्विजय चौटाला

चंडीगढ़, 28 जनवरी (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने कहा है कि भाजपा सरकार झूठी आय को ढाल बनाकर प्रदेश के बुजुर्गों, महिलाओं और किसानों को सरकारी योजनाओं के लाभ से दूर करने में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों में आमजन का कोई फायदा नहीं है, केवल धोखा ही है। वे बुधवार को पानीपत में जेजेपी द्वारा आयोजित युवा योद्धा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। दिग्विजय ने युवाओं से आह्वान किया कि वे बुजुर्गों की कट रही बुढ़ापा पेंशन, गरीबों के काटे गए बीपीएल कार्ड और महिलाओं के साथ लाड़ो लक्ष्मी योजना के नाम पर किए गए धोखे के खिलाफ एकजुट होकर भाजपा सरकार से लड़ाई लड़े। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि बीजेपी सरकार परिवार पहचान पत्र में झूठी इनकम

दिखाकर जननायक चौधरी देवीलाल द्वारा शुरू की गई बुढ़ापा पेंशन को बंद करने में लगी हुई है। ऐसे में बुढ़ापा पेंशन बहाली के लिए जेजेपी युआवों के साथ मिलकर लड़ाई लड़ेगी। दिग्विजय ने कहा कि लाडो लक्ष्मी योजना की झूठी घोषणा करके भाजपा ने चुनाव के समय महिलाओं से वोट हासिल किए। अब सभी महिलाओं को 2100 रुपए नहीं दिए जा रहे। इतना ही नहीं एक हजार रुपए की एफडी करके महिलाओं के साथ बड़ा विश्वासघात किया है। दिग्विजय ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि प्रत्येक महिला के खाते में प्रतिमाह 2100 रूपए आने चाहिए। उन्होंने ये भी कहा कि किसान की आय केवल कागजों में बढ़ाकर उन्हें भी योजनाओं के लाभ से वंचित किया जा रहा है, जबकि धरातल पर किसानों की आमदनी घटी है। वहीं जेजेपी प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा कभी भी जनभावनाओं के अनुरूप जनता का भला नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा कि चौधरी देवीलाल और पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने सरकार में रहते हुए जन सरोकार से जुड़े अनेक ऐतिहासिक कार्य करके दिखाए थे। बृज शर्मा ने युवाओं से आह्वान किया वे जेजेपी की मजबूती के लिए फील्ड में उतरकर काम करें और आने वाला समय जेजेपी का होगा।

महापुरूषों की जयंती पर समाजसेवा के कार्य ही सच्ची श्रद्धांजली: बुवानीवाला

गुरुग्राम, 28 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब केसरी लाला लाजपत राय सामाजिक चेतना, राष्ट्रभक्ति और आत्मसम्मान के प्रतीक थे। ये उद्गार अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने आज लाला लाजपतराय जयंती अवसर पर समाज की युवा इकाई द्वारा आयोजित विशाल स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर के दौरान अपनी श्रद्धांजली अर्पित करते हुए कहे। शिविर का आयोजन अग्रवाल वैश्य समाज युवा प्रकोष्ठ के साथ रेड क्रॉस सोसायटी, गुरुग्राम तथा फोर्टिस अस्पताल, गुरुग्राम के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। इस मौके पर बुवानीवाला ने कहा कि लाला जी संपूर्ण जीवन देश और समाज के उत्थान के लिए समर्पित रहा। ऐसे महान पुरुष की जयंती पर यदि समाज सेवा के कार्य किए जाएं, तो यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि लाला लाजपत राय ने अपने विचारों और संघर्षों के माध्यम से देशवासियों में जागरूकता पैदा की और अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जन-आंदोलन को नई दिशा दी। उन्होंने समाज को यह सिखाया कि जब तक हम संगठित नहीं होंगे, तब तक किसी भी प्रकार के अन्याय का मुकाबला नहीं कर सकते। आज के समय में भी उनके विचार उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में थे। अशोक बुवानीवाला ने कहा कि अग्रवाल वैश्य समाज हमेशा से राष्ट्रनिर्माण, समाजसेवा और जनकल्याण के कार्यों में अग्रणी रहा है। समाज का यह दायित्व है कि वह केवल व्यापार या आर्थिक गतिविधियों तक सीमित न रहकर सामाजिक जिम्मेदारियों का भी पूरी निष्ठा से निर्वहन करे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई एचपीडब्ल्यूसी बैठक

127.87 करोड़ की शहरी अवसंरचना परियोजनाओं को मिली मंज़ूरी

चंडीगढ़, 28 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में बुधवार को हरियाणा निवास में शहरी स्थानीय निकाय विभाग की हाई-पावर्ड वर्क्स कमेटी (एचपीडब्ल्यूसी) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान, प्रदेशभर में प्रमुख शहरी अवसंरचना और विकास परियोजनाओं से संबंधित प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल भी मौजूद रहे। बैठक में कुल लगभग 136.64 करोड़ रुपये की 3 निविदाओं पर विचार किया गया, जबकि चौथी

परियोजना के लिए पुनः निविदा आमंत्रित करने के निर्देश दिए गए। इन तीनों निविदाओं में बोलीदाताओं के साथ विस्तृत बातचीत के उपरांत कार्यों की लागत लगभग 127.87 करोड़ रुपये निर्धारित की गई, जिससे इस पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से लगभग 8.77 करोड़ रुपये की बचत सुनिश्चित हुई। मंज़ूर की गई परियोजनाओं में अमृत योजना के तहत फरीदाबाद शहर में नागरिक सुविधाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी वाले क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति प्रणाली प्रदान करने के लिए निविदा और अंबाला शहर नगर निगम में सड़कों की मशीनीकृत और मैनुअल सफाई का काम शामिल है, जिसका उद्देश्य सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करना और शहरी स्वच्छता में सुधार करना है। इसके अलावा, बैठक में गुरुग्राम में माता शीतला देवी मंदिर परिसर के पुनर्विकास के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं, इलेक्ट्रिकल, एचवीएसी और अग्निशमन प्रणालियों से संबंधित शेष कार्यों को भी मंज़ूरी दी गई। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने परियोजनाओं को समय पर पूरा करने और गुणवत्ता मानकों का सख्ती से पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शहरी बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने, सेवा वितरण को अधिक प्रभावी बनाने और सार्वजनिक कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

म्युनिसिपल चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से हों, पूरे इंतजाम किए जाएं : के. हरिता

28 से 30 तक नामांकन, 11 फरवरी को मतदान

आसिफाबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला निर्वाचन अधिकारी व कलेक्टर के. हरिता ने कहा कि जिले में दूसरे आम म्युनिसिपल चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पूरे इंतजाम किए जा रहे हैं। बुधवार को इंटीग्रेटेड डिस्ट्रिक्ट कलेक्ट्रेट कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी नितिका पंत, एडिशनल कलेक्टर (लोकल बॉडीज) दीपक तिवारी व आसिफाबाद आरएमओ लोकेश्वर राव मौजूद रहे।

कलेक्टर ने बताया कि 28 से 30 जनवरी तक नामांकन लिए जाएंगे, 31 को स्क्रूटनी, 1 फरवरी को आपत्तियां, 2 को आपत्तियों का निपटारा, 3 को नाम वापसी के बाद अंतिम सूची जारी होगी। 9 फरवरी शाम 5 बजे से प्रचार बंद, 11 को मतदान व 13 को मतगणना होगी। आसिफाबाद म्युनिसिपैलिटी में 20 वार्डों के लिए 28 व कागजनगर में 30 वार्डों के लिए 85 पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं।प्रत्येक म्युनिसिपैलिटी में 2 स्टैटिस्टिकल व 1 फ्लाइंग सर्विलांस टीम तैनात हैं। कंट्रोल रूम (8500844365) 24 घंटे सक्रिय रहेगा। पोलिंग सेंटरों पर वेबकास्टिंग, नामांकन पर वीडियोग्राफी व अन्य जरूरी इंतजाम हो चुके हैं।एसपी नितिका पंत ने कहा कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हैं। 30 पुलिस एक्ट लागू, संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च, नामांकन पर सशस्त्र सुरक्षा, रैलियों के लिए 48 घंटे पहले अनुमति अनिवार्य। लाइसेंसी हथियार जमा करें (संपर्क: 8712670505)।प्रेस कॉन्फ्रेंस में निर्वाचन विभाग के अधिकारी व पत्रकार उपस्थित रहे।

अजितदादा पवार के निधन से महाराष्ट्र राजनीति में अपूरणीय क्षति : भीमराव केराम

किनवट, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजितदादा पवार के आकस्मिक निधन से राज्य की राजनीति में अपूरणीय क्षति हुई है। किनवट-माहूर विधायक भीमराव केराम ने गहन शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वे महाराष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित दूरदर्शी नेता थे।

विधायक केराम ने अजितदादा की अनुशासनपूर्ण कार्यशैली, निर्णय क्षमता व जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता की सराहना की। किनवट-माहूर क्षेत्र के सड़क, जलापूर्ति, सिंचाई, शिक्षा व स्वास्थ्य विकास कार्यों में उनके सहयोग को स्मरण किया।

उन्होंने कहा कि अजितदादा सभी को साथ लेकर निर्णय लेते थे, इसलिए जनहृदय में सदैव सम्मानित रहेंगे। विधायक ने दिवंगत आत्मा की सदगति व परिजनों को दुःख सहने की शक्ति की प्रार्थना की।

वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करें

चारे के लिए वन भूमि पर खेती व बिजली जोखिम रोकने के निर्देश

आसिफाबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर के. हरिता ने वन्यजीवों को किसी भी प्रकार का नुकसान न पहुंचे, इसके लिए सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए। बुधवार को जिला वन विभाग की बैठक में एसएसपी नितिका पंत, वन अधिकारी नीरज कुमार, एडिशनल कलेक्टर दीपक तिवारी, आरएमओ लोकेश्वर राव व कागजनगर डिवीजनल वन अधिकारी अप्पिया उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहा कि चारे के लिए जंगल में मवेशियों के जाने से हमले हो रहे हैं। वानिकी, ग्रामीण विकास व पशुपालन विभाग वन भूमि पर चारा खेती करें। बिजली तारों से किसानों व वन्यजीवों की मौत रोकने हेतु वैकल्पिक व्यवस्था हो।

जिले का 54% क्षेत्र वनों से आच्छादित है, इसकी सुरक्षा सर्वोपरि। बंदरों के डर के बिना उपाय अपनाएं। वन अधिकारी ने वन्यजीव अधिनियम पर प्रेजेंटेशन दिया। तहसीलदार व वन रेंज अधिकारी भी शामिल हुए।

दधिमथी माता का प्राकट्योत्सव धूमधाम से मनाया

निजामाबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। दाधीच सेवा समिति निजामाबाद ईन्दूर द्वारा स्थानीय श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में दाधीच ब्राह्मण समाज की कुलदेवी दधिमथी माता का प्राकट्योत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया।

समिति के अध्यक्ष रमेश आसोपा ने बताया कि सर्वप्रथम महिला मंडली द्वारा दधिमथी माता का मंगलपाठ किया गया, उसके बाद भजन-कीर्तन व आरती हुई तथा प्रसाद वितरण किया गया।

अवसर पर राजस्थानी शिक्षा समिति ईन्दूर के चुनाव में उपाध्यक्ष पद पर विजयी नरेश तिवारी तथा कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सर्वसम्मति से चयनित नितिन दायमा का समाज अध्यक्ष रमेश आसोपा व बन्टी शर्मा द्वारा सम्मान किया गया।

इस आयोजन में समाज की महिलाओं, पुरुषों, युवकों व युवतियों ने भारी संख्या में भाग लेकर मातेश्वरी महारानी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

संपूर्णता अभियान-2.0 पर तेजी से प्रगति हो : सुब्रह्मण्यम

आसिफाबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नीति आयोग के सीईओ श्री सुब्रह्मण्यम ने संपूर्णता अभियान-2.0 के मुद्दों पर तेज प्रगति पर जोर दिया। नई दिल्ली से वर्चुअल मोड में आयोजित लॉन्च कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 28 जनवरी से 14 अप्रैल तक जिला-प्रखंड अधिकारी शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, ग्रामीण विकास, महिला-बाल कल्याण व सुदूर क्षेत्रों में इंटरनेट विस्तार पर विशेष ध्यान दें। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, विधायकों व सांसदों को इसमें भागीदार बनाएं।कलेक्टर के. हरिता ने कलेक्ट्रेट से वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। उन्होंने बताया कि तरियानी प्रखंड के लिए जिला अधिकारियों के साथ बैठक कर शिक्षा, चिकित्सा, महिला-बाल कल्याण, ग्रामीण विकास व कृषि विभागों की प्रगति पर निर्देश दिए गए। अभियान आकांक्षी ब्लॉक-जिला स्तर पर जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से चलेगा।कार्यक्रम में बाल कल्याण अधिकारी औदेपु भास्कर, डीपीएम रामकृष्ण, जिला समन्वयक बलाराजू सहित अन्य उपस्थित रहे।

नगर पालिका चुनाव: नामांकन पर कलेक्टर के सख्त निर्देश

30 जनवरी तक पारदर्शिता बरतें, समय का पालन अनिवार्य

मंचेरियाल, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला निर्वाचन अधिकारी व कलेक्टर कुमार दीपक ने दूसरे सामान्य नगर पालिका चुनाव के नामांकन प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता से चलाने के सख्त निर्देश दिए हैं। बुधवार को चेन्नूर नगर पालिका के कम्युनिटी हॉल में नामांकन केंद्र का निरीक्षण किया।

विशेष अधिकारी किशन, नगर आयुक्त मुरलीकृष्ण व सीआई बंसीलाल साथ थे। कलेक्टर ने बताया कि 30 जनवरी शाम 5 बजे तक चेन्नूर के 18 वार्डों के नामांकन स्वीकार होंगे। निर्धारित समय के बाद कोई नामांकन नहीं लिया जाएगा। केंद्र पर हेल्प डेस्क व 100 मीटर दायरे में आचार संहिता का कड़ाई से पालन होगा।

चुनाव कार्यक्रम: 31 को स्क्रूटनी, 1 फरवरी को आपत्तियां, 2 को निस्तारण, 3 को नाम वापसी व अंतिम सूची। 11 फरवरी को मतदान व 13 को मतगणना होगी। कंट्रोल रूम (08736-250501) पर शिकायतें दर्ज करें, गोपनीयता बरती जाएगी।

संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजपूत समाज द्वारा चामुंडा माताजी मंदिर का 14वां वार्षिकोत्सव भव्य रूप से संपन्न

भक्ति, परंपरा और सामाजिक एकता का अनुपम संगम

बेंगलुरु/आसिफाबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजपूत समाज कर्नाटक (पंजीकृत) के तत्वावधान में राणासिंग पैठ स्थित श्री चामुंडा माताजी मंदिर का 14वां वार्षिकोत्सव बुधवार को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। बेंगलुरु व आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों समाजजन सपरिवार पहुंचे, जिसने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

प्रातः 10:30 बजे वैदिक मंत्रोच्चार, गणेश वंदना और मंगलाचरण से शुभारंभ हुआ। इसके बाद माताजी की विशेष पूजा-अर्चना, पंचामृत अभिषेक, हवन-यज्ञ किए गए। दोपहर में भव्य महाआरती हुई, जिसमें जयकारों, शंखनाद और घंटाध्वनि से परिसर गूंज उठा। मंदिर को फूलों, विद्युत सज्जा और ध्वजों से सजाया गया था।

पदाधिकारियों ने कहा कि यह मंदिर समाज की आस्था और एकता का केंद्र है। विगत 14 वर्षों से यह धार्मिक-सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है। युवाओं को संस्कारों से जोड़ने और सेवा भाव अपनाने का संदेश दिया गया।

समापन पर चढ़ावे के लाभार्थियों का सम्मान किया गया तथा महाप्रसाद वितरित हुआ। श्रद्धालुओं ने आयोजन की सराहना की और भविष्य में ऐसे उत्सवों की कामना की।

बालाजी नगर में ड्रेनेज साफ न होने से सड़कों पर गंदा पानी

युवा नेता बैर शेट्टी रवि का सड़क पर धरना

कागजनगर, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर गोलावाड़ा में ड्रेनेज सिस्टम की उचित सफाई न होने से गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। तेज बदबू व मच्छरों से बच्चे, बुजुर्ग व महिलाएं सबसे अधिक परेशान हैं। स्थानीय लोग बीमारियों के खतरे की चिंता जता रहे हैं।इस लापरवाही के विरोध में युवा नेता बैर शेट्टी रवि ने ग्रामीणों संग सड़क पर धरना दिया। उन्होंने कहा कि बार-बार शिकायत के बावजूद अधिकारियों ने ध्यान न दिया, इसलिए आंदोलन करना पड़ा। तुरंत समाधान न होने पर हटने से इंकार कर दिया।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर समझाया। नगर निगम को सूचना देने व शीघ्र समाधान का आश्वासन मिलने पर प्रदर्शन थमा। स्थानीय लोग त्वरित सफाई की मांग कर रहे हैं व चेतावनी दी कि लापरवाही जारी रही तो आंदोलन तेज होगा।

नगर निगम चुनाव: एसपी ने नामांकन व वितरण केंद्रों का सुरक्षा निरीक्षण किया

चेकपोस्ट पर सतर्कता बरतने के निर्देश

कुमरामभीम-आसिफाबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला एसपी नितिका पंत ने नगर निगम चुनाव के नामांकन प्रक्रिया शुरू होने पर कागजनगर नगर निगम कार्यालय में नामांकन केंद्र, डीएवी पब्लिक स्कूल में वितरण केंद्र व काउंटिंग सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने नामांकन केंद्र पर मजबूत पुलिस सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।एसपी ने अधिकारियों को नामांकन केंद्र के 100 मीटर दायरे में सतर्कता बरतने व संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने को कहा। किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम करने पर जोर दिया।इसके बाद कागजनगर सीमा में बटपल्ली एक्स रोड व विनय गार्डन के पास कृषि चेकपोस्ट का दौरा किया। पुलिस कर्मियों को सतर्क ड्यूटी निभाने व आचार संहिता उल्लंघन रोकने की हिदायत दी।निरीक्षण में स्पेशल ब्रांच इंस्पेक्टर सतीश, कागजनगर टाउन इंस्पेक्टर प्रेम कुमार, रूरल इंस्पेक्टर कुमारस्वामी सहित अन्य उपस्थित रहे।

सिंगरेनी बंद खदानों के पास विकास कार्यक्रम चलाएं : किशन रेड्डी

25% फंड से गांवों में बुनियादी सुविधाएं प्रदान करें

आसिफाबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय कोयला व खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सिंगरेनी बंद खदानों के आसपास के गांवों में सामाजिक विकास कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए। नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंस में क्लोजर माइंस-2025 की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने 25% फंड सामाजिक जिम्मेदारी के तहत खर्च करने पर जोर दिया।मंत्री ने कलेक्टरों व सिंगरेनी अधिकारियों के समन्वय से योजनाएं बनाने को कहा। आरओ प्लांट, बोरवेल, स्वच्छता, सीवरेज, स्कूल भवन, स्वास्थ्य केंद्र, कौशल प्रशिक्षण केंद्र, वृक्षारोपण व स्याही कुएं जैसे कार्य प्राथमिकता में हों।कलेक्टर के. हरिता, एडिशनल कलेक्टर (राजस्व) डेविड व गोलेटी क्षेत्र महाप्रबंधक विजया भास्कर ने कलेक्ट्रेट एनआईसी स्टूडियो से भाग लिया। कलेक्टर ने गोलेटी क्षेत्र में प्रभावित गांवों के लिए बुनियादी ढांचा विकास की गतिविधियां शुरू करने का आश्वासन दिया।सामाजिक वन अधिकारी सी.एच. हरीश, जूनियर एस्टेट ऑफिसर रजनीकांत सहित अन्य उपस्थित रहे।

नगर निगम टिकटों पर दुविधा में कांग्रेस कार्यकर्ता

संजय कुमार व जीवन रेड्डी के समर्थक आमने-सामने

मंचेरियाल, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगतियाल नगर निगम चुनाव में टिकट वितरण को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता दुविधा में हैं। स्थानीय विधायक डॉ. संजय कुमार व वरिष्ठ नेता टी. जीवन रेड्डी के बीच मतभेद से पार्टी में दरार गहरा गई है।2024 में बीआरएस छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए संजय कुमार के दोबारा विधायक चुने जाने से उनके समर्थक मजबूत हैं, वहीं जीवन रेड्डी को जिले में लंबे समय का राजनीतिक अनुभव है। दोनों अपने समर्थकों के लिए टिकट की होड़ में हैं।जीवन रेड्डी ने कहा कि टिकट पिछले 10 वर्षों से पार्टी के लिए काम करने वालों को मिलें। विधायक का नाम लिए बिना उन्होंने पार्टी मामलों में हस्तक्षेप न करने की चेतावनी दी। संजय कुमार भी समर्थकों के योगदान का हवाला देकर दावा ठोंक रहे हैं।इस अनिश्चितता से कार्यकर्ता परेशान हैं। विपक्षी बीआरएस व भाजपा इसका फायदा उठाने को बेताब हैं। पिछले चुनाव में बीआरएस ने कब्जा किया था, जबकि भाजपा बहुमत की फिराक में है।

मेडाराम जतारा के लिए टीएसआरटीसी की 369 विशेष बसें

आसिफाबाद से मेडाराम का किराया 590 रुपये

मंचेरियाल, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सम्मक्का-सरलम्मा जतारा जाने वाले भक्तों की सुविधा के लिए टीएसआरटीसी मंचेरियाल व कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों से मेडाराम तक 25 जनवरी से 1 फरवरी तक 369 विशेष बसें चला रही है।

अधिकारियों ने बताया कि छह प्रमुख स्थानों से ये बसें संचालित हो रही हैं।

मंचेरियाल से 115, बेल्लमपल्ली से 79, चेन्नूर से 70, मंदामरी से 50, श्रीरामपुर से 45 व आसिफाबाद से 10 बसें आवंटित हैं। 2024 में 365, 2022 में 320 व 2020 में 304 बसें चली थीं।

किराया: आसिफाबाद-मेडाराम 590 रुपये, बेल्लमपल्ली 520, मंचेरियाल 440 व मंदामरी 470 रुपये। आदिलाबाद क्षेत्रीय प्रबंधक भवानी प्रसाद ने भक्तों से इस सुविधा का उपयोग करने का आह्वान किया।

बैंक कर्मी पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग को लेकर प्रदर्शनश

मंचेरियाल, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीयकृत बैंकों के कर्मचारियों व अधिकारियों ने केंद्र सरकार से लंबित पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग की।

मंगलवार को यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के बुलावे पर राष्ट्रव्यापी विरोध के तहत रैली निकाली गई।

एसबीआई स्टाफ यूनियन हैदराबाद सर्कल के मंचेरियाल क्षेत्र सचिव कोक्कुला शीनिवास ने कहा कि मार्च 2024 में इंडियन बैंक्स एसोसिएशन से सहमति बनी थी, लेकिन अभी तक अमल नहीं हुआ। डिजिटलीकरण, कार्यभार लक्ष्य व कर्मचारी कमी से मानसिक-शारीरिक तनाव बढ़ रहा है।

कर्मचारियों ने शीघ्र मांग पूरी करने का आग्रह किया।

प्रमुख व्यापारी कैलाश सत्यनारायण काकाणी का निधन

मदनूर, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंडल केंद्र मारवाड़ी गली के प्रमुख व्यापारी कैलाश सत्यनारायण काकानी का बुधवार दोपहर निधन हो गया। वे स्वर्गीय सत्यनारायण काकानी के पुत्र थे।उनके निधन से स्थानीय व्यापारिक समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों व समाजजनों ने गहन शोक व्यक्त किया।अंतिम संस्कार गुरुवार सुबह 11:30 बजे राजस्थान समाज वैकुंठ धाम में होगा। वे पत्नी, भाभी, माता, भाइयों गोविंद प्रसाद, रामदेव, राजेश, भतीजों नटवर, नितेश, शुभम, श्याम, पुत्र सिद्धु व समस्त काकानी परिवार को छोड़ गए।

गुजरात के खिलाफ जुझारू पारी के बाद बोलीं निकी प्रसाद– ये परिस्थितियां मेरे लिए सीखने के पल हैं

वडोदरा, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

जेएसडब्ल्यू और जीएमआर की सह-मालिकाना हक वाली दिल्ली कैपिटल्स महिला टीम मंगलवार को बीसीए स्टेडियम, कोटांबी में खेले गए विमेंस प्रीमियर लीग 2026 के एक रोमांचक मुकाबले में गुजरात जायंट्स के खिलाफ तीन रन से हार गई। 175 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 171 रन ही बना सकी।

इस मुकाबले में 20 वर्षीय युवा बल्लेबाज़ निकी प्रसाद ने दबाव भरी स्थिति में शानदार जुझारूपन दिखाया। टीम के 100 रन पर 6 विकेट गिर जाने के बाद मैदान पर उतरीं निकी ने मात्र 25 गेंदों में 47 रनों की निडर पारी खेली। उन्होंने स्नेह राणा के साथ सिर्फ 31 गेंदों में 70 रनों की अहम साझेदारी कर मैच को आखिरी ओवर तक पहुंचाया। हालांकि अंतिम ओवर में सोफी डिवाइन ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए आठ रनों का बचाव किया और गुजरात जायंट्स को जीत दिलाई।

इससे पहले गुजरात जायंट्स ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 174 रन बनाए। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से श्रेया चरणी सबसे प्रभावशाली गेंदबाज़ रहीं, जिन्होंने 31 रन देकर 4 विकेट झटके और मध्य ओवरों में रन गति पर काफी हद तक लगाम लगाई।

मैच के बाद अपनी पारी पर बात करते हुए निकी प्रसाद ने कहा, जब मैं बल्लेबाज़ी करने आई, तब स्थिति काफी मुश्किल थी। लेकिन मेरे दिमाग में साफ था कि अगर मैं क्रीज़ पर टिके रहूं और रन गति बनाए रखूं, तो हम मैच में बने रह सकते हैं। स्नेह के आते ही जिस तरह उन्होंने चौके लगाए, उससे मेरा आत्मविश्वास और बढ़ गया। हम दोनों की कोशिश 12 रन प्रति ओवर की रफ्तार बनाए रखने की थी।

अपनी बल्लेबाज़ी रणनीति पर बोलते हुए निकी ने कहा, हमने जल्दी समझ लिया था कि गेंदबाज़ थोड़ी धीमी और छोटी गेंदें कर रहे हैं, इसलिए मैंने गैप्स में खेलने और हवा में शाट लगाने की कोशिश की। जैसे ही गेंद ज़मीन पर लगती थी, वह तेजी से बाउंड्री की ओर जा रही थी।

करीबी हार पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, इतने करीब आकर हारना निराशाजनक है, लेकिन मेरे लिए ये परिस्थितियां सीखने के पल हैं। मैं और मेहनत करूंगी ताकि अगली बार ऐसी स्थिति में टीम को जीत दिला सकूं।

दिल्ली कैपिटल्स अपना आखिरी लीग मुकाबला 1 फरवरी को यूपी वारियर्स के खिलाफ खेलेगी।

न्यूज ब्रीफ

पामेला के मार्गदर्शन में उतरेगी भारतीय अंडर-17 महिला फुटबाल टीम

नई दिल्ली। भारतीय महिला अंडर–17 महिला फुटबाल टीम मुख्य कोच पामेला कोंटी के मार्गदर्शन में 1 से 12 मार्च तक आस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी एशियाई कप में उतरेगी। इसके बाद एएफसी महिला अंडर–17 एशियाई कप 30 अप्रैल से 17 मई तक चीन में खेला जाएगा। पामेला इटली की पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रही हैं और कोच के तौर पर उनकी पहली परीक्षा टूर्नामेंट सैफ अंडर–17 महिला चैंपियनशिप 2026 होगा जो 31 जनवरी से सात फरवरी तक नेपाल के पोखरा में आयोजित होगा। फुटबाल महासंघ ने कहा है कि पामेला अंडर–17 महिला टीम के महाद्वीपीय टूर्नामेंट की तैयारी के ट्रेनिंग शिविर में शामिल हो गई हैं। ये टूर्नामेंट आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में खेला जा रहा है। कोंटी के सहायक स्टाफ के रूप में उनके भाई विंसेंजो कोंटी सहायक कोच के तौर पर रहेंगे। वहीं निवेथा रामदोस सहायक कोच के तौर रहेंगी।इटली की पूर्व अंतरराष्ट्रीय मिडफील्डर पामेला के को खेल ओर कोचिंग का अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव का है। अपने शानदार करियर के दौरान उन्होंने इटली महिला राष्ट्रीय टीम के लिए 90 मैच खेले और 30 गोल किए है। उन्होंने 2005 और 2009 यूएफा महिला यूरोपीय चैंपियनशिप सहित यूरोप के उच्चतम स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व किया है। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने पामेला के अलावा कोस्टा रिका की एमेलिया वाल्वर्डे को सीनियर महिला टीम का मेंटोर बनाया है।

कोग्नीवेरा कप 2026: जिंदल बेदला ने चांदना पोलो को 9.5-5 से हराया

जयपुर। कोग्नीवेरा कप 2026 के तहत जयपुर में बुधवार को खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में जिंदल बेदला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चांदना पोलो को 9.5–5 से पराजित किया। इस जीत के साथ जिंदल बेदला ने मौजूदा सत्र में अपनी विजयी लय को और मजबूत किया। हैंडिकैप नियम के तहत जिंदल बेदला ने मैच की शुरुआत 0.5 अंक की बढ़त के साथ की। शुरुआती चक्कर में दोनों टीमों ने तेज़ खेल दिखाते हुए एक–दूसरे की रक्षा पंक्तियों को भेदने की कोशिश की। हालांकि, जल्द ही जिंदल बेदला ने मैच पर पकड़ बना ली। सिद्धांत शर्मा और राव हिम्मत सिंह बेदला के बेहतरीन खेल की बदौलत जिंदल बेदला ने दूसरे चक्कर के अंत तक मजबूत बढ़त हासिल कर ली। सिद्धांत शर्मा ने लगातार तीन गोल दागते हुए टीम की बढ़त को 3.5 गोल तक पहुंचाया। दूसरे चक्कर के अंत में स्कोर 6.5–3 जिंदल बेदला के पक्ष में रहा। अंतिम चक्कर में भी जिंदल बेदला का दबदबा बरकरार रहा। सिद्धांत शर्मा ने दो और गोल करते हुए मुकाबले को पूरी तरह अपनी टीम के पक्ष में मोड़ दिया और किसी भी संभावित उलटफेर की गुंजाइश नहीं छोड़ी। मैच में सिद्धांत शर्मा ने कुल छह गोल किए, जबकि राव हिम्मत सिंह बेदला ने दो गोल दागे। सिमरन शेरगिल ने भी एक गोल कर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। यह जीत हाल ही में राजमाता गायत्री देवी मेमोरियल कप में मिली सफलता के बाद आई है, जिससे साफ है कि इस सत्र में जयपुर पोलो सर्किट में जिंदल बेदला सबसे मजबूत टीम के रूप में उभर रही है।

टी20 विश्चकप में आईपीएल के अनुभवों का लाभ मिलेगा : रिकेल्टन

केप टाउन। टी20 विश्वकप के लिए दक्षिण अफ्रीका टीम में शामिल बल्लेबाज रयान रिकेल्टन के अनुसार भारत में खेले आईपीएल के अनुभवों का लाभ उन्हें इस आईसीसी टूर्नामेंट में मिलेगा। रिकेल्टन और ट्रिस्टन स्टब्स को क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने टोनी डी जोरजी और डोनोवन फरेरा के फिट नहीं होने के कारण टी20 विश्वकप के लिए टीम में शामिल किया है। रिकेल्टन ने मई 2024 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना पहला टी20 खेला था। इसके बाद से ही उन्होंने 18 मैचों में दो अर्धशतक के साथ ही 381 रन बनाए हैं। रिकेल्टन 2024 टी20 विश्वकप के लिए भी टीम में शामिल थे। इस खिलाड़ी ने सला 2025 सत्र में पहली बार आईपीएल खेला था। इस बल्लेबाज मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए हुए 14 मैचों में तीन अर्धशतक के साथ ही 388 रन बनाए हैं। रिकेल्टन ने कहा कि उन्हें टी20 विश्वकप से पहले अपने खेलने के अंदाज पर फिर विचार करना पड़ेगा क्योंकि उपमहाद्वीप के हालात अलग होते हैं। भारत में अब तक खेले दो एकदिवसीय में वह असफल रहे हैं पर पाकिस्तान में चैंपियंस ट्राफी में उन्होंने शतक बनाया था। रिकेल्टन ने कहा, मुझे अपने आईपीएल अनुभव पर थोड़ा और भरोसा करना होगा। मैं भारत में अधिकतर मैदानों में खेला हूं और इसका लाभ भी मुझे मिलेगा। उन्होंने हालांकि कहा कि आईसीसी इवेंट्स में हालात अलग होते हैं। भारत में खेला का खासा जुनून रहता है। ऐसे में वह खेलना आसान नहीं होता है।

चौथे टी20 में भारतीय टीम को मिली शिकस्त, शिवम दुबे की मेहनत पर फिरा पानी, 3–1 पर पहुंची सीरीज

विशाखापत्तनम, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड ने भारत को चौथे टी20 मुकाबले में 50 रन से हरा दिया। मौजूदा सीरीज में यह मेहमानों की पहली जीत है। इससे पहले टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को शुरुआती तीनों मुकाबलों में मात देकर सीरीज अपने नाम की। बुधवार को विशाखापत्तनम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने टिम सीफर्ट की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 215 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 18.4 ओवर में 165 रन ही बना पाई और ऑलआउट हो गई। उनके लिए शिवम दुबे ने 65 रनों की दमदार पारी खेली। इस मुकाबले के बाद अब यह सीरीज 3–1 पर पहुंच गई है।216 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पारी की पहली ही गेंद पर अभिषेक शर्मा आउट हो गए और इसके तुरंत बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव भी सस्ते में पवेलियन लौट गए। शुरुआती झटकों से भारत दबाव में आ गया। इसके बाद रिंकू सिंह और संजू सैमसन ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन दोनों बल्लेबाज रन गति बढ़ाने में सफल नहीं हो पाए। रिंकू 39 रन बनाकर एलबीडब्ल्यू आउट हुए, जबकि सैमसन 24 रन बनाकर क्लीन बोल्ड हो गए। हार्दिक पांड्या भी कोई खास योगदान नहीं दे सके और भारत 11 ओवर में 82/5 के स्कोर पर पहुंच गया।ऐसे मुश्किल समय में शिवम दुबे ने एक छोर संभालते हुए आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा और खासतौर पर लेग स्पिनर ईश सोढ़ी के एक ओवर में 29 रन बटोरकर मैच में जान फूंक दी। दुबे ने मात्र 15 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और 23 गेंदों में 65 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें सात छक्के शामिल थे। इस दौरान उन्हें डीआरएस के जरिए एक जीवनदान भी मिला, जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया।

हालांकि, दूसरे छोर से उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। हर्षित राणा के साथ छठे विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी हुई, लेकिन राणा का योगदान सीमित रहा। दुर्भाग्यपूर्ण रनआउट में दुबे के आउट होते ही भारत की उम्मीदें भी खत्म हो गईं। पूरी टीम 18.4 ओवर में 165 रन पर ऑलआउट हो गई और भारत को 50 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बावजूद भारत सीरीज में 3–1 से आगे है।

न्यूजीलैंड की पारी

इससे पहले, न्यूजीलैंड की टीम ने आक्रामक शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट और डेवोन कॉनवे ने भारतीय गेंदबाजों पर शुरू से ही दबाव बनाया। सीफर्ट ने पारी के पहले ही ओवरों में आक्रामक रुख अपनाया और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के एक ओवर में लगातार तीन चौके जड़ दिए। इसके बाद उन्होंने हर्षित राणा और जसप्रीत बुमराह के खिलाफ भी बेहतरीन शॉट लगाए। न्यूजीलैंड ने मात्र चार ओवर में 50 रन पूरे कर लिए और पावरप्ले के अंत तक बिना विकेट गंवाए 71 रन बना लिए।सीफर्ट ने 36 गेंदों में 62 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल थे। दूसरे छोर पर कॉनवे ने शुरुआत में संभलकर खेला लेकिन बाद में रवि बिश्नोई के एक ओवर में चौका और छक्का लगाकर रफ्तार पकड़ी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी हुई। हालांकि, इस साझेदारी को कुलदीप यादव ने तोड़ा जब कॉनवे 44 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने मध्य ओवरों में वापसी की और नियमित अंतराल पर विकेट चटकाए, जिससे न्यूजीलैंड की पारी थोड़ी लड़खड़ा गई।मध्यक्रम में विकेट गिरने के बावजूद डेरिल मिचेल ने अंत के ओवरों में जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने 18 गेंदों में नाबाद 39 रन बनाए और डेथ ओवरों में अहम छक्के लगाकर टीम को 200 के पार पहुंचाया। न्यूजीलैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 215 रन बनाए, जो भारत के सामने एक बड़ा लक्ष्य था।

आस्ट्रेलियन ओपन : रयबाकिना ने स्वियातेक को चौंकाया सेमीफाइनल में बनाई जगह

मेलबर्न, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

पांचवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना ने बुधवार को आस्ट्रेलियन ओपन 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने क्वार्टरफाइनल मुकाबले में छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1से शिकस्त दी।

मेलबर्न पार्क में खेले गए इस मुकाबले में पहला सेट कड़ा रहा, लेकिन दूसरे सेट में रयबाकिना ने पूरी तरह दबदबा बनाते हुए जीत अपने नाम की। 28 वर्षीय रयबाकिना पहली बार आस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने की दौड़ में हैं और अब सेमीफाइनल में उनका सामना जेसिका पेगुला या अमांडा अनीसिमोवा से होगा।

मैच के बाद रयबाकिना ने कहा

इस जीत से बहुत खुश हूं। हम एक–दूसरे के खेल को अच्छी तरह जानते हैं और मेरी कोशिश आक्रामक बने रहने की थी। पहले सेट में हम दोनों की पहली सर्विस ज्यादा प्रभावी नहीं थी, इसलिए हम दूसरी सर्विस पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे थे। दूसरे सेट में मैंने ज्यादा खुलकर खेला, सर्विस बेहतर रही और यही फर्क पड़ा। मैच की शुरुआत स्वियातेक ने तेज़ की और पहले ही गेम में रयबाकिना की सर्विस तोड़ दी, लेकिन वह इस बढ़त को कायम नहीं रख सकीं और तुरंत ही ब्रेक वापस गंवा बैठीं। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बचाए रखीं। पहले सेट के अंतिम गेम में स्वियातेक की एक बड़ी चूक का फायदा उठाते हुए रयबाकिना ने सेट अपने नाम कर लिया, जिसे जीतने में करीब एक घंटा लगा। दूसरे सेट में रयबाकिना ने स्वियातेक की सर्विस से जुड़ी परेशानियों का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने तेज़ और सटीक फोरहैंड विनर लगाकर ब्रेक हासिल किया। सेट के अंतिम हिस्से में एक करीबी लाइन काल को लेकर स्वियातेक असहज नजर आईं, जिसका फायदा उठाते हुए रयबाकिना ने एक और ब्रेक लिया और आराम से सर्विस होल्ड कर मुकाबला जीत लिया। इस शानदार जीत के साथ एलेना रयबाकिना ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है और अब उनकी नजर फाइनल में प्रवेश करने पर होगी।

बिटोआ बैडमिंटन : धर्मेश यशलहा और मिहिर रतजन्कर की जोड़ी सेमीफाइनल में

लोनावला/इन्दौर । महाराष्ट्र के लोनावला में आयोजित बैडमिंटन इंडिया टेक्निकल आफिशियल्स एसोसिएशन (बिटोआ) के वार्षिक अधिवेशन के अंतर्गत खेली जा रही बैडमिंटन स्पर्धा में मध्य प्रदेश के धर्मेश यशलहा और असम के मिहिर रतजन्कर की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए युगल वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। 20 कोर्ट्स वाले अत्याधुनिक बीजेके स्पोर्ट्स सेंटर में खेले गए रोमांचक क्वार्टर फाइनल मुकाबले में धर्मेश और मिहिर की जोड़ी ने महाराष्ट्र के उदय साने और संदीप चौधरी को तीन सेटों के संघर्षपूर्ण मैच में 12–15, 15–14, 15–13 से पराजित किया। इससे पूर्व, इस जोड़ी ने एकतरफा मुकाबले में प्रवीण कुमार मीणा और अंशुल को 15–6, 15–10 से मात दी थी। प्रतियोगिता के अन्य सेमीफाइनल मुकाबलों में प्रदीप सावंत–सचिन भारती और शशांक कुलकर्णी–नीरज गुप्ता की जोड़ियों ने भी अपनी जगह पक्की की है। एकल वर्ग के मुकाबलों में म.प्र. के धर्मेश यशलहा को गुजरात के विनोद कुंजियां से 6–15, 11–15 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, टेबल टेनिस स्पर्धा में भी धर्मेश, झारखंड के शम्भु शरण सहाय से 8–11, 6–11, 7–11 से पराजित हुए।

आईसीसी ने बांग्लादेशी मीडिया को नहीं दी भारत में टी20 विश्वकप मैचों के कवरेज की अनुमति

दुबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अगले माह खेले जाने वाले टी20 विश्वकप के भारत में होने वाले मैचों की कवरेज की अनुमति बांग्लादेशी मीडिया को नहीं है। ऐसे में अब बांग्लादेशी पत्रकार इन मैचों को कवर करने भारत नहीं आ सकेंगे। आईसीसी ने विश्व कप 2026 के भारत में होने वाले मैचों को कवर करने के लिए बांग्लादेशी पत्रकारों के आवेदन को ठुकरा दिया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार आईसीसी अधिकारियों ने कहा है कि बांग्लादेश की सरकार और क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से अपनी टीम को भारत नहीं भेजने की बात कही है। इसी को देखते हुए बांग्लादेशी पत्रकारों के वीजा और एक्रेडिटेशन (अधिमान्यता) आवेदन खारिज कर दिए गए हैं। विश्व कप का आयोजन भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से 7 फरवरी से 6 मार्च तक होगा। आईसीसी के अनुसार जब बांग्लादेशी सरकार भारत को सुरक्षित नहीं मानती है तब कैसे उसके पत्रकारों को प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है।

वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक, कई बांग्लादेशी पत्रकारों ने कहा था कि उन्हे शुरू में 20 और 21 जनवरी को आवेदन मंजूरी वाले ईमेल मिले थे पर बाद में इन्हें रद्द कर दिया गया। वहीं बांग्लादेशी मीडिया कमेटी के चेयरमैन अमजद हुसैन का मानना है कि बांग्लादेश के 130 से 150 पत्रकारों ने अधिमान्यता के लिए आवेदन किया किया था।अमजद ने कहा, सभी बांग्लादेशी पत्रकारों के आवेदन को खारिज कर दिया गया था। इस साल करीब 130 से 150 पत्रकारों ने आवेदन किया था पर किसी को भी अधिमान्यता नहीं मिली।एक वरिष्ठ पत्रकार ने कहा, भले ही कोई टीम नहीं खेल रही हो, आईसीसी एसोसिएट सदस्य देशों के पत्रकारों को अभी भी एक्रेडिटेशन मिल सकता है। अब पत्रकारों के आवेदन रद्द किये जाने से हैरान हूं, और इस फैसले की कड़ी निंदा और विरोध करता हूं।

टी20 विश्वकप में कोई टीम भारत के सामने टिक नहीं पायेगी : इरफान पठान

मेलबर्न, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि इस बार भारतीय टीम अपनी धरती पर होने वाले टी20 विश्कवप को जीतने की प्रबल दावेदार रहेगी। पठान के अनुसार जिस प्रकार के फार्म में भारतीय टीम अभी है उससे कोई भी टीम उसके सामने नहीं टिक पायेगी। पठान ने कहा कि जिस प्रकार भारतीय टीम ने हाल के समय में खेला है और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज पर कब्जा किया है उससे उसके बुलंद हौंसले का अंदाजा लगाया जा सकता है। टीम की बल्लेबाज और गेंदबाजी दोनो ही लाजवाब है। : टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम का आक्रामक प्रदर्शन देखकर ही अन्य टीमें दबाव में आ जाएंगी। भारतीय टीम ने कीवी टीम के खिलाफ जिस प्रकार तेजी से लक्ष्य का पीछा किया है। उसे पता चलता है कि टीम निडर होकर खेल रही है। साथ ही कहा कि जो भी टीम भारतीय टीम के बीच आयेगी वह ध्वस्त हो जाएगी।

साथ ही कहा कि टीम का लक्ष्य अपनी खिताब बरकरार रखना रहेगा। आज तक मेजबानी करने वाली टीमों ने टी20 विश्व कप नहीं जीता है। इसलिए भारतीय टीम इस बार जीत के साथ ही इस मिथ को भी तोड़ देगी। टीम बड़ जीत दर्ज कर विश्वकप में इतिहास रच देगी। पठान ने कहा है कि भारतीय टीम तकरीबन अपराजेय दिख रही है। ऐसी टीम जिसे हराना लगभग असंभव है। पठान ने कहा, इस भारतीय टीम को हराना करीब करीब असंभव सा लग रहा है। उनके खेल को देखकर ऐसा लग रहा है कि जो भी इनके खिलाफ आएगा वो पूरी तरह बिखर जाएगा

न्यूजीलैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज के तीसरे टी20 मैच का उदाहरण देते हुए पठान ने कहा कि जब विकेट गिर जा रहे थे तो भी टीम के आक्रामक अंदाज में बदलाव नहीं आया।

पीसीबी प्रमुख नकवी ने बांग्लादेश को विश्वकप बहिष्कार के लिए भड़काया : राजीव शुक्ला

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को टी20 विश्कवप का बहिष्कार करने के लिए उकसाया था। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने आरोप लगाया है कि इस सब के पीछे पीसीबी प्रमुख मोहसिन नक़वी हैं। नकवी ने ही बीसीबी को भारत में नहीं खेलने के लिए भड़काया था। टी20 विश्वकप 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। बंग्लादेश बोर्ड ने सुरक्षा कारणों से भारत में इस टूर्नामेंट को खेलने से इंकार कर दिया था। जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने उसकी जगह पर स्काटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल कर लिया था। शुक्ला ने कहा कि पीसीबी ने इस मामले में एक प्रकार से साजिश की है। उन्होंने कहा, पीबीबी ने बिना किसी कारण के इस मामले में बांग्लादेश को भड़कायाहै। पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान ने पूर्व में बांग्लादेश के लोगों पर क्या अत्याचार किए हैं और अब वे उन्हें गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, जो पूरी तरह गलत है। शुक्ला ने साफ कहा कि बीसीसीआई चाहती थी कि बांग्लादेश टूर्नामेंट में खेले।

अडाणी समूह और एम्ब्रेयर भारत में क्षेत्रीय विमान निर्माण में करेंगे साझेदारी

भारत में साझेदारी के माध्यम से लागत प्रतिस्पर्धी माहौल तैयार करने की योजना

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

अदाणी समूह और ब्राजील की प्रमुख विमान निर्माता कंपनी एम्ब्रेयर ने मंगलवार को एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह कदम भारत के तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजार में छोटे और मझोले शहरों के हवाई संपर्क को बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया गया है। इस अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी में नागर विमानन मंत्रालय में आयोजित समारोह में सहयोग की घोषणा की गई। नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि यह सहयोग केवल विमानों के संयोजन तक सीमित नहीं है। इसमें प्रगतिशील प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशल विकास, सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला और भारत को क्षेत्रीय विमानों का एक विश्वसनीय विनिर्माण केंद्र बनाने की योजना शामिल है। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस सहयोग के तहत भारत में एक क्षेत्रीय विमान विनिर्माण संयंत्र स्थापित किया जाएगा। दोनों कंपनियां भारत में क्षेत्रीय परिवहन विमानों के लिए एक फाइनल असेंबली लाइन भी स्थापित करेंगी। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के एक अधिकारी ने कहा कि यह कदम देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। एम्ब्रेयर 150 सीट तक के वाणिज्यिक जेट विमानों का निर्माण करती है और भारत में इस साझेदारी के माध्यम से लागत प्रतिस्पर्धी माहौल तैयार करने की योजना है। इस साझेदारी से अदाणी समूह भारतीय विमानन उद्योग में विमान निर्माण के क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है। साथ ही यह एम्ब्रेयर को भारत में अपने क्षेत्रीय विमानों के लिए मजबूत बाजार और उत्पादन क्षमताएँ विकसित करने में मदद करेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, यह कदम भारत के नागर विमानन क्षेत्र में नई तकनीकी संभावनाएँ और क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ावा देने में सहायक होगा।

न्यूज ब्रीफ

आईक्यू 15 आर के भारत लांच की तैयारी 30,000 से 40,000 रुपये के बीच हो सकती हैं कीमत

मुंबई। आईक्यू अपने नए स्मार्टफोन आईक्यू 15 आर के भारत लांच की तैयारी कर रही है। कंपनी ने

आधिकारिक तौर पर टीज़र जारी करके फोन की लांच डेट का खुलासा किया है। आईक्यू 15 आर को 24 फरवरी 2026 को भारत में लांच होगा और आईक्यू 15 आर को एक्सक्लूसिव रूप से अमेजन इंडिया पर उपलब्ध कराया जाएगा। यह फोन मिड-प्रीमियम सेगमेंट में पेश किया जाएगा और कंपनी ने इसकी कीमत लगभग 30,000 से 40,000 रुपये के बीच रखे जाने की संभावना है। टीज़र इमेज से फोन का प्रीमियम लुक सामने आया है। बैक पैनल पर चेकर्ड पैटर्न जैसा फिनिश और साफ-सुथरा, मिनिमल कैमरा मॉड्यूल इस अन्य स्मार्टफोन से अलग बनाता है। फोन का डिजाइन प्रीमियम अनुभव देने के लिए तैयार किया गया है और यूजर्स को गेमिंग, वीडियो और मल्टीटास्किंग के लिए आकर्षित करेगा। रिपोर्ट्स के अनुसार आईक्यू 15 आर में एमलोयड डिस्प्ले मिलेगा, जो 144एचजेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट करेगा। यह हाई रिफ्रेश रेट गेमिंग और वीडियो देखने के अनुभव को बेहतर बनाता है। परफॉर्मेंस के लिए फोन में क्वालकाम स्पैनड्रैगन सीरीज का पावरफुल प्रोसेसर मिल सकता है, जिससे हेवी गेमिंग और मल्टीटास्किंग आसानी से हो सकेगी। बैटरी में आईक्यू 15 आर 7600एमएएच की बड़ी क्षमता के साथ आ सकता है, जिसमें फास्ट चार्जिंग सपोर्ट भी शामिल होगा। कैमरा सेक्शन में फोन में हाई-रिज़ॉल्यूशन प्राइमरी कैमरा, 8मैगापिक्सल अल्ट्रावाइड और 32का फ्रंट कैमरा मिल सकता है। इससे फोटो और वीडियो की क्वालिटी बेहतर होगी और सेल्फी व वीडियो कॉलिंग अनुभव प्रीमियम होगा। कंपनी ने लांच से पहले सभी स्पेसिफिकेशंस का खुलासा नहीं किया है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक आईक्यू 15 आर में दमदार प्रोसेसर, बड़ी बैटरी, हाई रिफ्रेश रेट डिस्प्ले और प्रीमियम डिजाइन मिल सकता है।

यामाहा एक्सएसआर 155 ने लांच होते ही सबसे ज्यादा बिकने वाली मॉडल बन गई

मुंबई। दिसंबर 2025 यामाहा इंडिया के लिए बेहद खास रहा। लंबे इंतजार के बाद लांच हुई यामाहा एक्सएसआर 155 ने बाजार में धमाकेदार एंट्री मारी और लांच माह में ही यामाहा की सबसे ज्यादा बिकने वाली मॉडल बन गई। इस बाइक की वजह से कंपनी की कुल बिक्री में करीब 50 प्रतिशत की ग्रोथ देखने को मिली। दिसंबर 2025 में यामाहा ने भारत में कुल 54,914 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल इसी महीने की 36,780 यूनिट्स से 49.3 प्रतिशत अधिक है। इस ग्रोथ में एक्सएसआर 155 की जबरदस्त डिमांड सबसे बड़ा कारण रही। लांच महीने में ही इस बाइक की 14,951 यूनिट्स बिकीं, जो कुल घरेलू बिक्री का 25 प्रतिशत से ज्यादा है। नियो-रेट्रो स्टाइल, दमदार परफॉर्मेंस और मॉडर्न फीचर्स ने बाइक को युवाओं में तुरंत लोकप्रिय बना दिया। यामाहा के अन्य मॉडल्स का प्रदर्शन भी ठीक-ठाक रहा। स्कूटर ने 14,153 यूनिट्स की बिक्री की और सालाना आधार पर 17.92 प्रतिशत की बढ़त दिखाई। एफजेड सीरीज ने 10,291 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो 20.25 प्रतिशत साल दर साल बढ़त है। यामाहा आर 15 ने 5,453 यूनिट्स की बिक्री की और 27.73 प्रतिशत ग्रोथ दिखाई।

रुपया 11 पैसे चढ़कर 91.57 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई। रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 11 पैसे चढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.57 पर पहुंच

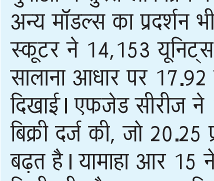

गया। अमेरिकी डॉलर में गिरावट और भारत-यूरोपीय संघ के ऐतिहासिक व्यापार समझौते से रुपये को मजबूती मिली। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर सूचकांक में नरमी और यूरोप के साथ लंबे समय से प्रतीक्षित व्यापारिक समझौता होने से मिली राहत के कारण रुपया मजबूती के साथ खुला। अंतरबैंक विदेशी विनिमय मुद्रा बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.60 पर खुला। फिर कुछ बढ़त हासिल करते हुए 91.57 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 11 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरते हुए 22 पैसे चढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.68 पर बंद हुआ था।

पॉपुलर कार रेनाल्ट डास्टर की बुकिंग शुरू............ डिलीवरी मार्च 2026 से

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय एसयूवी बाजार की पॉपुलर कार रेनाल्ट डास्टर अब 2026 मॉडल में नए अवतार में वापसी कर रही है। लंबे समय से प्रतीक्षित इस एसयूवी की बुकिंग 26 जनवरी 2026 से शुरू हो चुकी है। प्री-बुकिंग कराने वाले ग्राहकों को इंट्रोडक्टरी कीमत और प्राथमिकता के साथ डिलीवरी का फायदा मिलेगा। कंपनी के अनुसार, नॉन-हाइब्रिड वैरिएंट की डिलीवरी मार्च 2026 से शुरू होगी, जबकि हाइब्रिड मॉडल दिवाली 2026 के आस-पास आएगा। नई डास्टर का डिजाइन मस्क्युलर और बॉक्सी है, जो इस असली एसयूवी फील देता है।

इसमें क्लैमशेल स्टाइल फ्लैट बोनट, आइब्रो शेप एलईडी डीआरएसआर, एलईडी हेडलैंप और फॉग लाइट्स, सामने बुल-बार स्टाइल सिल्वर स्किड प्लेट, बड़े 18-इंच अलॉय व्हील्स और 212एमएम का ग्राउंड क्लीयरेंस मिलता है। पैनोरमिक सनरूफ, इलेक्ट्रिक टेलगेट, 700 लीटर का विशाल बूट और अनपेंटेड बॉडी क्लैडिंग इस प्रीमियम और रग्ड लुक देते हैं। हिमालयन मॉटिफ वाला मेटल प्लाक, येलो कॉन्ट्रास्ट एलिमेंट्स और डास्टर ब्रांडिंग छोटे लेकिन खास टच हैं।

इंटीरियर में फ्यूचरिस्टिक डैशबोर्ड, ड्यूल स्क्रीन सेटअप, नया स्टीयरिंग व्हील, लेदरेट और वेंटिलेटेड सीट्स, 6-वे पावर एडजस्टेबल सीट्स, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, गूगल बिल्ट-इन और 360-डिग्री कैमरा शामिल हैं। एडीएएस सेफ्टी फीचर्स के साथ 12 अल्ट्रासोनिक सेंसर इसे सेगमेंट में सबसे सुरक्षित बनाते हैं। इंजन विकल्पों में 1.0रुटर्बो पेट्रोल (100 पीएस), 1.3रुटर्बो पेट्रोल (163 पीएस, 280 एनएम) और हाइब्रिड ई-टेक 160 1.8 एल इंजन शामिल हैं। हाइब्रिड में 1.4 किलोप्रतिघंटा बैटरी और 2 इलेक्ट्रिक मोटर्स के साथ 8-स्पीड डीएचटी गियरबॉक्स मिलता है। रेनाल्ट का दावा है कि हाइब्रिड मोड में यह एसयूवी 80 प्रतिशत ईवी ड्राइव देगी। नई डस्टर सीएमएफ-बी प्लेटफॉर्म पर तैयार की गई है और इसमें 90 प्रतिशत तक भारत-स्पेसिफिक बदलाव किए गए हैं। इसके साथ 7 साल की वारंटी भी मिलती है, जो इसे सेगमेंट में सबसे भरोसेमंद एसयूवी बनाती है।

रिकॉर्ड लिक्विडिटी के बावजूद ब्याज दरों में सीमित नरमी रही: एसबीआई रिसर्च

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष में अब तक रिकॉर्ड स्तर पर लिक्विडिटी डाली है, इसके बावजूद बाजार में ब्याज दरों में अपेक्षित गिरावट देखने को नहीं मिली है। यह बात एसबीआई रिसर्च की ताजा रिपोर्ट में कही गई है। रिपोर्ट के अनुसार आरबीआई ने इस वित्त वर्ष में करीब 5.5 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध लिक्विडिटी सिस्टम में डाली, जो अब तक का सबसे बड़ा लिक्विडिटी इंजेक्शन है। आरबीआई ने मौद्रिक नीति को नरम करते हुए रेपो रेट में कुल 125 बेसिस पॉइंट की कटौती की। इसके साथ ही ओपन

मार्केट ऑपरेशन, कैश रिजर्व रेशियो में ढील, बॉय-सेल स्वैप और अन्य उपायों के जरिए बैंकिंग सिस्टम में नकदी की भरपूर उपलब्धता सुनिश्चित की गई। इसके बावजूद बॉन्ड यील्ड और मनी मार्केट रेट्स में वैसी नरमी नहीं आई, जैसी आमतौर पर इतनी बड़ी राहत के बाद देखने को मिलती है। रिपोर्ट के मुताबिक सकारात्मक पहलू यह रहा कि बैंकों के लोन रेट तेजी से नीचे आए हैं। बैंक लोन और कॉरपोरेट बॉन्ड यील्ड के बीच का अंतर घटने से कंपनियां अब बाजार से बॉन्ड जारी करने की बजाय बैंकों से कर्ज लेना ज्यादा पसंद कर रही हैं। अप्रैल 2024 में यह अंतर करीब 200 बेसिस पॉइंट था, जो नवंबर 2025 तक घटकर 150 बेसिस पॉइंट रह गया। नवंबर 2025 तक फ्रेश रुपया लोन पर औसत ब्याज दर घटकर 8.71 प्रतिशत रह गई। इसके उलट मनी मार्केट में अगस्त 2025 के बाद सीपी, सीडी और एनबीएफसी उधारी दरों में दोबारा बढ़त देखी गई। राज्य सरकारों के कर्ज की लागत भी ऊंची बनी हुई है। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच एसडीएल पर औसत ब्याज दर 7.16 प्रतिशत रही। पश्चिम बंगाल और कर्नाटक को सबसे अधिक ब्याज दर पर उधार लेना पड़ा, जबकि बिहार, झारखंड, तेलंगाना, मध्य प्रदेश और केरल की उधारी लागत भी औसत से ऊपर रही।

मोटोरोला एज 70 फ्यूजन के लांच से पहले लीक हुई तस्वीर......लुक और फीचर्स दमदार

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

मोटोरोला अपने नए स्मार्टफोन मोटोरोला एज 70 फ्यूजन के लांच की तैयारी कर रही है और लांच से पहले ही फोन का लुक और फीचर्स लीक हुए हैं। लीक हुए फोटो में फोन का सिल्हाउट वेरिएंट (ब्लैक) और कंट्री एयर शेड्स दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा ब्लू, ओरिएंट ब्लू और स्पोर्टिंग ग्रीन कलर वेरिएंट भी लांच होगा। सभी कलर पैंटोन वैलिडेटेड हैं और प्रीमियम लुक देने के लिए डिज़ाइन किया है। रिपोर्ट के अनुसार फोन का बैक पैनल नायलॉन और लिनेन इंस्पायर्ड होगा। डिज़ाइन में ग्लॉसी ग्लास मॉड्यूल मिलेगा, जबकि सिल्हाउट वेरिएंट में चारों तरफ गोल्ड फ्रेम दिया जाएगा। फ्रंट में मिनिमल बेजल्स और सेल्फी कैमरे के लिए होल-पंच कटआउट मिलेगा।

मोटोरोला एज 70 फ्यूजन में 6.78 इंच का क्वॉड-कर्व्ड एमलोयड डिस्प्ले होगा, जिसमें 1.5के रेज़ॉल्यूशन और 144एचजेड रिफ्रेश रेट का सपोर्ट मिलेगा। डिस्प्ले का पीक ब्राइटनेस 5200 निट्स तक हो सकता है। फोटोग्राफी के लिए फोन में 50 मैगापिक्सल का ट्रिपल रियर कैमरा और 32 मैगापिक्सल का फ्रंट कैमरा शामिल है। फोन में स्पैनड्रैगन 7 एस जेन 3 प्रोसेसर, 8जीबी/12जीबी रैम और 256जीबी इंटरनल स्टोरेज के विकल्प मिल सकते हैं। बैटरी 7000एमएएच की होने की उम्मीद है और यह 68वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करेगी। ऑपरेटिंग सिस्टम एंड्राइड 16 पर बेस्ड हैलो यूएक्स होगा, जो यूजर अनुभव को बेहतर करेगा।

मोटोरोला एज 70 फ्यूजन डिज़ाइन और फीचर्स के मामले में पिछले मॉडल्स से अलग और प्रीमियम अनुभव देने वाला स्मार्टफोन माना जा रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

महाराष्ट्र का...

दिखाई नहीं दे रहा है। 8 बजकर 43 मिनट 11 सेकंड पर विमान दूसरी बार रनवे की ओर अप्रोच करता ह। पायलट कहते हैं- रनवे इन साइट। एटीसी ने रनवे-11 पर लैंडिंग की क्लीयरेंस दी। 8 बजकर 44 मिनट पर विमान रनवे के थ्रेशोल्ड (शुरुआती बिंदु) के पास पहुंचा, लेकिन अचानक गोता लगाकर बगल की खाई में जा गिरा और धमाके के साथ आग के गोले में तब्दील हो गय।

जांच के तीन अहम एंगल: क्या हुआ था गलत?

सिविल एविएशन मंत्रालय का कहना है कि उस समय दृश्यता लगभग 3,000 मीटर थी. लेकिन प्रत्यक्षदर्शी, पायलटों का एटीसी से संवाद और फ्लाइट डेटा यह संकेत देते हैं कि रनवे को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं थी। दरअसल, बारामती का रनवे एक टेबल-टॉप रनवे है, जो पहाड़ी या ऊंची सतह पर स्थित होता है। ऐसे रनवे पर लैंडिंग के दौरान अक्सर पायलटों को ऊंचाई का भ्रम हो जाता है। चूंकि यहां बड़े हवाई अड्डों की तरह इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम नहीं है, इसलिए पायलटों को पूरी तरह अपनी आंखों पर निर्भर रहना पड़ता है।हादसे का शिकार हुआ लियरजेट 45 विमान दिल्ली की वीएसआर वेंचर्स का था। दिलचस्प बात यह है कि यही विमान सितंबर 2023 में मुंबई एयरपोर्ट पर भी लैंडिंग के दौरान फिसल गया था। हालांकि कंपनी के मालिक वी.के. सिंह का दावा है कि विमान पूरी तरह फिट था और डीजीसीए ने उसे क्लीयरेंस दी थी, लेकिन विपक्ष अब इस पुराने घाव को लेकर सवाल उठा रहा है।

एएआईबी और डीजीसीए ने संयुक्त रूप से जांच शुरू कर दी है. फॉरेंसिक टीमें मलबे के हर टुकड़े, एटीसी लॉग, फ्लाइट डेटा रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से पड़ताल कर रही हैं।

अब जांच एजेंसियां (एएआईबी और डीजी-सीए) फिलहाल तीन मुख्य बिंदुओं पर काम कर रही है।

1. मौसम और दृश्यता: पहला और सबसे बड़ा एंगल मौसम का है. सवाल यह है कि अगर दृश्यता 3,000 मीटर थी, तो पायलटों ने रनवे न दिखने की बात क्यों कही? क्या ऊपरी हवा में दृश्यता कम थी? क्या धुंध या लो-लेवल क्लाउड ने आखिरी क्षणों में भ्रम पैदा किया? सीसीटीवी फुटेज में जमीन पर दृश्यता ठीक दिखती है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि हवा में दृश्यता और जमीन की दृश्यता अलग-अलग होती है।

2. तकनीकी पहलू: प्रारंभिक जांच में साफ किया गया है कि विमान 100 प्रतिशत एयरवर्थी था. एयरवर्थिनेस सर्टिफिकेट वैध था, कोई तकनीकी खराबी दर्ज नहीं की गई। पायलट-इन-कमांड सुमित कपूर के पास 15,000 घंटे का अनुभव था, को-पायलट सांभवी पाठक के पास 1,500 घंटे का अनुभव। दोनों मेडिकल रूप से फिट थे।फिर भी सवाल उठता है कि क्या आखिरी सेकंड में कोई सिस्टम फेल हुआ? क्या ऊंचाई या स्पीड का गलत अनुमान हुआ? या फिर टेबल-टॉप रनवे का भ्रम तकनीक पर भारी पड़ा?

3. मानवीय चूक: तीसरा एंगल सबसे संवेद-नशील है मानवीय गलती। क्या पायलटों ने रनवे की दूरी का गलत आकलन किया? क्या गो-अराउंड के बाद दोबारा अप्रोच जल्दबाजी में की गई? क्या रनवे दिखाई देने का भ्रम हुआ? एटीसी रिकॉर्ड के मुताबिक, लैंडिंग क्लीयरेंस के बाद कोई रीडबैक नहीं मिला। और इसके कुछ ही पलों बाद एटीसी ने रनवे थ्रेशोल्ड के पास आग की लपटें देखीं। यह संकेत करता है कि घटनाक्रम बेहद तेज़ी से घटा।

सियासी गलियारों में साजिश की गूंज

हादसे की खबर मिलते ही देश भर में शोक की लहर दौड़ गई, लेकिन जल्द ही इस पर राजनीति भी शुरू हो गई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हादसे पर गहरा संदेह जताते हुए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की है। अखिलेश यादव और शिवसेना (यूटीबी) नेता सचिन अहीर ने भी सवाल उठाए हैं कि इतने महत्वपूर्ण वीवीआईपी के विमान के साथ इतनी बड़ी चूक कैसे हुई? हालांकि, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इन बयानों को ओछी राजनीति करार दिया है ।

विमानन मंत्री ने ...

मंत्री ने यह भी बताया कि दुर्घटनाग्रस्त विमान के पायलट-इन-कमांड (पीआईसी) के पास 15,000 से अधिक उड़ान घंटों का अनुभव था और वे एक अत्यंत अनुभवी पायलट थे। उस स्तर पर भी कोई समस्या नहीं दिखती, उन्होंने कहा।

जब नायडू से पूछा गया कि क्या वैश्विक स्तर पर लीयरजेट विमानों को लेकर कोई सुरक्षा संबंधी चिंता सामने आई है, तो उन्होंने कहा कि ऐसी कोई जानकारी अभी तक उनके संज्ञान में नहीं आई है।

इस घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए मंत्री ने जोर दिया कि वे केवल एएआईबी से प्राप्त तथ्यों के आधार पर ही कोई टिप्पणी करना चाहते हैं।

दुर्घटना से जुड़ी अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि कुछ बातें झूठी कहानियों जैसी हैं और मैं जो भी कह रहा हूं, वह केवल सत्य तथ्यों पर आधारित होना चाहिए।

मुर्मू ने संसद...

2014 की शुरुआत में, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं केवल 25 करोड़ नागरिकों तक ही पहुंच पाई थीं। सरकार के प्रयासों से अब लगभग 95 करोड़ भारतीयों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

राष्ट्रपति ने एमएनआरईजीए की जगह लागू होने वाले नए अधिनियम वीबी-जी-आरएएम जी पर भी प्रकाश डाला। अधिनियम के प्रावधानों की प्रशंसा करते हुए सत्ता पक्ष के सांसदों ने तालियां बजाकर अपनी सराहना व्यक्त की, जबकि विपक्षी सांसद खड़े होकर विरोध करने लगे और कानून को वापस लेने की मांग करने लगे। राष्ट्रपति ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और विकास के लिए विकसित भारत-जी-आरएएम जी कानून बनाया गया है। इस नए सुधार के साथ, गांवों में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी होगी। राष्ट्रपति मुर्मू ने यह भी कहा कि 2026 के साथ, भारत 21वीं सदी के दूसरे चरण में प्रवेश कर चुका है, और पिछले 25 वर्षों की उपलब्धियों ने सभी क्षेत्रों में एक मजबूत नींव रखी है, और इस वर्ष को विकसित भारत की यात्रा का एक महत्वपूर्ण आधार बताया।

संपत्ति स्वामियों ...

जबकि छह लाख जांचों में से एक लाख से अधिक कम मूल्यांकित संपत्तियों की पहचान की गई है, आने वाले महीनों में शहरव्यापी सर्वेक्षण जारी रहने के कारण यह संख्या और बढ़ने की उम्मीद है।''

नागरिक अधिकारियों ने कहा कि जीआईएस सर्वेक्षण के बाद जो विसंगतियां सामने आईं, उन्होंने स्वीकृत बिल्डिंग प्लान और जमीन पर वास्तविक संरचनाओं के बीच के अंतर को उजागर कर दिया। इसमें कई ऐसी इमारतें मिलीं जिन्होंने बिना मंजूरी के आवासीय मंजिलें बढ़ा ली थीं या प्लिंथ एरिया कम बताया था। कई मामलों में, 10,000 वर्ग फुट से अधिक की बड़ी व्यावसायिक इमारतों के मालिकों ने उन्हें आवासीय संपत्ति घोषित कर दिया था और केवल 3,000 से 3,500 वर्ग फुट के लिए टैक्स का भुगतान किया था।

टैक्सेशन विंग के एक अधिकारी ने कहा, ''जिस संपत्ति के लिए सालाना 10,000 से 15,000 रुपये का भुगतान किया जाना चाहिए था, वहां मालिक बमुश्किल 5,000 रुपये दे रहे थे, जिससे राजस्व का भारी नुकसान हुआ।'' एक बड़े कदम के तहत, जीएचएमसी ने संपत्ति कर पहचान संख्या डेटा को टीजीएसपीडीसी के बिजली सेवा कनेक्शन के साथ एकीकृत कर दिया है, जिससे अधिकारियों को संपत्ति के उपयोग और ऑक्यूपेंसी पैटर्न को क्रॉस-वेरीफाई करने में मदद मिल रही है।

झील रखरखाव ...

राहत मिलती है। सूर्यास्त के बाद मच्छरों का घनत्व तेजी से बढ़ जाता है।

यूनाइटेड फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए के महासचिव बी.टी. श्रीनिवास ने बताया, ''आरके पुरम, सफीलगुडा और ईस्ट आनंदबाग की झीलों में खरपतवार का भारी जमाव है। नागरिक अधिकारियों को बार-बार संदेश भेजने के बावजूद कोई प्रभावी प्रतिक्रिया नहीं मिल रही है।'' स्थिति इतनी गंभीर है कि शहर में रोजाना डेंगू के लगभग पांच मामले सामने आ रहे हैं।

जीएचएमसी के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल हैदराबाद में डेंगू के 1,700 से अधिक मामले दर्ज किए गए थे।

जल्द जारी होंगे नए टेंडर: जीएचएमसी

जीएचएमसी अधिकारियों का कहना है कि समस्या के समाधान के लिए कदम उठाए जा रहे हैं और झीलों से खरपतवार तथा कचरा हटाने के लिए अल्पकालिक टेंडर जारी करने की योजना है। एंटोमोलॉजी विंग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया, ''एंटी-लार्वा ऑपरेशन से पहले जलकुंभी को साफ करना महत्वपूर्ण है। केवल फॉगिंग प्रभावी नहीं है। जब तक समस्या का समाधान स्रोत पर गाद और खरपतवार हटाकर नहीं किया जाता, तब तक फॉगिंग से कोई ठोस परिणाम नहीं मिलेगा।''

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 29 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

ईसीआईएल में 'कौशल एवं नेतृत्व क्षमता' विशेषांक का भव्य विमोचन

कौशल एवं नेतृत्व क्षमता विकसित भारत की आधारशिला है : अनुराग कुमार

हैदराबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) में कॉरपोरेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अनुराग कुमार द्वारा ईसीआईएल गौरव, अंक–25 'कौशल एवं नेतृत्व क्षमता' विशेषांक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कौशल एवं नेतृत्व क्षमता किसी भी संगठन की स्थायी प्रगति, प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता तथा राष्ट्र निर्माण में प्रभावी योगदान की आधारशिला होती है।

उन्होंने आगे कहा कि आज का युग केवल तकनीकी दक्षता तक सीमित नहीं है, बल्कि दूरदृष्टि, नैतिक मूल्यों, टीम भावना तथा प्रभावी निर्णय क्षमता से युक्त नेतृत्व की भी समान रूप से आवश्यकता है।

इस गरिमामय अवसर पर डॉ. अनीश कुमार शर्मा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक (तकनीकी), पी. कृष्णा कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी; प्रोतीक कुमार चक्रबोर्ती, निदेशक (वित्त) सहित ईसीओए के अध्यक्ष तथा ईसीआईएल मजदूर संघ के अध्यक्ष विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कौशल विकास, नवाचार और संगठनात्मक उत्कृष्टता पर केंद्रित विशेषांक

यह विशेषांक वर्तमान प्रतिस्पर्धी एवं तकनीक–प्रधान युग में कौशल विकास, प्रभावी नेतृत्व, नवाचार, संगठनात्मक उत्कृष्टता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विषयों को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। इसका संपादन डॉ. राजनारायण अवस्थी, प्रबंधक (राजभाषा) एवं सदस्य–सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) के मार्गदर्शन में किया गया है। उनके नेतृत्व में संपादकीय टीम ने इस अंक को एक समग्र, विचारोत्तेजक एवं प्रेरणास्पद स्वरूप प्रदान किया है।

विशेषांक के तकनीकी स्तंभ के अंतर्गत प्रकाशित प्रमुख लेख कौशल एवं नेतृत्व क्षमता : संगठनात्मक उत्कृष्टता की नई दिशा डॉ. राजनारायण अवस्थी एवं अजहर सुल्तान द्वारा संयुक्त रूप से लिखा गया है, जिसमें आधुनिक संगठनों में कौशल और नेतृत्व की परस्पर पूरक भूमिका का गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

तकनीकी, ऐतिहासिक और भाषायी विषयों पर प्रभावशाली लेख

इसके अतिरिक्त ईसीआईएल – भारत के स्ट्रैटेजिक इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में अग्रणी, भारती – बहुभाषी अनुवाद सारथी तथा भारत की प्रथम हवाई यात्रा : साहस, तकनीक और संचार क्रांति जैसे लेखों के माध्यम से तकनीकी प्रगति, भाषायी नवाचार और ऐतिहासिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है।

एक विशेष प्रेरणादायी लेख भारतीय सेना के साइबर–वॉरफेयर कोर्स हेतु स्वर्ण पदक पर आत्मचिंतन अभिनव विश्वास द्वारा लिखा गया है, जिसमें उन्होंने भारतीय सेना के प्रतिष्ठित साइबर–वॉरफेयर प्रशिक्षण कार्यक्रम के अपने अनुभव, तकनीकी सीख और नेतृत्व कौशल के विकास को विस्तार से साझा किया है।

सांस्कृतिक, सामाजिक और साहित्यिक पक्ष भी सशक्त

सांस्कृतिक एवं सामाजिक आलेख खंड में सफलता के सूत्र : अन–ुशासन, धैर्य और कर्म, वंदे मातरम् : राष्ट्रभक्ति, कला और सामाजिक चेतना का प्रतीक, प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर जीना तथा ई–गवर्नेंस से स्मार्ट शासन तक : भारत का डिजिटल परिवर्तन जैसे लेखों के माध्यम से जीवन मूल्यों, पर्यावरणीय संतुलन, राष्ट्रप्रेम और डिजिटल इंडिया की यात्रा को रेखांकित किया गया है।

इसी क्रम में नई पीढ़ी और राष्ट्रनिर्माण : युवाओं की भूमिका शीर्षक से प्रकाशित लेख प्रियंका बिजारनिया, उप प्रबंधक (तकनीकी) द्वारा लिखा गया है, जिसमें भारत की युवा शक्ति को राष्ट्र के भविष्य का आधार बताते हुए शिक्षा, तकनीकी दक्षता और नवाचार की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

विशेषांक के साहित्यिक पक्ष को सशक्त बनाती काव्यांजलि में माँ शीर्षक से प्रकाशित भावपूर्ण कविता वरिष्ठ प्रबंधक शम्मू सुल्ताना की रचना है, जो मानवीय संवेदनाओं, मातृत्व और आत्मीयता को अत्यंत मार्मिक रूप में प्रस्तुत करती है।

प्रकाशन गुणवत्ता को मिली राष्ट्रीय स्तर पर सराहना

विशेषांक में अप्रतिम उपलब्धियाँ, ईसीआईएल गौरव ज्ञान–प्रश्नोत्तरी तथा राष्ट्रीय आयोजनों से संबंधित सामग्री भी सम्मिलित की गई है, जो इसे सूचनात्मक, ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी बनाती है।

उल्लेखनीय है कि ईसीआईएल राष्ट्रीय स्तर का प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्थान है।

संसदीय राजभाषा समिति ने भी अपने निरीक्षण के दौरान ईसीआईएल गौरव के प्रकाशन कौशल की विशेष रूप से प्रशंसा की है। प्रकाशन की विषय–वस्तु चयन, मुखपृष्ठ, पठनीयता एवं भाषाई शुद्धता सुनिश्चित करने हेतु विशेषज्ञों की टीम का गठन किया गया है।

कर्मचारियों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगा विशेषांक

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार के विषय–आधारित विशेषांक न केवल कर्मचारियों को आत्ममंथन एवं आत्मविकास की दिशा में प्रेरित करते हैं, बल्कि संगठन में उत्कृष्ट कार्य–संस्कृति, नेतृत्व क्षमता और नवाचार को भी सुदृढ़ करते हैं।

उन्होंने संपादकीय मंडल, सभी लेखकों एवं सहयोगियों को इस उत्कृष्ट प्रकाशन के लिए बधाई दी तथा आशा व्यक्त की कि यह विशेषांक ईसीआईएल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एक प्रभावी मार्गदर्शक पत्रिका सिद्ध होगा।

विशेषांक के सफल प्रकाशन में ए. साम्बामूर्ति, कनका श्री महालक्ष्मी, डॉ. चिप्पाड़ा अंबेडकर (वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक) तथा अजहर सुल्तान (अनुभाग सहायक) का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के केंद्रीय समिति सदस्य उमंग अग्रवाल का आकस्मिक निधन

हैदराबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना को यह अत्यंत दुःखद समाचार प्राप्त हुआ कि समाज के केंद्रीय समिति सदस्य एवं अग्रवाल समाज तेलंगाना – उप्परपल्ली युवा शाखा से जुड़े उमंग अग्रवाल का आकस्मिक निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से समाज में शोक की लहर दौड़ गई है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार उमंग अग्रवाल (सुपुत्र मुकेश अग्रवाल एवं श्रीमती डिम्पल अग्रवाल) अत्यंत सरल, विनम्र, सेवाभावी एवं समाज के प्रति समर्पित युवा कार्यकर्ता थे। समाज के विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों में उनकी सक्रिय सहभागिता सदैव स्मरणीय रहेगी। उन्होंने अपने व्यवहार, कार्यशैली एवं सेवा भाव से समाज में विशेष पहचान बनाई थी।उनका असमय जाना न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि संपूर्ण अग्रवाल समाज तेलंगाना के लिए एक अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में संभव नहीं है।अग्रवाल समाज तेलंगाना के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यगण इस दुःख की घड़ी में शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं तथा ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें और शोकसंतप्त परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

सस्टेनेबल मोबिलिटी:

सीएसआईआर–आईआईसीटी ने हल्के ऑटोमोटिव पार्ट्स के लिए 'नैचुरल फाइबर रीइन्फोर्सड टेक्नोलॉजी' हस्तांतरित की

हैदराबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीएसआईआर–भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (एसआईआर–आईआईसीटी), हैदराबाद ने अपनी नैचुरल फाइबर रीइन्फोर्सड प्लास्टिक (एफआरपी) फॉर्मूलेशन और कंपाउंडिंग तकनीक को J. Retten-maier & Söhne (JRS) Fibres for Life (India) को सफलतापूर्वक हस्तांतरित कर दिया है। जेआरएस सतत फाइबर–आधारित समाधानों में एक अग्रणी औद्योगिक संस्थान है। यह तकनीक इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए हल्के और टिकाऊ ऑटोमोटिव घटकों के निर्माण को सक्षम बनाती है। इसके अतिरिक्त, कम्पोस्टेबल प्लास्टिक उत्पादों, जैसे फेरोमोन ट्रैप और कटलरी तैयार करने की प्रक्रिया का ज्ञान भी साझा किया गया है।

बाजार विस्तार और आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा

यह एफआरपी फॉर्मूलेशन लगभग 6 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बाजार को लक्षित करता है, जिसमें ऑटोमोटिव इंटीरियर और सेमी–स्ट्रक्चरल घटक जैसे ट्रिम्स, पैनल, हाउसिंग और ब्रैकेट शामिल हैं। यह तकनीक लागत और स्थिरता के लाभों के लिए वर्जिन पॉलिमर के आंशिक प्रतिस्थापन को संभव बनाती है। जेआरएस फाइबर्स इस तकनीक का व्यवसायीकरण करेगी ताकि ऑटोमोटिव जएच् को आपूर्ति की जा सके, जो 6–8% की वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर (सीएज–ीआर) का समर्थन करता है।यह तकनीक हस्तांतरण उद्योग और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) के बीच सहयोग को मजबूत करता है, जो संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी 9, 12 और 13) के अनुरूप है। यह आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिय जैसी पहलों को आगे बढ़ाते हुए कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद करता है।

तकनीकी विशेषताएं और उच्च प्रदर्शन मानक

कठोर ऑटोमोटिव प्रदर्शन मानकों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई यह एफआरपी तकनीक उच्च शक्ति–से–वजन अनुपात (Strength), बेहतर कठोरता, उत्कृष्ट प्रभाव प्रतिरोध, आयामी स्थिरता और थर्मल स्थायित्व प्रदान करती है। बाजार में उपलब्ध मौजूदा फाइबर स्रोतों की तुलना में, प्राकृतिक और इंजीनियर फाइबर को थर्मोप्लास्टिक मैट्रिक्स में एकीकृत करके, यह वाहनों के वजन को कम करने, ईंधन दक्षता में सुधार और कार्बन उत्सर्जन घटाने में सहायक है। यह तकनीक कृषि और उपभोक्ता अनुप्रयोगों के लिए भी उपयुक्त है।

औद्योगिक अपनाने के लिए सुलभ प्रक्रिया

एसआईआर–आईआईसीटी के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने डॉ. विनीत अनिया (प्रधान वैज्ञानिक, केमिकल इंजीनियरिंग और प्रोसेस टेक्नोलॉजी विभाग) के नेतृत्व वाली टीम को बधाई दी। इस तकनीकी प्रदर्शन के दौरान जेआरएस के कार्यकारी सुरेश बाबू (कंट्री हेड) और चेतन तातणे (मैनेजर–सेल्स एंड बिजनेस डेवलपमेंट) उपस्थित थे। विकसित तकनीक स्केलेबल कंपाउंडिंग प्रोटोकॉल और उद्योग–तैयार फॉर्मूलेशन पर केंद्रित है। यह प्रक्रिया पारंपरिक एक्सट्रूज़न और इंजेक्शन मोल्डिंग उपकरणों के अनुकूल है, जिससे उद्योगों के लिए इसे अपनाना बेहद सहज और आसान हो जाता है।

महेश बैंक ने किया मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशन का अपग्रेडेड वर्जन लॉन्च

ग्राहकों को मिलेंगी अधिक सुविधाएं और बेहतर सुरक्षा

हैदराबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। ए. पी. महेश को–ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, एक प्रमुख मल्टी स्टेट शेड्यूल्ड बैंक ने आज अपने हेड ऑफिस, हैदराबाद में मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशन के अपग्रेडेड वर्जन का शुभारंभ किया। इस अपग्रेडेड मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशन का लॉन्च बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड द्वारा किया गया। इस अवसर पर बैंक के वाइस चेयरमैन गोविन्द नारायण राठी, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के सदस्य तथा बैंक के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नई सुविधाओं से ग्राहकों को मिलेगा डिजिटल अनुभव

मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशन के अपग्रेडेड वर्जन में ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कई नई विशेषताएं जोड़ी गई हैं। इनमें अकाउंट स्टेटमेंट जनरेट करना, टर्म डिपॉजिट देखना, लोन अकाउंट की जानकारी, बेनिफिशियरी अकाउंट का नाम देखना, आसान केवाईसी/खर्च विवरण, रसीद जनरेट करना (ट्रांजैक्शन कन्फर्मेशन) तथा एटीएम ट्रांजैक्शन के लिए विवाद रजिस्टर करने जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

इसके साथ ही, इस संस्करण में ग्राहकों की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा फीचर्स भी जोड़े गए हैं।

एंड्रॉयड पर उपलब्ध, जल्द आईओएस यूजर्स के लिए भी

फिलहाल मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशन का अपग्रेडेड वर्जन गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है, जिसे एंड्रॉयड यूजर्स डाउनलोड कर सकते हैं। बैंक प्रबंधन के अनुसार, यही वर्जन एक सप्ताह के भीतर आईओएस यूजर्स के लिए भी उपलब्ध करा दिया जाएगा।

ग्राहक हित में तकनीक को प्राथमिकता : चेयरमैन

अपने मुख्य संबोधन में चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड ने कहा कि महेश बैंक अपने ग्राहकों के लाभ के लिए अगली पीढ़ी की तकनीक को अपनाने और प्रस्तुत करने में अर्बन बैंकिंग समुदाय में हमेशा अग्रणी रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल सेवाओं का यह विस्तार बैंक और ग्राहकों दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा।इस अवसर पर बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी वी. अरविंद ने आशा व्यक्त की कि मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशन के अपग्रेडेड वर्जन के लॉन्च से ग्राहक अधिक सरल, सुरक्षित और सुविधाजनक तरीके से लेन–देन कर सकेंगे।

चार राज्यों में कार्यरत, 2800 करोड़ रुपये का बिजनेस मिक्स

उल्लेखनीय है कि महेश बैंक तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान के चार राज्यों में 45 शाखाओं के नेटवर्क के साथ कार्यरत है। बैंक अपने मूल सिद्धांतों को बनाए रखते हुए, भविष्य के लिए एक स्पष्ट विजन के साथ लेटेस्ट टेक्नोलॉजी आधारित सेवाएं प्रदान करने वाले आधुनिक संगठन के रूप में निरंतर आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में बैंक का कुल बिजनेस मिक्स लगभग 2800 करोड़ रुपये का है।

अग्रवाल समाज श्याम मंदिर शाखा द्वारा वारंगल–लखनावरम सामूहिक दो द्विसीय यात्रा का आयोजन 7 से

हैदराबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज श्याम मंदिर शाखा की ओर से समाज के सदस्यों के लिए वारंगल–लखनावरम की 2 दिन / 1 रात की सामूहिक यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा 07 एवं 08 फरवरी 2026 को आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रस्थान हैदराबाद से किया जाएगा।

आयोजकों के अनुसार यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के ठहराव की व्यवस्था हरिता काकतीय होटल, वारंगल में की गई है। यात्रा शुल्क 8,000 प्रति व्यक्ति निर्धारित किया गया है, जिसमें यात्रा, ठहराव एवं भोजन सहित सभी सुविधाएं सम्मिलित रहेंगी।

यात्रा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को कोलनुपाका (आलेर) जैन मंदिर, थाउज़ेंड पिलर्स टेम्पल, भद्रकाली मंदिर, वारंगल किला, रामप्पा मंदिर (यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल) तथा लखनावरम झील के दर्शन एवं भ्रमण कराए जाएंगे। लखनावरम झील में बोटिंग एवं आइलैंड लंच की विशेष व्यवस्था भी की गई है।

इसके अतिरिक्त, समाज के सदस्यों के मनोरंजन हेतु यात्रा के दौरान विशेष डीजे एवं बोनफायर नाइट का आयोजन भी किया जाएगा, जिससे यात्रा को यादगार बनाया जा सके।

आयोजकों ने बताया कि यात्रा के लिए ए.सी. वोल्वो कोच की व्यवस्था की गई है। यात्रा के दौरान सभी शुद्ध शाकाहारी भोजन, आरामदायक होटल में ठहराव तथा सुव्यवस्थित एवं गाइडेड ग्रुप टूर की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

अग्रवाल समाज श्याम मंदिर शाखा के पदाधिकारियों ने समाज के इच्छुक सदस्यों से अपील की है कि वे शीघ्र पंजीकरण कराएं, ताकि यात्रा से संबंधित सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जा सकें। पंजीकरण एवं अधिक जानकारी के लिए सदस्य ग्रुप में उत्तर दे सकते हैं अथवा सीधे आयोजकों से संपर्क कर सकते हैं।समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार की सामूहिक यात्राएं समाज में आपसी सौहार्द, सांस्कृतिक जुड़ाव और पारिवारिक एकता को मजबूत करती हैं। उन्होंने सभी समाज बंधुओं से इस आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं मनोरंजन से भरपूर यात्रा में सहभागिता कर इसे सफल बनाने का आग्रह किया है।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज का 26वां वार्षिकोत्सव भव्य रूप से सम्पन्न

भूमिहार पंचकर्मिये ब्राह्मण : जिबेश कुमार

हैदराबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद का 26वां वार्षिकोत्सव 26 जनवरी को रामकोट के सरोजिनी देवी हॉल में धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि बिहार विधायक जिबेश कुमार ने कहा कि हम भूमिहार पंचकर्मिये ब्राह्मण हैं, जो केवल दान देते हैं, नहीं लेते। समाज को भूमिहार ब्राह्मण के रूप में ही पहचान देनी चाहिए।

अध्यक्ष मानवेन्द्र मिश्र ने मुख्य अतिथि के परिचय व कार्यकारिणी के सहयोग की सराहना की, विशेषकर महिलाओं के प्रयासों को। सहसचिव पंकज कुमार ने बताया कि उपाध्यक्ष अनीता राय, कोषाध्यक्ष प्रेमशंकर सिंह व अन्य सदस्यों के अथक प्रयास से कार्यक्रम सफल हुआ।कार्यक्रम में मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया गया। 12वीं में रूपाशी सिंह (86%), 10वीं में अमय सिंह (98%), हर्षित कुमार (95%) सहित अन्य को सम्मान। बुजुर्गों व आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को छात्रवृत्ति व शॉल भेंट की गई। नोएडा नेशनल समिट विजेता आर्यन उपमन्यु का विशेष सम्मान हुआ।नई कार्यकारिणी का शपथग्रहण कराया गया। अध्यक्ष इंद्रदेव सिंह, महासचिव पंकज कुमार सहित सदस्यों ने पदभार ग्रहण किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य, नाटिका, कविता व महिषासुरमर्दिनी प्रस्तुति ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।गणतंत्र दिवस पर परशुराम मंदिर में राष्ट्रध्वज फहराया गया। बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

उत्तर भारतीय नागरिक संघ ने धूमधाम से मनाया 77वां गणतंत्र दिवस

हैदराबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। उत्तर भारतीय नागरिक संघ, हैदराबाद द्वारा वनस्थलीपुरम के शारदा नगर में 77वां गणतंत्र दिवस अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर संघ के अध्यक्ष एन.के. सिंह ने ध्वजारोहण किया।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसके पश्चात देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

अध्यक्ष एन.के. सिंह ने सीमा पर तैनात हमारे वीर जवानों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें गणतंत्र दिवस की बधाई दी।

एकता और भाईचारे का संदेश समारोह में आए हुए अतिथियों का स्वागत तिरंगा पट्टा पहनाकर किया गया और सभी उपस्थित लोगों के बीच मिठाई वितरित की गई। अपने संबोधन में एन.के. सिंह ने आपसी भाईचारा और एकता बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि, एकता में ही बल है, और हमें देश की उन्नति के लिए मिल-जुलकर रहना चाहिए। गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अध्यक्ष एन.के. सिंह के साथ अमरजीत सिंह, आदित्य सिंह, सी.एच. श्रीनिवास, सुरेश, सुधाकर रेड्डी, मधुसूदन रेड्डी, एम. श्रीनिवास, निखिल, प्रशांत एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति और स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-आरती श्रद्धा से सम्पन्न

हैदराबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क स्थित इच्छापूर्ति गणेशजी के पावन सान्निध्य में आयोजित पूजा एवं आरती कार्यक्रम श्रद्धा, आस्था और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर भगवान गणेश से सुख, समृद्धि एवं मंगल कामनाओं की प्रार्थना की।

पूजा-आरती में प्रमुख रूप से राजेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेवा, विठ्ठलदास अग्रवाल (बड़े गांव वाले), प्रमोद कुमार सरायवाला, दीपक कुमार सरायवाला, अशोक कुमार सरायवाला, पी. सी. जैन, भोज रेड्डी, प्रवीण कुमार अग्रवाल, पी. जी. आर. मूर्ति, रामनिवासजी पंडित, सुदर्शन, अशोक कुमार रूंगटा, अशोक कुमार लाखोटिया, सेसैया गरु, डॉ. राधा कृष्ण, दुर्गा, संध्या रानी अग्रवाल, विजया लक्ष्मी, विजया रेड्डी, थंबी, पद्मा, किरेन एवं अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पूजा-अर्चना के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार एवं आरती से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने ऐसे धार्मिक आयोजनों को समाज में आध्यात्मिक चेतना, आपसी सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा का माध्यम बताया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों को निरंतर आयोजित करने की भावना व्यक्त की।

श्री बालाजी राजस्थानी भवन, अमीरपेट में 26 जनवरी को बीकानेर माहेश्वरी मित्र मंडल के तत्वावधान में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री वैष्णव सत्संग, सुल्तान बाजार के सदस्यों द्वारा सुंदरकांड की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई। प्रस्तुति देने वालों में राधेश्याम दुर्गा राठी, बद्री प्रसाद सुरेखा, सारड़ा इंदिरा बंग एवं इंदिरा भराड़िया प्रमुख रूप से शामिल रहे।

गणतंत्र दिवस परेड में जूनियर कैटेगरी में तेलंगाना एनसीसी गर्ल्स कंटिंजेंट सर्वश्रेष्ठ घोषित

हैदराबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। 77वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर, 26 जनवरी 2026 को हैदराबाद के परेड ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में तेलंगाना एनसीसी कैडेटों ने अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया।

एनसीसी कैडेटों की परेड में दो कंटिंजेंट शामिल थे - 50 लड़के और 50 लड़कियां। दोनों कंटिंजेंटों ने एकता, अनुशासन और देशभक्ति के मूल्यों का प्रतिनिधित्व किया। कैडेटों ने तेलंगाना के राज्यपाल, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, सशस्त्र बलों के कर्मियों और विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में औपचारिक परेड और मार्च पास्ट में भाग लिया।

तेलंगाना एनसीसी गर्ल्स कंटिंजेंट को अन्य कंटिंजेंटों के बीच जूनियर कैटेगरी में सर्वश्रेष्ठ कंटिंजेंट घोषित किया गया। कैडेटों ने ड्रिल, टर्नआउट और औपचारिक सटीकता के उच्चतम मानकों का प्रदर्शन किया। लड़कों और लड़कियों की भागीदारी ने नेतृत्व विकास और राष्ट्र निर्माण के प्रति एनसीसी की प्रतिबद्धता को उजागर किया।

नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) चरित्र निर्माण, अनुशासन और निस्वार्थ सेवा की भावना के माध्यम से जिम्मेदार नागरिकों और भविष्य के नेताओं को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गणतंत्र दिवस परेड में एनसीसी कैडेटों की भागीदारी उनके आदर्श वाक्य एकता और अनुशासन को सुदृढ़ करती है और राष्ट्र की सेवा में उनके गर्व और अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

गणतंत्र दिवस भारत के संविधान को अपनाने की याद दिलाता है और उन राष्ट्रीय नायकों के बलिदानों को सम्मानित करता है जिन्होंने देश की आज़ादी और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। एनसीसी कैडेटों की उपस्थिति युवाओं की सक्रिय भूमिका और राष्ट्र की अखंडता की सुरक्षा का प्रतीक है।

हिल रिज स्प्रिंग गच्ची बोली में गणतंत्र दिवस मनाते हुए गीता अग्रवाल ,आशा अग्रवाल ,कमलेश अग्रवाल, भारती अग्रवाल , सरस्वती भारद्वाज , श्रीदेवी, वीना मदान, के पी अग्रवाल ,राजेश अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, टी एन माथुर, आर के मेहता , सत्य मूर्ति आदि ।

हिन्दी महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिन्दी महाविद्यालय के प्रांगण में गणतंत्र दिवस का भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हैदराबाद शहर के इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्य और प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. आर. एम. साबू उपस्थित रहे।

समारोह का शुभारंभ एन.सी.सी. कैडेट्स की परेड से हुआ, जिसका निरीक्षण मुख्य अतिथि, प्राचार्या और प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। तत्पश्चात सभी उपस्थितजनों ने सामूहिक रूप से झंडा वंदन किया और राष्ट्रीय गीत व मवन्दे मातरम्फ के साथ गणतंत्र दिवस की थीम के तहत सामूहिक राष्ट्रगान किया।

राजनीतिशास्त्र विभागाध्यक्ष श्रीमती अर्चना पांडेय ने सभी छात्रों से अपनी मातृभूमि की रक्षा हेतु प्रतिज्ञा लेने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि को समिति के पदाधिकारियों और प्राचार्य द्वारा शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

प्राचार्य डॉ. बाला कुमार ने स्वागत भाषण देते हुए गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दीं और महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के पाठ्यक्रम, नए चल रहे पाठ्यक्रमों और आगामी सत्र में प्रारंभ होने वाले पाठ्यक्रमों की जानकारी साझा की। साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय ज्ञान परंपरा पर होने वाली दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की जानकारी दी।

संस्थाध्यक्ष श्री लक्ष्मीनिकांत शर्मा ने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए भारतीय संविधान की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को संविधान का पूर्ण ज्ञान होना चाहिए और सभी को अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। यही जिम्मेदारी निभाने से ही भारत एक विकसित और सशक्त राष्ट्र बनेगा।

मानद मंत्री श्री शील कुमार जैन ने भारत माता को नमन करते हुए कहा कि आज हमें स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को याद करना चाहिए। उन्होंने संविधान की प्रस्तावना की महत्ता बताई और कहा कि देश में समय-समय पर संविधान में संशोधन होते रहना चाहिए।

मुख्य अतिथि का परिचय देते हुए उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा ने कहा कि डॉ. आर.एम. साबू प्रतिष्ठित चिकित्सक और समाजसेवी हैं, जो लंबे समय से संस्था से जुड़े हैं। उन्होंने डॉ. साबू के योगदान की विस्तृत जानकारी दी।

मुख्य अतिथि डॉ. आर.एम. साबू ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि संविधान डॉ. अंबेडकर और लगभग 300 सदस्यों के अथक परिश्रम से तैयार हुआ। उन्होंने शिक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुए तेजी से विकास पर प्रकाश डाला। डॉ. साबू ने संस्थापक प्राचार्य कृष्णदत्त और अन्य संस्थापकों को स्मरण करते हुए महाविद्यालय की स्थापना में उनके योगदान को याद किया।

कार्यक्रम में उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा, संयुक्त सचिव प्रदीप कुमार दत्त, कोषाध्यक्ष एस.बी. काबरा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

इस अवसर पर कबड्डी और फेन्सिंग चैम्पियनशिप में विजेता छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। किज्ञान विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती लहरी ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया।सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय के छात्र और एन.सी.सी. कैडेट्स ने देशभक्ति गीत और नृत्य प्रस्तुत किए।कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. बाला कुमार, एम.सी. गुप्ता कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के प्राचार्य डॉ. एल. मदन मोहन, सभी प्राध्यापकगण, शैक्षणिक स्टाफ, प्रबंधन समिति की सदस्य डॉ. कैजंती कोरटकर, सेकेंडरी प्राध्यापिका प्रेमलता नथानी, एन.एस.एस. अधिकारी कन्हैया कुमार और सभी छात्र उपस्थित रहे। संयुक्त सचिव प्रदीप कुमार दत्त ने मुख्य अतिथि के योगदान की प्रशंसा करते हुए आभार प्रकट किया और सभी उपस्थितजनों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अर्चना पांडेय ने किया।

अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ में पुनर्चयन पर टीएनजीओ नेताओं का भव्य अभिनंदन

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघके पदाधिकारियों के हालिया चुनाव और शिक्षा विभाग में हुई पदोन्नति के उपलक्ष्य में एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। टीएनजीओ यूनियन हैदराबाद और स्कूल शिक्षा विभाग इकाई द्वारा केंद्रीय नेतृत्व का शॉल और गुलदस्ते भेंट कर अभिनंदन किया गया।

केंद्रीय नेतृत्व का सम्मान और नई नियुक्तियाँ

अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के उपाध्यक्ष के रूप में पुन: निर्वाचित होने पर श्री मर्रम जगदीश्वर (अध्यक्ष, टीएनजीओ यूनियन सेंट्रल) का विशेष सम्मान किया गया। इसके साथ ही महासंघ के सदस्य के रूप में श्री डॉ. एस.एम. हुसैनी मुजीब (महासचिव) और श्री वेंकटेश्वर (एसोसिएट अध्यक्ष) को भी शॉल और गुलदस्ते देकर सम्मानित किया गया।

समारोह के दौरान टीएनजीओ यूनियन हैदराबाद के अध्यक्ष श्री विक्रम कुमार और सचिव श्री के. श्रीनिवास का भी अभिनंदन किया गया। यह सम्मान टीएनजीओ यूनियन हैदराबाद के एसोसिएट अध्यक्ष और स्कूल शिक्षा विभाग के अध्यक्ष श्री के.आर. राजकुमार, सचिव श्री एम. भास्कर एवं कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा किया गया।

स्कूल शिक्षा विभाग में 5 कर्मियों को मिली पदोन्नति

इस अवसर पर खुशी तब दोगुनी हो गई जब हैदराबाद की जिला शिक्षा अधिकारी (EO) श्रीमती रोहिणी ने स्कूल शिक्षा विभाग के पांच कर्मचारियों की पदोन्नति के आदेश जारी किए। पदोन्नत होने वाले कर्मचारियों में शामिल हैं:

श्री मधुकर: ओएस (OS) से कनिष्ठ सहायक (JA. Asst) के पद पर पदोन्नत, जीएचएस रसूलपुरा में नियुक्ति।

श्री रमेश: ओएस से कनिष्ठ सहायक के पद पर पदोन्नत, जीएचएस कलासीगुडा में नियुक्ति।

श्री नज़ीर: ओएस से कैशियर के पद पर पदोन्नत, जीसीएचएस लाडबाज़ार में नियुक्ति।

श्रीमती सरस्वती: ओएस से रिकॉर्ड सहायक के पद पर पदोन्नत, एपीएसआर गड्डियान्नाराम में नियुक्ति।श्री रामकृष्ण रेड्डी: ओएस से रिकॉर्ड सहायक के पद पर पदोन्नत, डीवाईआईओएस बंदलगुडा में नियुक्ति।

समारोह में संघ के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी

सम्मान समारोह में टीएनजीओ यूनियन स्कूल शिक्षा विभाग के प्रचार सचिव श्री मयरावी, फोरम संयुक्त सचिव श्री रमेश, श्री सुदर्शन, प्रचार सचिव श्रीमती अरुणाज्योति, संगठन सचिव श्री शेखर सहित मधुकर, रमेश, नज़ीर, सरस्वती, लक्ष्मीपति, कल्याण, मिर्ज़ा, मुरली, परमेश और दामोदर ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी वक्ताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और कर्मचारियों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

जीडिमेटला सीरवी समाज मंदिर में ग्यारस उद्यापन कार्यक्रम श्रद्धापूर्वक सम्पन्न

भव्य कलश यात्रा में महिलाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता

हवन-यज्ञ के साथ भक्तिमय वातावरण का सृजन

हैदराबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीडिमेटला सीरवी समाज मंदिर (बडेर), जीडिमेटला में ग्यारस उद्यापन कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ विधिवत रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रातः भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कलश यात्रा के दौरान मंदिर परिसर एवं आसपास का वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं द्वारा ग्यारस उद्यापन के धार्मिक अनुष्ठानों को पूर्ण श्रद्धा और विधि-विधान के साथ संपन्न किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आहुतियां प्रदान कर धर्मलाभ अर्जित किया। यज्ञ के दौरान संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति भाव से ओतप्रोत रहा।इस अवसर पर राजस्थानी मित्र मंडल, जगदगिरीगुट्टा, आलविन कॉलोनी (हैदराबाद) सहित सर्व समाज के गणमान्य पदाधिकारी एवं समाज बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं, सहयोगियों एवं समाजजनों का आभार व्यक्त किया तथा इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों को समाज में सांस्कृतिक एकता और धार्मिक चेतना को सुदृढ़ करने वाला बताया।

77वें गणतंत्र दिवस पर गीत चाँदनी की राष्ट्रीय कवि गोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर साहित्यिक संस्था गीत चाँदनी के तत्वावधान में एक राष्ट्रीय कवि गोष्ठी तथा साहित्यिक पत्रिका 'अनिल अभिव्यक्ति' पर मूल्यांकन एवं सारगर्भित चर्चा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्था के कार्यालय 'कवि भवन', सिद्दिअंबर बाज़ार, अशोक मार्केट, हैदराबाद में संपन्न हुआ।

आज यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्त जानकारी देते हुए कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ कवि अशोक दोशी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गीत चाँदनी के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद ने की।इस अवसर पर कवयित्री आशा ठाकुर, कवयित्री ममता मिश्रा, अशोक दोशी तथा कवयित्री आरती कुमारी ने वर्तमान भारत में राष्ट्रीय एकता और कवियों की भूमिका विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि साहित्य समाज को दिशा देने और राष्ट्रीय चेतना को सुदृढ़ करने का सशक्त माध्यम है।संस्था के कार्यदर्शी, 'गोलकोण्डा दर्पण' के संपादक एवं कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्र की सुरक्षा में कवियों की भूमिका विषय पर विशेष काव्य-पाठ का भी आयोजन किया गया। इस दौरान कवियों ने राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत रचनाओं का पाठ कर श्रोताओं में देशभक्ति की भावना जागृत की।

गीत चाँदनी के पदाधिकारियों ने सभी देश-प्रेमियों, साहित्य-प्रेमियों एवं कवियों का समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल एवं गौरवपूर्ण बनाने हेतु आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के समापन पर कवि अशोक दोशी की ओर से मिष्ठान एवं जलपान की सुंदर व्यवस्था की गई, जिससे उपस्थित कवियों एवं साहित्यकारों में विशेष प्रसन्नता देखी गई।

मेडाराम जाते ट्रैक्टर के पलटने से मां-बेटी की मौत

कागजनगर, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जयशंकर भूपालपल्ली जिले के कौटाला मंडल मुथ्यमपेट की कस्तूरी लक्ष्मी (45) व उनकी बेटी कस्तूरी अक्षिता (21) की मेदाराम सम्मक्का-सरलम्मा मेले जाते समय ट्रैक्टर पलटने से मौके पर मौत हो गई। हादसा महामुत्तरम-कटाराम-मेदाराम मेन रोड पर हुआ।

दोनों मां-बेटी मेदाराम जतारा के दर्शन के लिए ट्रैक्टर से जा रही थीं, जब वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। गंभीर घायलों को बचाने की कोशिश विफल रही।घटना की खबर से मुथ्यमपेट गांव शोकमग्न है। सिरपुर के पूर्व विधायक कोनेरू कोनप्पा मृतकों के घर पहुंचे, शवों को श्रद्धांजलि दी व परिजनों को सांत्वना प्रदान की।

केबीआर पार्क पर राधे-राधे ग्रुप का नियमित अन्नदान, मानव सेवा की मिसाल

हैदराबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में जारी नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत आज इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा अग्रवाल तेलवाले, संजय गुप्ता, जयप्रकाश सरडा, हरिश तोलाराम हिंदुजा, उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

दाहिमा समाज द्वारा दधिमती माता प्राकट्योत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

मंगलपाठ, भजन संध्या एवं सम्मान समारोह ने बढ़ाई गरिमा

हैदराबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। दाहिमा समाज हैदराबाद-सिकन्दराबाद, दाहिमा महिला मण्डल एवं दाहिमा युवा मंच के संयुक्त तत्वावधान में दाहिमा समाज की कुलदेवी 'दधिमती माताजी प्राकट्योत्सव' का भव्य आयोजन 26 जनवरी को दाहिमा मंदिर, चूड़ी बाजार में श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। उक्त जानकारी यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में समाज के मंत्री सत्यप्रकाश डोबा ने दी।

समाज के अध्यक्ष सुरेश गाँधी के अनुसार दधिमती माताजी प्राकट्योत्सव का शुभारंभ प्रातः 9:01 बजे समाज बंधुओं द्वारा विधिवत अभिषेक के साथ किया गया। इसके पश्चात दाहिमा महिला मण्डल की ओर से मध्याह्न 3 बजे से संगीतमय माताजी का मंगलपाठ आयोजित किया गया, जिसमें महिला सदस्यों ने श्रद्धा भाव से सहभागिता की।

भजन संध्या में गूंजे माताजी के जयकारे

सायं 6 बजे से समाज बंधुओं द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संजय दाहिमा, राजू मुरारी दाहिमा, हरीश दाहिमा, अभिषेक सूंठवाल, श्रवण चीपड़ा, जगदीश व्यास, शत्रुघ्न तिवारी, राजेश तिवारी तथा निजामाबाद से विशेष रूप से पधारे सुनील दाहिमा द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा।भजन गायकों का समाज के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा शाल एवं साफा पहनाकर सम्मान किया गया।

विशेष सम्मान एवं महिला मंडल की सक्रिय भूमिका

इस अवसर पर हैदराबाद से हनुमानजी की जन्मस्थली पम्पासरोवर अंजनादि पर्वत (कर्नाटक) तक साइकिल यात्रा करने वाले ज्योतिषाचार्य राजेन्द्रकुमार काकड़ा का भी शाल एवं साफा द्वारा विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में दाहिमा महिला मण्डल का भरपूर सहयोग रहा, जिसकी समाजजनों ने मुक्त कंठ से सराहना की।

समाज के गणमान्य जनों की रही उल्लेखनीय उपस्थिति

कार्यक्रम में श्रवण कुमार दाधीच, सोहनलाल पलोड, बाबुलाल खटोड, भंवरलाल रीणवा, गोपाल डोबा 'पाल', राजगोपाल व्यास, जगदीश मालोदिया, श्यामसुन्दर काकड़ा, लक्ष्मीनिवास भेड़ा, हनुमान बोरायडा, दिलीप बोरायडा, सागर दाहिमा, आकाश व्यास, सुरेश गाँधी, सत्यप्रकाश डोबा, अशोक शर्मा, दीपक काकड़ा, दिलीप इटोदिया, खेमचंद करेशिया, श्यामसुन्दर तिवारी (एलआईसी), मूलचन्द पाटोदिया, रामप्रसाद रीणवा, श्यामसुन्दर कण्ठतिवारी, सुभाष करेशिया, सुरेश खटोड़, मधु गोठेचा, अभिलाश गाँधी, मनीष गाँधी, अमित पलोड, संजय खटोड़, मनीष सूंठवाल, नवनीत खटोड़, राधेश्याम गोठडीवाल, राजेश बोरायडा, रुपेश काकड़ा, राजगोपाल बोरायडा, गोपाल काकड़ा, रामकिशन चीपड़ा, रमेश तिवारी, सागर जोपट, सुनील इटोदिया, श्रीगोपाल खटोड़, लोकेश दाधीच सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु एवं महिला मण्डल की सभी सदस्याएं सक्रिय रूप से उपस्थित रहीं।इसके अतिरिक्त कैलाश रिणवां, हंसराज औझा, दुलीचंद तिवाड़ी, संतोष डोबा, संदीप जोपट, पन्नालाल पाटोदिया, सत्यनारायण काकड़ा, महेश दाखिल, जगदीश तिवाड़ी, दामोदर खटोड, जुगलकिशोर खटोड, राजेश सूंठवाल सहित अनेक समाजजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

बैंगलोर होलसेल क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन ने मनाया गणतंत्र दिवस समारोह

बेंगलूरु, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बैंगलोर होलसेल क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन (बीडब्ल्यूसीएमए) द्वारा चिकपेट स्थित डीएस. लेन, एचएआर मार्केट के समीप भव्य रुप से गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कपड़ा व्यापारियों एवं एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भाग लेकर राष्ट्रीय पर्व को उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश पिरगल द्वारा सभी का स्वागत करने के साथ हुई। इसके पश्चात सभी सदस्यों ने मिलकर राष्ट्रध्वज फहराया एवं राष्ट्रगान किया। सभी सदस्यों ने सफेद परिधान धारण कर एकता, अनुशासन एवं देशभक्ति का संदेश दिया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा संविधान के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि व्यापारी समाज देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और राष्ट्र निर्माण में व्यापारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी ने एकजुट होकर व्यापारियों के हितों की रक्षा एवं समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में गिरीश माकम एवं ललित सेठिया ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के अंत में चिकपेट क्षेत्र के समस्त व्यापारियों से आपसी सहयोग, भाईचारे एवं देशहित में कार्य करने का आह्वान किया गया। यह आयोजन पूर्णतः सफल रहा तथा क्षेत्र के व्यापारियों में देशभक्ति एवं एकता की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ। सह-सचिव मनोज जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

न्यायालय विवाह अधिकारी
रायपुर (छ.ग.)
फार्म "अ"

सर्व साधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री विशाल ठाकुर पिता श्री सरल कुमार ठाकुर, निवासी एच.आई.जी. 310, तीसरा फ्लोर, ब्लॉक 05, हिमालयन हाइट्स, थोक सब्जी मंडी के पास, देवपुरी, जिला रायपुर एवं कु. गार्गी बनर्जी पिता श्री संदीप बन्दोपाध्याय, निवासी जी 2, सांई गणेश ग्लास, विठ्ठल राव नगर, पोस्ट माधपुर, तहसील सेशिलिंगमपल्ली, जिला के.वी. रंगारेड्डी (तेलंगाना) ने विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 5 के अधीन अपने विवाह के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है.

प्रस्तावित विवाह के विरुद्ध आपत्ति करने के इच्छुक कोई भी व्यक्ति इस संबंध में दिनांक 20 फरवरी, 2026 के पूर्व निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं.

निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं होगी, तथा यह शून्य माना जावेगा.

आज दिनांक 21 जनवरी, 2026 को इस न्यायालय के हस्ताक्षर एवं मुद्रा सहित जारी किया गया.

विवाह अधिकारी
मुहर रायपुर (छ.ग.)

अवधि 30 दिन से कम न हो.

सचिवालय कर्मचारी संघ के कार्यक्रम में बीकानेर के पुरोहित सम्मानित

उत्कृष्ट कैंटीन सेवाएं मुहैया करवाने पर अम्बरवाला को दिया विशेष स्मृति चिह्न

बीकानेर (राजस्थान), 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जयपुर स्थित सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सचिवालय के कैंटीन में बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध करवाने पर अम्बरवाला को स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने की। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवासन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव ने कैंटीन की सेवाओं की प्रशंसा की। अम्बरवाला की ओर से कैलाश पुरोहित ने यह सम्मान ग्रहण किया। उन्होंने बताया कि अम्बरवाला द्वारा खाद्य सामग्री में हाइजिन के साथ गुणवत्ता का पूर्ण ध्यान रखा जाता है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Service No. 6948257K Nk CHAMPAL MANDAL of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my father name is changed from NETAI CHANDRA MANDAL to NITAI CHANDRA MANDAL.

CHANGE OF NAME
I, REMYA ANISH, is legally wedded spouse of Army No.15418215F, Rank: HAV, Name: ANISH CV, Residing at, Vill:VALAKOM, Post: MEKKADAMBU, Teh: MUVATTPUZHA, Dist:EARNAKULAM, State:KERALA, pin:682316, That, I have changed my name from REMYA ANISH to REMYA P, And Affidavit dated 23/01/2026

CHANGE OF NAME
I, BISAGONI ARCHANA is Legally wife of Army no. 15448828 W, Rank HAV (XRA), Name : ALLAKONDA SATHISH, R/o. 5-78/1, Vill-Beerpur, Mndl-Beerpur, Dist.-Jagitial, State - Telangana, Pincode-505454 I have to change my surname from BISAGONI ARCHANA to ALLAKONDA ARCHANA in my Husband service Document by An AFFIDAVIT dated 28-01-2016. In Future my name known as ALLAKONDA ARCHANA

CHANGE OF NAME
I, MURUGESAN SADAIYAN, is legally father of M KAMATCHI presently residing at Vill Kombai, Post Kombai, Teh. Uthama Palayam, Distt-Theni, State Tamil Nadu PIN-625522 do hereby that, I have changed my name from MURUGESAN to MURUGESAN SADAIYAN due to erroneously entered in my son service documents. that my date of birth is 01 Jul 1962 vide Affidavit Date.28-01-2026 before Mohd. Hameed Khan Advocate and Notary Secunderabad, TS

बेगमपेट हवाई अड्डे पर विंग्स इंडिया 2026 का भव्य उद्घाटन

31 जनवरी तक चलेगा चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम

हैदराबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने बुधवार, 28 जनवरी को हैदराबाद स्थित बेगमपेट हवाई अड्डे पर विंग्स इंडिया 2026 का विधिवत उद्घाटन किया। एशिया का सबसे बड़ा द्विवार्षिक नागरिक उड्डयन कार्यक्रम माने जाने वाला यह आयोजन 31 जनवरी तक चलेगा।

एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस वर्ष विंग्स इंडिया 2026 का विषय भारतीय विमानन: भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना – डिजाइन से तैनाती तक, विनिर्माण से रखरखाव तक, समावेशिता से नवाचार तक और सुरक्षा से स्थिरता तक रखा गया है। यह आयोजन भारत के तीव्र गति से विस्तार कर रहे विमानन क्षेत्र की उपलब्धियों और संभावनाओं को उजागर करेगा।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह आयोजन भारत की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति को रेखांकित करेगा तथा देश को विनिर्माण, सेवाओं, नवाचार और टिकाऊ विमानन समाधानों के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने के दृष्टिकोण को प्रदर्शित करेगा।

विंग्स इंडिया 2026 के अंतर्गत बेगमपेट हवाई अड्डे पर अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी, स्थिर विमान प्रदर्शन, उड़ान एवं एरोबेटिक शो, एक उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सीईओ गोलमेज बैठकें, बी2बी एवं बी2जी बैठकें, विमानन नौकरी मेला, पुरस्कार समारोह तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।आयोजकों के अनुसार, इस कार्यक्रम में विश्व भर से प्रतिनिधियों और प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है, जिससे विंग्स इंडिया की पहचान एक प्रमुख वैश्विक विमानन मंच के रूप में और सुदृढ़ होगी।प्रेस विज्ञप्ति में आगे बताया गया है कि स्थिर एवं हवाई प्रदर्शनों में विभिन्न प्रकार के विमानों को प्रदर्शित किया जाएगा, जिनमें भारतीय वायु सेना की ङ्गसूर्य किरणफ एरोबेटिक टीम द्वारा विशेष प्रदर्शन भी शामिल रहेगा, जो दर्शकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र होगा।

गौ सेवा और अन्न सेवा का जीवंत उदाहरण है राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद : महेश गोयल

हैदराबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू–देवी माता मंदिर के समीप गौशाला के सामने संचालित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवाभावी नागरिकों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान महेश गोयल ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद सेवा, संवेदना और समर्पण का सशक्त मंच बन चुका है। यहां गौ सेवा और अन्न सेवा दोनों का सुंदर और प्रेरणादायी संगम देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि निरंतर चल रही यह सेवा न केवल जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचा रही है, बल्कि सनातन परंपराओं को भी सुदृढ़ कर रही है।

महेश गोयल ने राधे–राधे ग्रुप के संयोजकों एवं सक्रिय सदस्यों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से यह सेवा कार्य नियमित रूप से आगे बढ़ रहा है और समाज में सकारात्मक संदेश दे रहा है।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विनोद तोष्णीवाल, पन्नालाल जी, महेश गोयल, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, अर्चना शास्त्री, रेनू शर्मा एवं पूजा संघी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सूर्यदत्त ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स में उत्साह से मनाया 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष व 77वां गणतंत्र दिवस

'वंदे मातरम्' राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक : प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया

पुणे, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। 'वंदे मातरम्' केवल दो शब्द नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, स्वतंत्रता संग्राम और देशभक्ति की भावना का प्रतीक है। इस अमर गीत की 150 वर्षों की गौरवशाली परंपरा को आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है, ऐसा वक्तव्य सूर्यदत्त ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया ने दिया। वहीं, जीवन में मानसिक स्वास्थ्य, आत्मचिंतन और सकारात्मक दृष्टिकोण को अपनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए राजयोग आत्मचिंतन गुरु बीके मंगल दीदी ने कहा कि मन की शांति और संतुलन से ही व्यक्ति सच्चे अर्थों में प्रगति कर सकता है। सूर्यदत्त ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स में 77वां गणतंत्र दिवस तथा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा रहे 'वंदे मातरम्' गीत के 150 वर्ष अत्यंत गरिमा और देशभक्ति के वातावरण में मनाए गए। प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता कृष्णन सुब्रमणी, बावधन पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक भास्कर कदम, राजयोग आत्मचिंतन गुरु बीके मंगल दीदी, सूर्यदत्त की उपाध्यक्ष सुषमा चोरडिया, सहयोगी उपाध्यक्ष स्नेहल नवलखा, डीन प्रो. डॉ. प्रतीक्षा वाबळे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अक्षत कुशल सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख, प्राध्यापक, शिक्षकेतर कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।।इस अवसर पर कृष्णन सुब्रमणी ने कहा कि शिक्षा के साथ सजग नागरिकता ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है और प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन ईमानदारी से करना चाहिए। प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया ने 'वंदे मातरम्' के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस गीत ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशवासियों को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया। आज की युवा पीढ़ी को इस गीत में निहित राष्ट्रभक्ति और समर्पण की भावना को आत्मसात करना चाहिए। वहीं पुलिस निरीक्षक भास्कर कदम ने देश की एकता, शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए सभी नागरिकों से सतत सतर्क और प्रतिबद्ध रहने का आवाहन किया। सूर्यदत्त के बावधन परिसर में आयोजित इस समारोह में ध्वजारोहण व राष्ट्रगान का सामूहिक गायन हुआ। तिरंगे की साक्षी में विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत नृत्य, गीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों को विशेष सराहना मिली।इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सारिका झांबड और प्रो. केतकी बापट ने किया। कार्यक्रम का सुस्पष्ट और प्रभावी संचालन फार्मेसी विभाग के आदित्य कांबळे एवं समीक्षा चोरडिया तथा विधि विभाग के आख्या उपमन्यु एवं श्रुति वैद ने किया। नृत्य एवं योगशास्त्र शिक्षिका सोनाली ससार द्वारा तैयार की गई आकर्षक प्रस्तुति और योग शिक्षिका मीनल गावंडे के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत योगासनों ने भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभक्ति का सुंदर संगम प्रस्तुत किया। मराठी, हिंदी और अंग्रेजी तीनों भाषाओं में विद्यार्थियों द्वारा दिए गए प्रेरणादायी भाषणों तथा 'ऐ वतन' गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति ने उपस्थितों की आंखें नम कर दीं। राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत इस वातावरण ने पूरे परिसर को भावविभोर कर दिया।

जैन पब्लिक स्कूल में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

विजयवाड़ा, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन मिशन सोसाइटी द्वारा संचालित एनबीएल जैन पब्लिक स्कूल में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री जैन मिशन सोसाइटी के अध्यक्ष संघवी प्रवीणकुमार बाबुलालजी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर झंडा वंदन किया।

इस वर्ष के कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि भारत के राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में विद्यालय की छात्राओं द्वारा पूर्ण वंदे मातरम् का सामूहिक गायन प्रस्तुत किया गया। छात्राओं की इस भावपूर्ण प्रस्तुति को उपस्थित सभी सदस्यों ने हृदय से सराहा।

छात्राओं को प्रोत्साहित करने हेतु श्री जैन मिशन सोसाइटी के अध्यक्ष श्री प्रवीणकुमार बाबुलालजी द्वारा विशेष पारितोषिक की घोषणा भी की गई।कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने समारोह की गरिमा को और अधिक बढ़ा दिया।इस अवसर पर श्री जैन मिशन सोसाइटी के उपाध्यक्ष श्री भोगीलाल जैन, सचिव श्री संतोष हिंगढ़, वरिष्ठ सह–सचिव श्री गुलाबचंद पी. जैन, सह–सचिव श्री प्रवीण जैन रांका, कोषाध्यक्ष श्री सुरेश जैन, कार्यनिर्वाहक श्री सुरेश टाटीया, विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती संध्यारानी, अध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से राष्ट्र के प्रति कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित एवं जागरूक नागरिक बनने का आह्वान किया।

निस्वार्थ सेवा से समाज को नई दिशा दे रहा राधे–राधे ग्रुप : सुनीता अग्रवाल

हैदराबाद, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेवा केवल एक कार्य नहीं, बल्कि इंसानियत, करुणा और संवेदनशीलता का जीवंत रूप है। जब सेवा मन से की जाती है, तब वह जरूरतमंदों के जीवन में आशा और विश्वास जगाती है। उक्त भावपूर्ण विचार श्रीमती सुनीता अग्रवाल ने व्यक्त किए। वे नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद की ओर से आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम के अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सहारा पहुँचाने का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। जरूरतमंदों के चेहरे पर संतोष और मुस्कान लाना ही सच्ची सेवा है। ऐसे सेवा कार्य समाज में भाईचारे, प्रेम और मानवीय मूल्यों को मजबूत करते हैं।इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, गौरव गोयल, महेश अग्रवाल, कैलाशचंद केडिया एवं निर्मला केडिया सहित राधे–राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने पूरे समर्पण और सेवा भाव के साथ सहभागिता निभाई। सभी सेवाभावियों ने एकजुट होकर जरूरतमंदों को प्रेम और सम्मान के साथ अन्न वितरित किया।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सदस्यों ने संकल्प लिया कि मानवता की सेवा का यह सिलसिला निरंतर जारी रहेगा और समाज को सकारात्मक दिशा देने का यह प्रयास कभी नहीं रुकेगा। राधे–राधे ग्रुप द्वारा किया जा रहा यह सेवा कार्य निस्संदेह समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनता जा रहा है।

योगी शिवसत्यनाथजी महाराज ने किया विराट हिन्दू सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन

1 फरवरी को बीकानेर में होगा विराट हिन्दू सम्मेलन

बीकानेर (राजस्थान), 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिन्दू समाज की एकता, सांस्कृतिक चेतना एवं सनातन परंपराओं के संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित होने वाले विराट हिन्दू सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन पूज्य योगीश्री शिवसत्यनाथजी महाराज, अधिष्ठाता एवं महंत श्री नवलेश्वर मठ, सिद्धपीठ, बीकानेर के पावन कर–कमलों द्वारा श्रद्धापूर्वक सम्पन्न हुआ।पोस्टर विमोचन कार्यक्रम के दौरान आयोजन समिति के पदाधिकारी, संत–महात्मा, सकल हिन्दू समाज के प्रबुद्धजन, मातृशक्ति एवं युवा वर्ग की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने सम्मेलन को सफल एवं ऐतिहासिक बनाने का संकल्प व्यक्त किया।इस अवसर पर जानकारी देते हुए आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी ने बताया कि सम्मेलन की तैयारियों के अंतर्गत विवेकनाथ बस्ती के कार्यकर्ता, मातृशक्ति एवं युवा वर्ग पिछले 10 दिनों से प्रतिदिन प्रभात फेरी निकाल रहे हैं।

प्रभात फेरी के दौरान भजन–कीर्तन के माध्यम से धार्मिक वातावरण निर्मित किया जा रहा है तथा घर–घर जाकर अक्षत (पीले चावल) भेंट कर ससम्मान सम्मेलन का निमंत्रण दिया जा रहा है। इस जनसंपर्क अभियान को क्षेत्रवासियों का व्यापक समर्थन मिल रहा है।

आयोजन समिति से जुड़े दिनेश सांखला ने बताया कि विराट हिन्दू सम्मेलन आगामी 1 फरवरी 2026, रविवार (माघ पूर्णिमा) को प्रातः 11 बजे से श्री नवलेश्वर मठ, श्री विवेकनाथ जी बगीची, नत्थूसर बास, बीकानेर में आयोजित किया जाएगा।

सम्मेलन के अंतर्गत भारत माता पूजन, संतों का आशीर्वचन एवं भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

साथ ही श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की भी समुचित व्यवस्था रहेगी।

आयोजन समिति ने समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों से अपील की है कि वे सपरिवार उपस्थित होकर इस विराट आयोजन को सफल बनाएं और हिन्दू एकता एवं सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने में अपना योगदान दें।

साधुमार्गी जैन संघ की आम सभा में गोपालचंद खिंवेसरा अध्यक्ष निर्वाचित

बेंगलूरु, 28 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। साधुमार्गी जैन संघ, बेंगलोर की आम सभा का आयोजन विजयनगर स्थित समता भवन के सभागार में संघ अध्यक्ष सुन्द–रलाल सिपानी की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से हुई, जिसके पश्चात अध्यक्ष सुन्दरलाल सिपानी ने अपना अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत किया।सभा में संघ के मंत्री महावीर चौपड़ा ने गत दो वर्षों के दौरान संघ द्वारा किए गए कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी, जबकि कोषाध्यक्ष सुशील बरमेचा ने संघ का दो वर्षों का आय–व्यय विवरण सदन के समक्ष प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर कमल सिपानी, देवीलाल सुखलेचा, दिलीप डागा, किशोर कर्नावट सहित अन्य सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए संघ की गतिविधियों की सराहना की।

आम सभा के दौरान वर्तमान अध्यक्ष सुन्दरलाल सिपानी ने आगामी दो वर्षों के कार्यकाल के लिए अध्यक्ष पद हेतु गोपालचंद खिंवेसरा के नाम की घोषणा की। घोषणा होते ही सदन में हर्ष–हर्ष की ध्वनि गूंज उठी और सदस्यों ने सर्वसम्मति से उनका समर्थन किया।

नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री गोपालचंद खिंवेसरा ने संघ के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से वे अपने आगामी दो वर्षों के कार्यकाल में संघ को नई ऊँचाइयों पर ले जाने का प्रयास करेंगे तथा संघ की परंपराओं और मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ करेंगे।

इस अवसर पर जसवंत मांडोत, नरेन्द्र पोखरना, सुनील नंदावत, इन्द्र सिपानी, विमल कांकरिया, कुलदीप नंदावत, अरविंद खिंवेसरा, ललित खिंवेसरा सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही समता युवा संघ के अध्यक्ष एवं मंत्री तथा समता महिला मंडल के अध्यक्ष, मंत्री एवं अन्य सदस्य भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.